सुविचार

तुम पानी जैसे बनो जो अपना रास्ता खुद बनाता है, पत्थर जैसे ना बनो जो दूसरों का भी रास्ता रोक लेता है।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

12

मर्दानी 3 में काम करेंगी रानी...

Ranchi ● Saturday, 23 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 332 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	71,106.96
निफ्टी	:	21,349.40

SARAFA

सोना	:	5,960
चांदी	:	80.70

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

धनबाद जिले में आयोजित योजना आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन, बोले-

झारखंड राज्य को 2025 तक बनाएंगे एक ताकतवर राज्य

PHOTON NEWS DHANBAD : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड कोई पिछड़ा और गरीब राज्य नहीं है लेकिन पिछले 20 वर्षों के दौरान इसे पिछड़ा रहने के लिए छोड़ दिया गया। किसी ने राज्य को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने की प्रतिबद्धता नहीं दिखाई। हमारी सरकार इस राज्य को गरीबी और पिछड़ापन के टैग से निजात दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वर्ष 2025 में झारखंड 25 वर्ष का युवा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को धनबाद जिले के बलियापुर प्रखंड स्थित मोदी टोला ग्राम में आयोजित आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आदिवासियों-मूलवासियों और झारखंड वासियों की सरकार है। यह सरकार रांची-दिल्ली से नहीं, बल्कि गांव-देहात और मोहल्ला-टोला से चल रही है। हर व्यक्ति के दरवाजे तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाने का महाअभियान चल रहा है। लोगों को पूरे मान-सम्मान के साथ उनका हक-अधिकार दे रहे हैं।

कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सीएम ने कई विकास योजनाओं का दिया तोहफा

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 531 करोड़ 7 लाख 35 हजार 565 रुपये की 206 योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया। इसमें 122 करोड़ 68 लाख 6 हजार 264 रुपये की 135 योजनाओं की नींव रखी गई जबकि 408 करोड़ 39 लाख 29 हजार 301 रुपये की 71 योजनाओं का उद्घाटन संपन्न हुआ। साथ ही विभिन्न योजनाओं के 3 लाख 76 हजार 497 लाभुकों के बीच 418 करोड़ 21 लाख 55 हजार 242 रुपये की परिसंपत्तियां बांटी गईं।

आठ लाख गरीबों को दिया जाएगा पक्का मकान, गांव को शहरों से जोड़ा जाएगा

उन्होंने यह भी कहा कि हमारे पूर्व की सरकारों में लगभग 11 लाख राशन कार्ड अमान्य कर दिए गए थे जबकि हमारी सरकार ने 20 लाख से ज्यादा हरा राशन कार्ड जारी कर गरीबों को मुफ्त अनाज दे रही है। हमने अबुआ आवास योजना शुरू किया है। इस योजना के माध्यम से 8 लाख गरीबों को तीन कमरे का पक्का मकान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत गांव को शहरों को जोड़ा जाएगा। बुजुर्ग, झारखंड आंदोलनकारी, महिला, दिव्यांग तथा विद्यार्थी नि:शुल्क परिवहन सेवा का लाभ ले सकेंगे। ऐसी कई और योजनाएं हैं, जिनके द्वारा हम समाज के हर वर्ग और तबके को मजबूत और सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुछ जिले ऐसे हैं जहां बिजली के लिए डीवीसी से हमें बिजली खरीदनी पड़ती है। इसमें अक्सर डीवीसी की मनमानी की बात सामने आती है लेकिन हमारी सरकार बहुत जल्द अपने बलबूते पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति करेगी। इसके लिए ट्रांसमिशन लाइन और ग्रिड तथा सब स्टेशन बनाने का काम बहुत तेजी से चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम पहली बार वर्ष 2021 में आयोजित हुआ था। इस दौरान लगभग 30 लाख आवेदन मिले थे। वहीं, 2022 में आयोजित दूसरी बार के इस कार्यक्रम में लगभग 50 लाख लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन शिविरों में दिया था। तीसरी बार यह कार्यक्रम इस वर्ष 24 नवंबर से चल रहा है। इन शिविरों में जिस तरह लोगों का उत्साह देखने को मिल रहा है उससे साफ जाहिर होता है कि लोगों को सरकार से काफी उम्मीदें हैं।

उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने के दो दशकों तक लोगों की समस्याओं का समाधान सही तरीके से नहीं हो सका था लेकिन हमारी सरकार लोगों के घर और दरवाजे तक पहुंच कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। यह सिलसिला हर वर्ष जारी रहेगा और इस दौरान कई नई योजनाएं भी लेकर सरकार आपके बीच आएगी। हमारी कोशिश है कि सरकार की योजनाओं से जुड़कर हर घर-परिवार खुशहाल और समृद्ध बने।

10वीं, 11वीं और 12वीं के सभी विद्यार्थियों को दिया जाएगा गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10वीं 11वीं और 12वीं के सभी विद्यार्थियों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना दिया जाएगा। इस योजना की खासियत है कि आपको डिग्री मिलने तक इस योजना के तहत मिले शिक्षा ऋण को वापस करने की जरूरत नहीं है। जब आपको नौकरी लगेगी तभी आप किशत में ऋण चुकाएं। इस योजना को लॉन्च करने का मकसद है कि कोई भी विद्यार्थी आर्थिक कठिनाई की वजह से अपनी पढ़ाई को ना छोड़े और अपने भविष्य को संवारने का काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लाइब्रेरी और विद्यालयों में विद्यार्थियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पुस्तिका दी जाएगी। इससे यह फायदा होगा कि लोग जानकारी के अभाव में योजनाओं से वंचित नहीं रहेंगे और अपनी जरूरत की योजना से जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में मात्र 16 लाख लोगों को पेंशन योजना से जोड़ा गया था जबकि हमारी सरकार महज 4 साल में 36 लाख से ज्यादा बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के माध्यम से पेंशन दे रही है।

BRIEF NEWS

झाप्रसे के 37 अफसरों को मिलेगा प्रमोशन, बनी सहमति

RANCHI : झारखंड प्रशासनिक सेवा के 37 अफसरों को जल्द ही प्रमोशन मिलेगा। मुख्य सचिव एल ख्यांगते की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन कार्यालय में शुक्रवार को हुई बैठक में इस पर सहमति बनी। अब राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस पर सहमति ली जायेगी। इसके बाद अधिसूचना जारी की जायेगी। जिन अफसरों को प्रमोशन मिलेगा उनमें अपर समाहर्ता कोटि से संयुक्त सचिव एवं समकक्ष कोटि में 14 अफसर शामिल हैं। संयुक्त सचिव से अपर सचिव कोटि में 14 और अपर सचिव से विशेष सचिव कोटि में नौ अधिकारी शामिल हैं। बैठक में विकास आयुक्त अरुण कुमार, श्रम आयुक्त संजीव कुमार बेसरा और कार्मिक विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

RANCHI : सरायकेला जिले में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म मामले पर एडीजे-1 अमित शेखर की अदालत ने तीन आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जिन लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, उनके नाम अभिषेक कुमार मिश्र, विजय मुखी और महमूद अंसारी हैं। पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर इन सभी को पोक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सरायकेला की अदालत ने 13 दिसंबर को तीनों अभियुक्तों को दोषी करार दिया था। गुरुवार (21 दिसंबर) को सजा के बिंदुओं पर सुनवाई हुई। इसके बाद सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस मामले का चौथा आरोपी नाबालिग है। इसलिए उसके मामले को जुबेनाइल कोर्ट को सौंप दिया गया है।

अरविंद केजरीवाल को ईडी का तीसरा समन, भेजा नोटिस

NEW DELHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले की जांच को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन जनवरी को पेश होने के लिए नया समन जारी किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के ईडी का यह तीसरा समन है। इससे पहले उन्हें दो नवंबर और 21 दिसंबर को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया था। दूसरी नोटिस मिलने के वक्त सीएम केजरीवाल विपश्यना के लिए चले थे। साथ ही पेश होने से इनकार करते हुए कहा था कि व्यक्तिगत पेशी के लिए उनके खिलाफ जारी किया गया नोटिस कानून के अनुरूप नहीं है और इसे वापस लिया जाना चाहिए।

वैगन ट्रेन को रोककर, टैंकर से डीजल उड़ाने वाले गैंग का पदार्फाश

KOLKATA : पश्चिम बंगाल में डीजल वैगन ट्रेन (इसी नंबर-32946) को रोककर पेट्रोल चोरी करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल के रामपुरहाट पोस्ट ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मौके से आरपीएफ ने दो हजार लीटर डीजल, पांच ड्रम और एक चार पहिया वाहन भी बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम सुकुर मीर (40) है। वह बीरभूम के रामपुरहाट थाना अंतर्गत कुमुड्डा का रहने वाला है। आरोपी कुमुड्डा में अपने पिता जलील मीर के साथ रहता है। उक्त कार्रवाई में रामपुरहाट स्टेशन के आरपीएफ बल के साथ आरपीएफ बर्दवान क्राइम इंटेलिजेंस की टीम भी शामिल थी।

खिलाड़ियों का दबदबा था और रहेगा, साक्षी मलिक सिर्फ राजनीतिक मोहरा : संजय सिंह

NEW DELHI : 'फेडरेशन में खिलाड़ियों का दबदबा था और रहेगा। साक्षी मलिक जैसे लोग अब खिलाड़ी नहीं रह गए। वो तो राजनीतिक मोहरा हो गए हैं। हम नहीं चाहते कोई कुश्ती छोड़े, हर खिलाड़ी का स्वागत है। साक्षी भी अगर आना चाहती हैं, तो ट्रायल दें और कुश्ती लड़ें।' ये बातें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लुएफओ) के नए अध्यक्ष संजय सिंह ने कहीं। 21 दिसंबर यानी गुरुवार को संजय ने हरियाणा की अनीता श्योराण को हराकर डब्लुएफओ के अध्यक्ष बने। उनके अध्यक्ष बनते ही साक्षी मलिक ने कुश्ती त्यागने का ऐलान कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया है कि संजय सिंह बृजभूषण बिजनेस पार्टनर हैं। आपको बृजभूषण सिंह का करीबी माना जाता है? क्या बैकडोर से फेडरेशन की कमान उनके पास ही है? ऐसे कई सवाल दैनिक भास्कर ने फोन पर संजय सिंह से पूछा। उन्होंने इन सवालों को बेबाकी से जवाब दिया।

झारखंड में नक्सलियों ने उड़ाया रेल पटरी चक्रधरपुर मंडल में ट्रेनों का परिचालन ठप

प्रतिबंधित नक्सली संगठन ने 22 दिसंबर को किया था भारत बंद का आह्वान

PHOTON NEWS CHAIBASA : प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने गुरुवार रात करीब 11:00 बजे गोइलकेरा और पोसैता स्टेशन के बीच बम विस्फोट कर रेल पटरी को उड़ा दिया। इससे चक्रधरपुर रेल मंडल के हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग में ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया। इसके बाद एहतियातन शालीमार-कुर्ला अप एक्सप्रेस ट्रेन (18030) को गोईलकेरा स्टेशन पर रोक दिया गया।

प्रतिबंधित नक्सली संगठन ने 22 दिसंबर को भारत बंद का आह्वान किया था। बंद शुरू होने से पहले ही नक्सलियों ने चक्रधरपुर रेल मंडल के गोइलकेरा और पोसैता रेलवे स्टेशनों के बीच पोल संख्या 356/29ए और 31ए के बीच थर्ड लाइन में विस्फोट कर रेल पटरी को उड़ा दिया।

क्षतिग्रस्त रेल पटरी। ● फोटोन न्यूज

नक्सल इलाकों के सभी रूटों पर पुलिस कि गश्त बढ़ी

घटना के बाद राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों की सभी रूटों पर पुलिस कि गश्त बढ़ा दी गई है। नक्सल प्रभावित जिलों में स्थापित रेलवे स्टेशन के बाहर और भीतर दोनों तरफ निगरानी बढ़ा दी गई है। हर ट्रेन की गहनता से जांच करवाई जा रही है। इसके लिए स्वान दस्ते की भी मदद ली जा रही है। स्टेशन में प्रवेश कर देने वाले यात्रियों को भी चेक किया जा रहा है। विस्फोट की वजह से हटिया से हावड़ा जाने वाली दो ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है।

नक्सलियों ने इस स्थान को बैनर और पोस्टरों से पाट दिया है। इस विस्फोट की जानकारी इस रेल खंड की दूसरी लाइन से गुजर रही एक मालगाड़ी के क्रू और गार्ड ने नजदीकी स्टेशन को दी गई। इसके बाद चक्रधरपुर रेल मंडल में हड़कंप मच गया। इसके बाद फौरन मार्ग में ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया।

सुरक्षाबलों की टीम भेजा गया : सीनियर डीसीएम गजराज सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही समूचे रेल मंडल में ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। सुरक्षाबलों की टीम को मौके पर भेजा गया। डीआरएम एजे राठौड़ ने बताया कि तड़के चार बजे के बाद से अब तक ट्रेनों का परिचालन बहाल नहीं हो पाया है। चक्रधरपुर राउरकेला सरंडा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द कर दिया गया है।

माओवादियों ने जारी किया था पत्र : बंद को लेकर भाकपा माओवादियों के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह लिखा गया है कि नक्सल मुक्त झारखंड के नाम पर केंद्रीय बलों के साथ मिलकर झारखंड पुलिस आदिवासी बहुल इलाकों में अत्याचार कर रही है। अगस्त 2022 से लेकर अब तक लगातार लाल दस्ते पर बर्बर हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में हमारे साथियों को पकड़-पकड़ कर मारा जा रहा है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी क्रांतिकारी आंदोलन क्रांतिकारी जनता के उन्मूलन के लिए कार्य करती है। ऐसे में जरूरत है कि पुलिस के नाजायज हमले के खिलाफ आवाज बुलंद की जाए।

ये ट्रेनें रद्द की गईं

- 18478 - योगनगरी ऋषिकेश पुरी उत्कल एक्सप्रेस - मनोहरपुर में
- 12905 - पोरबंदर शालीमार एक्सप्रेस - मनोहरपुर में
- 18006 - जगदलपुर हावड़ा एक्सप्रेस - मनोहरपुर में
- 18030 - शालीमार एलटीटी एक्सप्रेस - गोईलकेरा में
- 12102 - शालीमार एलटीटी एक्सप्रेस - टाटा में
- 12129 - पुणे हावड़ा एक्सप्रेस - राउरकेला में
- 12810 - हावड़ा सीएसएमटी एक्सप्रेस - चक्रधरपुर में
- 12222 - हावड़ा पुणे एक्सप्रेस - चक्रधरपुर में
- 12151 - एलटीटी शालीमार एक्सप्रेस - राउरकेला में
- 12130 - हावड़ा पुणे एक्सप्रेस - टाटा में खड़ी की गयी

सांसदों के निलंबन का विरोध, इंडिया गठबंधन के नेताओं का जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन शुरू

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी सहित क्छ्ठ्क्र्अ गठबंधन के अन्य नेताओं ने आज शुक्रवार सुबह 11 बजे दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। साथ ही कांग्रेस के सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। धरना प्रदर्शन में शरद पवार, शशि थरूर, सुरजेवाला, दिग्विजय सिंह, महुआ माजी सहित अन्य शामिल हुए हैं।

जान लें कि संसद की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने लोकसभा और राज्यसभा में लगातार भारी हंगामा किया। वे इस घटना पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करते रहे थे। भारी हंगामे के बीच दोनों सदनों के सभापति ने विपक्षी सांसदों के खिलाफ ऐक्शन लिया और उन्हें हर दिन निलंबित करते रहे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम वाराणसी, अहमदाबाद जा रहे हैं, वे हर जगह बोल रहे हैं, पर संसद में सुरक्षा चूक पर चुप्पी साधे हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह भी संसद सुरक्षा चूक पर पार्लियामेंट में कुछ नहीं बोले। खड़गे ने कहा, हम इसकी निंदा करते हैं। आरोप लगाया कि मोदी सरकार सदन नहीं चलने देना चाहती। विपक्ष की आवाज दबायी जा रही है। कहा कि संसद में बोलना हमारा अधिकार है। बिना जगदीप धनखड़ का नाम लिये कहा, सभापति मामले को जातिगत रंग दे रहे हैं।

शशि थरूर ने कहा, हम अपने संसदीय लोकतंत्र पर हमला देख रहे हैं, जो बेहद गंभीर है। रैली का उद्देश्य जनता का ध्यान हमारे लोकतंत्र के सामने मौजूद खतरनाक स्थिति की ओर आकर्षित करना है। इतिहास में कभी भी 146 सांसदों को निलंबित नहीं किया गया।

लातेहार में हथियार और लेवी की राशि के साथ चार नक्सली गिरफ्तार

PHOTON NEWS LATEHAR : लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए नक्सली संगठन जेजेएमपी के चार नक्सलियों को छिपादोहर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।गिरफ्तार नक्सलियों में सामदेव सिंह , अख्तर अंसारी, लक्ष्मण ठाकुर और राम सुंदर उरांव शामिल है। सभी लातेहार के रहने वाले हैं। गिरफ्तार नक्सलियों के पास से एक देसी कट्टा, 2 जिंदा गोली, लेवी वसूले गए 71 हजार रुपए बरामद किया गया।

मीडिया को जानकारी देते पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव। ● फोटोन न्यूज

शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव ने बताया कि लातेहार एसपी को सूचना मिली की कुछ लोग हथियार के साथ छिपादोहर के हंसराज टोला में ग्रामीणों के मारपीट कर रहे हैं। सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर छापामारी की। पुलिस को देखकर कुछ लोग भागने लगे जिन्हें पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया।

छानबीन इनके पास से 71 हजार रुपए नगद और एक देसी बंदूक बरामद हुआ।

अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन की चल रही तैयारी, रनवे पर विमान उतरने का हुआ पूर्वाभ्यास

अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा पहला विमान

AGENCY LUCKNOW : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन की तैयारी चल रही है शुक्रवार को रनवे पर एक विमान के उतरने का पूर्वाभ्यास किया गया। अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डे पर रनवे टेस्टिंग के लिए दोपहर 12 बजे वायुसेना का जहाज उतरा। क्रू मेंबर्स ने संतोष व्यक्त किया। एसपीजी प्रमुख ने भी अधिकारियों के साथ एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि अयोध्या के मयार्दा पुरूषोत्तम श्री राम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान का सफल परीक्षण किया गया, जिसका उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना है। एयरपोर्ट के उद्घाटन के अलावा पीएम मोदी अयोध्या रेलवे स्टेशन से दो ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें एक वंदे भारत भी शामिल है। वह 30 दिसंबर को एक सार्वजनिक बैठक को भी संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, ₹पीएम मोदी 30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या अयोध्या हवाई अड्डे का भी उद्घाटन करेंगे और यह 5 जनवरी, 2024 को चालू हो जाएगा।₹ एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 14 दिसंबर को अयोध्या हवाई अड्डे को एयरोड्रम लाइसेंस प्रदान किया। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष संजीव कुमार को नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के महानिदेशक विक्रम देव दत्त से लाइसेंस मिला।

अयोध्या हवाई अड्डे में 2200 मीटर लंबा रनवे

अयोध्या हवाई अड्डे में 2200 मीटर लंबा रनवे, एयरोनॉटिकल ग्राउंड लाइट्स (एजीएल) बुनियादी ढांचा, डॉपलर वेरी हाई-फ्रीक्वेंसी ओमनी रेंज (डीवीओआर), और एक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) है। हवाई अड्डे में ऐसी विशेषताएं होंगी जो इसे दिन और रात के संचालन और 550 मीटर से अधिक की कम दृश्यता की स्थिति के दौरान उपयुक्त बनाती हैं। एएआई और डीजीसीए दोनों अधिकारियों ने इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सहयोग किया। एएनआई ने बताया कि हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन में पीक आवर्स के दौरान 600 यात्रियों और सालाना 10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पीएम मोदी के दौरे से पहले तैयारियों और विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। पीएम मोदी 22 जनवरी को कई परियोजनाओं और राम जन्मभूमि मंदिर में अभिषेक समारोह का उद्घाटन करने के लिए अयोध्या जाएंगे।

राज्यपाल ने सिविल सेवा परीक्षा संशोधित नियमावली को दी स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने झारखंड संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (द्वितीय) संशोधित नियमावली को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही कार्मिक, प्रशासनिक विभाग ने गजट अधिसूचना भी जारी कर दी है। इस नियमावली को द झारखंड कंबाइंड सिविल सर्विसेस एग्जामिनेशन (2 अमेंडमेंट) रूल्स 2023 कहा जायेगा। इस नियमावली के तहत मुख्य रूप से अब विज्ञापन वर्ष के पहली अगस्त की तिथि को न्यूनतम आयुसीमा 21 वर्ष व अधिकतम आयुसीमा 35 वर्ष निर्धारित की गयी है। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए क्वालिफाइंग मार्क्स 40 प्रतिशत रखा गया है।

जबकि एससी/एसटी के लिए 32 प्रतिशत, इबीसी के लिए 34 प्रतिशत, बीसी टू के लिए 36.5 प्रतिशत, पीटीजी के लिए 30 प्रतिशत तथा इडब्ल्यूएस के लिए 40 प्रतिशत क्वालिफाइंग मार्क्स निर्धारित किया गया है। मुख्य परीक्षा में पेपर वन लैंग्वेज (जेनरल हिंदी व जेनरल इंग्लिश) की परीक्षा होगी। इसमें अभ्यर्थी को क्वालिफाइ होना होगा, लेकिन अंक मेरिट लिस्ट में नहीं जुड़ेंगे। इस नियमावली के तहत किसी भी तरह के आरक्षण का लाभ लेनेवाले को आरक्षित श्रेणी में ही रखा जायेगा।

मुख्य परीक्षा में बैठने की योग्यता पीटी में प्राप्तांक के अनुसार कुल रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थियों की होगी। महिला, दिव्यांग को भी क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा। आयोग द्वारा प्रारंभिक चयन सूची पहले तैयार की जायेगी।

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी हैः-

जलवायु एवं भूमि की तैयारीः- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यतः भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचारः- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाईः- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधनः- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधनः- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाईः- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपजः- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षणः- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोगः- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिताः- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदकः- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिडः- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोडकर तथा इन्हे सरियों के टुकडो के सहारे खेत में खडा करके उसके उपर पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौडाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमोसमी सब्जी जैसे लोकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लास्टिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यत- इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लास्टिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस

एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्यवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

BRIEF NEWS

शेख शहीद भिखारी व शहीद टिकैत सिंह समारोह समिति का चुनाव संपन्न

RANCHI : आईएसएम चौक पुंदाग रांची में शेख भिखारी शहीद टिकैत उमराव सिंह समारोह समिति की बैठक नेजामुद्दीन मस्तान बाबा की अध्यक्षता में हुआ इस दौरान समिति का चुनाव किया गया। इसमें मुख्य संरक्षक एजाज अंसारी, इरफान अहमद, आफताब हुसैन, सज्जाद अंसारी, शोएब आलम, अध्यक्ष तौकीर आलम, कार्यकारी अध्यक्ष मजहर हुसैन और इस्तियाक अंसारी, वरीय उपाध्यक्ष कुदुस अंसारी, उपाध्यक्ष एनामुल हक, प्रधान महासचिव बिंदे मुंडा, महासचिव जुल्फाम अंसारी और इनायत हुसैन, सचिव अफरोज अंसारी और मुस्तफा अंसारी, उप सचिव शमशाद हुसैन, कोषाध्यक्ष मोबिन अंसारी और मीडिया प्रभारी तौसीफ खान और गुलजार अहमद को चुने गए। समिति की ओर से 08 जनवरी 2024 को राज्य के वीर सपूत शेख शहीद भिखारी एवं शहीद उमराव टिकैत सिंह की शहादत दिवस की अवसर पर कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी तौसीफ खान ने दी।

निगम के चार वार्डों में 36 आवेदनों का हुआ निपटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को रांची नगर निगम की ओर से चार वार्डों में शिविर लगाया गया। इनमें वार्ड नंबर 47, 48, 49 और 50 में कुल 36 आवेदनों का निपटारा ऑन स्पॉट किया गया। इसके अलावा चारों वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 631 कंबल का वितरण भी किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है।

कांके प्रखंड महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस का सम्मेलन संपन्न

RANCHI : कांके प्रखण्ड महीला कांग्रेस समिति और युवा कांग्रेस का सम्मेलन ग्राम मरवा में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय उपस्थित हुए। महीला एवं युवा कांग्रेस के पंचायत अध्यक्षों को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कसने एवं जल्द से जल्द बूथ स्तर तक कमिटी फाइनल करने को लेकर सुबोध कांत सहाय ने टास्क दिया। इस कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा, रांची महानगर अध्यक्ष जमील अख्तर, खिजरी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुन्दरी तिर्की, मैरी तिर्की, एसटी मोर्चा के शिवटहल नायक, कांके विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मो. खालिद सैफुल्लाह, लाला महली, रती महली, महिला प्रखण्ड अध्यक्ष संजू देवी, मुस्ताक अंसारी, अफजल अंसारी, रिजवान अंसारी, दीपक साहू, नीरज यादव, हैयात अंसारी कांके प्रखण्ड के महिला एवं युवा कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष एवं पंचायत अध्यक्ष एवं भारी संख्या में महिला एवम युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांस्टेबल रैंक में चार हजार रिक्त पदों को भरने के लिए कार्रवाई तेज

RANCHI : झारखंड पुलिस की ओर से कांस्टेबल रैंक में लगभग चार हजार रिक्त पदों को भरने के लिए कार्रवाई तेज कर दी गयी है। इसे लेकर शुक्रवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुलिस मुख्यालय में समीक्षा की। रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरने का दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रिक्त पद भरने से उग्रवादी संगठनों, संगठित आपराधिक गिरोहों, साइबर अपराधियों पर चौतरफा कार्रवाई के साथ अन्य आपातकालीन सेवाएं, विधि-व्यवस्था संधारण, महिलाओं के विरूद्ध और अन्य सभी प्रकार के अपराधों पर रोकथाम के लिए और प्रभावी एवं सार्थक कार्रवाई करने में आसानी होगी।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट ने नीरज सिंह हत्याकांड मामले में राज्य सरकार से मांगा जवाब

संजीव को क्यों नहीं भेजा गया एम्स

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के मामले में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की जमानत याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि संजीव सिंह को बेहतर इलाज के लिए एम्स क्यों नहीं भेजा गया है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई तीन जनवरी निर्धारित की है। याचिकाकर्ता संजीव सिंह की ओर से अपनी बीमारी का हवाला देते हुए 30 दिन का प्रोविजनल बेल का आग्रह कोर्ट से किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि संजीव सिंह गंभीर रूप से बीमार है। वे रिम्स में इलाजरत है।

रिम्स के आठ डॉक्टरों की टीम ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एम्स भेजने की अनुशंसा की है, लेकिन जेल प्रशासन अगस्त माह से ही इस मामले में कुछ नहीं कर रहा है। पूर्व में हाईकोर्ट दो बार संजीव सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर चुका है। नीरज की हत्या के मामले में पूर्व विधायक संजीव सिंह 11 अप्रैल, 2017 से जेल में बंद हैं। इससे पूर्व भी हाईकोर्ट से संजीव सिंह की जमानत याचिका खारिज हो चुकी थी।

देवघर में तालाब की जमीन पर अस्पताल बनाए जाने के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में देवघर के मधुपुर अनुमंडल में गैर मजुरूवा जमीन पर बने तालाब पर अस्पताल बनाए जाने के टेंडर को चुनौती देने वाली अरुण शाही की जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में यथा स्थिति (स्टेटस को) बनाए रखने का आदेश दिया है यानी अब वहां की स्थिति पूर्व में जैसी थी वैसी कोर्ट के अगले आदेश तक बनी रहेगी। मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित की गई है। पूर्व में खंडपीठ ने अरुण शाही की रिट याचिका को जनहित याचिका (पीआईएल) में बदला था। दरअसल, याचिकाकर्ता का कहना है कि देवघर के गोविंदपुर मौजा में मधुपुर अनुमंडल स्थित बांध/तालाब पर अस्पताल बन रहा है। इसका शिलान्यास 18 सितंबर को चुका है। तालाब को भरकर उसकी जमीन पर अस्पताल बनाना गलत है।

HC ने अवैध खनन मामले में सुनील यादव की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

RANCHI : झाराखंड हाई कोर्ट में साहिबगंज में 1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में आरोपित सुनील यादव की ओर से दाखिल जमानत याचिका की आंशिक सुनवाई शुक्रवार हुई। मामले में जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई जनवरी माह में होगी। याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि उनके खिलाफ जो आरोप लगे हैं वह निराधार हैं। अवैध खनन मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। सुनील यादव के और से हाई कोर्ट में अधिवक्ता सब्यसाची ने पक्ष रखा। गत सात अक्टूबर को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने सुनील यादव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुनील, दहू यादव का भाई है। ईडी कोर्ट ने इन दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद साहिबगंज पुलिस ने 26 अगस्त को सुनील यादव को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में आरोपित सुनील का भाई दाहु यादव अब तक फरार है।

नगर निकाय चुनाव नहीं कराने पर पूर्व पार्षद ने हाईकोर्ट में दाखिल की अवमानना याचिका

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में नगर निकाय चुनाव राज्य सरकार द्वारा नहीं कराये जाने को लेकर रांची नगर निगम की पूर्व पार्षद रोशनी खलको ने अवमानना याचिका दाखिल की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि झारखंड सरकार द्वारा स्थानीय निकायों का चुनाव नहीं कराया जाना सुप्रीम कोर्ट के आदेश एवं संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी सरकार आधी-अधूरी बात के साथ जनता के साथ कोर्ट का समय भी बर्बाद कर रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर रही है। सरकार कह रही है कि ट्रिपल टेस्ट कराकर ही निकाय/पंचायत चुनाव कराए जाएगा लेकिन संविधान का प्रावधान है कि यदि ट्रिपल टेस्ट लंबे समय तक नहीं कराया गया है तो निकाय चुनाव को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के तय मानकों के आधार पर राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयर हाउस खोलकर आंतरिक व्यवस्था, ईवीएम के रख-रखाव सहित अन्य मानकों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ईवीएम के रख-रखाव से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का हर हाल में पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक सुमन को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रतिवेदन राज्य निर्वाचन विभाग को भेजने को कहा।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार ईवीएम प्रदर्शन मतदाताओं को जागरूक किए जाने के लिए निर्धारित संख्या में मशीनें निकाल कर अलग स्ट्रांग रूम में रखी गई। वेयर हाउस में मशीने निकाले जाने के दौरान सम्बंधित पदाधिकारी और मान्यता प्राप्त राजनीतीक दल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सांसदों के निलंबन को लेकर INDIA गठबंधन ने निकाला विरोध मार्च

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा और राज्यसभा से सांसदों को निलंबित करने के विरोध में आईएनडीआईए गठबंधन ने शुक्रवार को रांची के जिला स्कूल से राजभवन तक विरोध मार्च निकाला।

मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लोकसभा में सांसदों के आवाज को दबा दिया गया। इसलिए हम सड़क पर आकर लड़ाई लड़ रहे हैं। हमें सड़क पर प्रदर्शन करने से कोई नहीं रोक सकता। देश के लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं है।

भाकपा के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी अंबानी के इशारे पर कार्य कर रही है। केंद्र सरकार को संविधान से कोई लेना-देना नहीं, इसलिए लगातार जन विरोधी फैसले ले रही है। आने वाले दिन 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता सबक सिखाएगी।

झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश में आपातकाल की स्थिति है। केंद्र सरकार विपक्षी सरकारों को निशाना बना रही है। कभी ईडी के नाम पर तो कभी सीबीआई के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है।

इस अवसर पर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, जनता दल के सभा को राष्ट्रीय जनता दल के रंजन यादव ,धर्मेंद्र महतो, आम आदमी पार्टी के हरी सिंह, तृणमूल के फिलोमिन टोपनो, झामुमो के जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम,कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राकेश किरण, सीपीआई के अजय सिंह, झामुमो के जिला सचिव हेमलाल महतो सहित कई नेता मौजूद थे।

विरोध मार्च में शामिल गठबंधन के लोग। ● फोटोन न्यूज

हत्या के तीन आरोपी दोषी करार, फैसला तीन को

PHOTON NEWS RANCHI : अपर न्यायायुक्त एसएम सज्जाद की अदालत ने शुक्रवार को रातू निवासी अम्मार अंसारी की हत्या के तीन आरोपियों मो. तौकीर खान, छोटू खान और मो. इसराफिल को दोषी करार दिया है। सजा की बिंदु पर तीन जनवरी को सुनवाई होगी। मामले में प्रभारी लोक अभियोजक मिनाक्षी कंडुलना ने अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किये जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया।

मामला वर्ष 2018 का है। इस संबंध में रातू थाना में मृतक के पिता ने नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दो अभियुक्तों मो. तौकीर खान और छोटू खान को घटना के बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, उसी समय से दोनों जेल में है जबकि मो. इसराफिल बेल पर था। दोषी करार दिये जाने के बाद अदालत ने उसे हिरासत में लेने का आदेश दिया।

उसे हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया।

क्या है मामला : 29 दिसम्बर, 2018 की शाम सात बजे अम्मार अंसारी को चाय पीने की बात बोलकर मो. तौकीर खान अपने साथ ले गया। दूसरी दिन यानी 10 दिसम्बर को अम्मार अंसारी का शव सिमलिया के हाजी चौक पर मिला। पुलिस ने मृतक के दोस्त तौकीर को गिरफ्तार किया। उसने बताया कि वह और उसके दो दोस्तों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। उसकी निशानदेही पर छोटू खान तथा मो. इसराफिल को गिरफ्तार किया गया। तीनों को जेल भेज दिया गया था।

सामाजिक न्याय यात्रा की सफलता बढ़ती जागरुकता का प्रमाण : डॉ. जगन्नाथ

RANCHI : लोकहित अधिकार पार्टी के तत्वावधान में एक नवंबर से लगातार चल रहे सामाजिक न्याय यात्रा का आज शानदार समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता और संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने किया। उक्त मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी डॉ. जगन्नाथ प्रसाद, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संरक्षक श्री प्रेमजी एवं प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। मौके पर डॉ. जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी आम जनता के हितों के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है। विशेषकर जो शोषित उपेक्षित और दबे कुचले लोग हैं। इन्हें संवैधानिक अधिकारों की जानकारी भी इन पच्चहतर वर्षों में नहीं दी गई। आज भी बहुसंख्य लोग बद से बदतर जीवन जीने को बाध्य हैं। पार्टी इनमें जागरुकता का संचार कर रही है।

पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा ने ईडी कोर्ट में दायर किया डिस्चार्ज पिटीशन

PHOTON NEWS RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत में साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा की ओर से शुक्रवार को डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल किया गया है। इस पर सुनवाई के लिए अदालत ने दो जनवरी की तिथि निर्धारित की है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में उनके खिलाफ आरोप गठन भी होना है। पिछले दिनों हाईकोर्ट से कृष्णा साहा को जमानत मिल चुकी है। बीते पांच जुलाई को 10 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। ईडी एक हजार करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में मनी लॉड्रिंग के तहत मामले की जांच कर रही है। ईडी ने कृष्णा के ठिकाने पर जुलाई 2022 में छापेमारी की थी। मामले में साहिबगंज जिले के बड़हरवा निवासी कृष्णा को मुख्यमंत्री के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का खास सहयोगी बताया जाता है। कृष्णा के अवैध पत्थर खदान में दो मजदूरों की दुर्घटना में मौत हो गई थी।

सचिवालय सेवा के दो अधिकारियों पर अलग अलग मामलों में होगी विभागीय कार्रवाई

RANCHI : झारखंड सचिवालय सेवा के दो पदाधिकारियों पर अलग-अलग मामलों में विभागीय कार्रवाई होगी। कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को इसकी स्वीकृति दे दी है। गृह, कारा विभाग के अंतर्गत कारा निरीक्षणालय में अधिसूचित व कृषि विभाग के अवर सचिव लालिमा डाडेल पर बिना किसी अनुमति या सूचित किए बिना कार्यालय में लंबी अवधि से अनुपस्थित रहने संबंधी आरोप हैं। जांच में प्रथम दृष्टया प्रमाणित भी पाया गया। विभाग ने इसे गंभीरता से लिया और सेवानिवृत आईएएस पदाधिकारी रमाकांत सिंह को जांच संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया है। इसी तरह तत्कालीन अवर सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग व सम्प्रति अवर सचिव कर्मचारी चयन आयोग संतोष कुमार पर भी विभागीय कार्रवाई चलाने का आदेश दिया गया है।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में 'तीन दिवसीय सातवां अंतरराष्ट्रीय श्रीनाथ हिंदी महोत्सव'

छात्रों का साहित्यकारों से संवाद जरूरी : रविशंकर शुक्ला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : श्रीनाथ विश्वविद्यालय में 'तीन दिवसीय सातवां अंतरराष्ट्रीय श्रीनाथ हिंदी महोत्सव' का शुक्रवार को दूसरा दिन था। इस अवसर पर हिंदी की वरिष्ठ साहित्यकार, ममता कालिया, मधु कांकरिया एवं नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से आई डॉ. संजीता वर्मा चिंतन-मनन सत्र में सम्मिलित हुई। इसका विषय 'स्त्री लेखन की लोकप्रियता' था। इस दौरान ममता कालिया ने कहा कि वर्तमान समय महिलाओं का है और महिलाएं अपना आसमान ढूंढ चुकी है। स्त्री लेखन से संबंधी पुस्तकों को पाठको का प्यार मिल रहा है। स्त्री एक सशक्त औरत है। वहीं डॉ. संजीता वर्मा ने कहा कि नेपाल में भी लोग स्त्री के संघर्ष को अपने लेखन का विषय बना रहे हैं और विशेष कर कार्य क्षेत्र में जो महिलाओं के साथ बदसलूकी होती है उस पर भी लेखन कार्य हो रहा है। कार्यक्रम में सरायकेला खरसावां जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला भी उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बेहद जरूरी है, इससे छात्रों का संवाद साहित्यकारों से होता है जो उनके लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे ममता कालिया को सुन रहे हैं। छात्रों को निरंतर ममता जी के संपर्क में रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के हिन्दी भाषा के प्रति प्रयास को सराहा। इस दौरान पटमदा डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुमंता कुमार सेन, डॉ. अनिता निधि, डॉ. नन्दन पाण्डेय, डॉ. प्रतिभा प्रसाद आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। ● फोटोन न्यूज

इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

दूसरे दिन कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। जिसमें दंगल, विज्ञापन रचना, लघुनाटिका (प्रथम चरण), वृतचित्र एवं रील्स संचार, नृत्य नाटिका, भाषा रूपांतरण, साहित्य के रंग (रंगोली) प्रश्नोत्तरी (द्वितीय चरण) इत्यादि। इन प्रतियोगिताओं में देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज आदि के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिका का प्रदर्शन किया।

खबरें राउरकेला की

ओड़िशा के छोटे शहरों के इमारतों में सांसद धीरज साहू ने छुपाए थे 351 करोड़ नकदी

ROURKELA : शराब कारोबारी और कांग्रेस सांसद धीरज साहू के विभिन्न पतों से 351 करोड़ रुपये की नकदी जब्त होने के मामले में आयकर विभाग ने पहली बार बयान जारी किया है। विभाग ने कहा कि छापेमारी के दौरान 351 करोड़ रुपये के अलावा 2.80 करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण भी जब्त किये गये। 329 करोड़ रुपये की नकदी का एक बड़ा हिस्सा बलांगीर जिले के सुदापाड़ा और टिटिलागढ़ और संबलपुर जिले के खेतराजपुर सहित ओडिशा के छोटे शहरों में पुरानी इमारतों के छिपे हुए कमरों में छिपाया गया था। ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 10 जिलों में 30 से अधिक परिसरों में आईटी संचालन हुआ। समूह का व्यवसाय रांची के एक परिवार द्वारा नियंत्रित किया जाता है। आयकर विभाग ने ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 10 जिलों के 30 से ज्यादा इलाकों में कार्रवाई की। तलाशी अभियान के दौरान कागज और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक साक्ष्य पाए गए और जब्त किए गए। जब्त किए गए सबूतों के प्रारंभिक विश्लेषण से मूल देशी दारु की बेहिसाब बिक्री के रिकॉर्ड, अघोषित नकदी का विवरण सामने आया।

गो चालान के विरोध में सुंदरगढ़ शहर में पीएलएफआई का पोस्टर, जांच में जुटी पुलिस

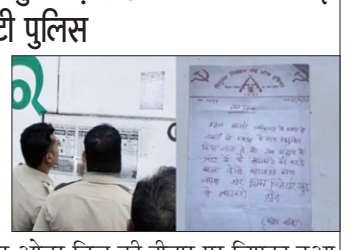

SUNDARGARH : सुंदरगढ़: प्रतिबंधित पीएलएफआई संगठन ने गो चालान के विरोध में सुंदरगढ़ में पोस्टर चस्पा दिए है। सुंदरगढ़ टाउन पुलिस स्टेशन के पास निजी बस स्टैंड के निकट यह पोस्टर ओवर ब्रिज की दीवार पर चिपका हुआ है। पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया एसोसिएशन ने इस पोस्टर में गो को चलान को बंद करने के लिए कहा गया है। इसमें लिखा गया है कि अगर इसे नहीं बंद किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। पोस्टर पर केंद्रीय कमेटी के प्रेम कुमार यादव के हस्ताक्षर हैं। इससे स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पूर्व से ही सुंदरगढ़ झारखंड सीमा क्षेत्र में पीएलएफआइ संगठन काफी सक्रिय था। 2014 में पुलिस द्वारा 6 पीएलएफआई के सदस्यों एनकाउंटर के बाद उनके गतिविधि कम हो गया था। परंतु आज का पोस्टर एक बार फिर से पीएलएफआई ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है।

अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

ROURKELA : राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल और नगर निगम आयुक्त डॉ. शुभकर महापात्र ने कल शाम राउरकेला के विभिन्न स्वास्थ्य और उपचार केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध दवाओं और चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ एम्बुलेंस सेवाओं की भी जानकारी ली। डायरिया की स्थिति में लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए उपचार केंद्र (आरोग्य) राज्य सरकार के निदेर्शानुसार राउरकेला शहर के सभी 10 स्वास्थ्य एवं उपचार केंद्र (आरोग्य) 24 घंटे खुले रहते हैं।

कबड्डी प्रतियोगिता में हृषिकेश राय कॉलेज बना विजेता

ROURKELA : युवा खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए आयोजित 'नुवा-ओ युवा ओडिशा नवीन ओडिशा' खेल उत्सव कार्यक्रम में शुक्रवार को पुरुष एवं महिला वर्ग में कबड्डी टूर्नामेंट का फाइनल मैच आयोजित किया गया। पुरुष वर्ग में हुए फाइनल मुकाबले में हृषिकेश राय कॉलेज विजेता बना, वहीं राउरकेला स्टील प्लांट हार गया। महिला वर्ग में हुए फाइनल मुकाबले में राउरकेला स्टील प्लांट ने म्यूनिसिपल कॉलेज से हारकर चैंपियनशिप पर कब्जा कर लिया।

राउरकेला में डायरिया से एक और मौत

ROURKELA : राउरकेला में डायरिया से एक और व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक 42 वर्षीय पंकज मंडल है। वह अपने परिवार के साथ पावर हाउस रोड पर रहता था। उनकी 7 साल और 4 साल की बेटी और बेटा यहां हैं। पंकज की कल रात जेपी अस्पताल में मौत हो गई। डायरिया के कारण पंकज को पहले हाईटेक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें जेपी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। डायरिया होने के बाद पंकज के दो किडनी पर असर पड़ा जेपी अस्पताल में उनका दो बार डायलिसिस भी हुआ।

भाजपा युवा मोर्चा ने महामारी रोकथाम में विफल होने का आरोप लगा किया घेराव

ROURKELA : भाजपा पानपोष जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष सूर्यकांत मोहंती के नेतृत्व में गुरुवार को युवा मोर्चा कार्यकताओं ने हैजा को रोकने में सरकार की विफलता को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकताओं और नेताओं ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि राउरकेला महानगर निगम के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में हैजा फैलने से कई कीमती जानें चली गईं। उन्होंने महानगर निगम की अक्षमता और आम लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में राज्य सरकार की विफलता के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। आरजीएच और अन्य अस्पतालों में 24 घंटे अलर्ट सिस्टम, सभी जलापूर्ति टैंकों को साफ सुथरा रखने, संक्रमित इलाकों में डॉक्टरों और कर्मचारियों को भेजने, अस्पतालों में जरूरी दवाएं उपलब्ध कराने, अस्पतालों में जरूरी बिस्तरों की व्यवस्था करने, संक्रमित इलाकों में प्रशासन हर सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। मुफ्त भोजन, सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना, स्कूल संस्थानों में जागरूकता उपाय करना, प्रशासन की ओर से संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाना। इस कार्यक्रम में जिला विधानसभा नेता लतिका पटनायक, प्रदेश प्रवक्ता धीरेन सेनापति, राज्य महिला मोर्चा उपसभापति नेता कल्पना लेंका, सुब्रत पटनायक, शशांक जेना, अबोद रॉय कैलाश राउत, कमलेश साहा, हिरोज रॉय, शिबा नंद बेहरा श्रीकांत राय, आशीष शर्मा, गौरी नायक, आतिश कुमार, प्रशांत बारिक, राधे नाग, किशोर बंछोल, राजकिशोर भंज के सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

26 जनवरी से शुरू होगा प्रो कबड्डी लीग

पटना । प्रो. कबड्डी लीग सीजन-10 शुरू होते ही लोगों पर कबड्डी का खुमार चढ़ गया है। इसमें पटना पाइरेट्स की टीम अच्छा प्रदर्शन भी कर रही है। चार साल बाद पटना में फिर से कबड्डी का रोमांच देखने को मिलेगा। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में प्रो कबड्डी लीग का आयोजन 26 जनवरी से शुरू होगा, जो 31 जनवरी तक होगा। पटना में इन छ दिनों में कुल 11 मैच होगी। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाला यह मुकाबला इस बार कुछ खास होगा, क्योंकि इसके लिए इनडोर स्टेडियम के मल्टी पर्पस हॉल फ्लोर को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का बनाया गया है। यहां के मल्टी पर्पस हॉल फ्लोर को वियतनाम के मेपल वुड से बनाकर तैयार किया गया है। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शहर का एक मात्र इंडोर स्टेडियम है। इसके मल्टी पर्पस हॉल फ्लोर को एक नया लुक दिया जा रहा है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि इस हॉल की सबसे बड़ी खासियत ये है कि पूरे देश में यह पहला मल्टी पर्पस हॉल है, जिसके वुडन फ्लोर 7 लेयर से बने हैं। इसमें मेपल वुड और पाइन की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है, जिसे वियतनाम से मंगाया गया है। इससे पहले अमेरिका से मंगाए लकड़ी से फ्लोर को तैयार किया गया था।इसके 7 लेयर में सबसे निचला लेयर रबर का है, जो 15 मिमी का है। फिर 18 मिमी का पाइन वुड का सब-फ्लोर है। उसके बाद 39 मिमी का कील का लेयर है। चौथा और पांचवा लेयर 18 मिमी का पाइन वुड का सब-फ्लोर है। इसके बाद पतला सा शॉक अब्जॉर्बशन फिल्म का लेयर है। आखिरी में सबसे ऊपर 22 मिमी का मेपल वुड का लेयर है। इन 7 लेयर्स को तैयार करने में 1 करोड़ 4 लाख रुपए का खर्च आया है। इस फ्लोर को बनाने के लिए हैदराबाद से कारीगर आए थे। यह 12 हजार स्क्वायर फीट में फैला है। इस हॉल में एक साथ 25 सौ लोग बैठ सकते हैं। इन 7 लेयर से खिलाड़ियों को खेलने में कुशन इफेक्ट और बाउंस मिलेगा। इसमें चोट लगने के चांस काफी कम है। रबर पैड और थीन फिल्म शॉक अब्जॉर्बशन का काम करता है। मेपल वुड वॉटर रेजिस्टेंस है।रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि इस पूरे सर्फेस में कांटी नहीं दिखेगा। दरअसल, इसमें ऊपर से फिक्स करने के लिए छ-शेप्ड कील लगाई गई है। जिसे फिक्स करने से कांटी बाहर से नहीं दिखेगी, वह अंदर ही रहेगी। इस मल्टी पर्पस हॉल में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, सेपकटकरा, कबड्डी, कुश्ती, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, आदि जैसे खेल भी खेले जा सकते हैं।इस बार पटना पाइरेट्स का टाइटल स्पॉन्सर खुद बिहार सरकार है।

संक्षिप्त डायरी

पाठक ने डायट का किया निरीक्षण

गोपालगंज । शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक गोपालगंज पहुंचे, इस दौरान उन्होंने डायट का किया निरीक्षण करते हुए अपने अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण के लिए आए शिक्षकों के खाना समेत कई मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। दरअसल पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत केके पाठक थावे स्थित डायट में देर रात पहुंचे। उनके आगमन के पूर्व डायट में थावे में चहलकदमीया देखने को मिली। जैसे ही वे डायट पहुंचे वैसे ही वहां मौजूद अधिकारियों और शिक्षकों ने उनका स्वागत किया।इस दौरान अपर मुख्य सचिव केके पाठक शिक्षकों से संवाद की साथ ही डायट कैंपस का निरीक्षण करते हुए डायट का रंगरोगन कराने और स्वच्छ पानी को लेकर आरओ लगाने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के लिए आए शिक्षकों के खाना का भी जांच किया। साथ ही उन्होंने रसोइया से खाने का मेन्यु पूछा व खाने के स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से भी खाने की गुणवत्ता को लेकर बात की । डीएलएड के फाइनल ईयर के छात्रों ने उनसे फाइनल परीक्षा मई माह में कराने की अपील की। जिससे वे लोग अगस्त में होने वाली नियुक्ति परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। केके पाठक ने आश्वासन दिया कि अगस्त में होने वाली परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा। उससे पहले डीएलएड की परीक्षा ले ली जायेगी।

26 दिसंबर को लगेगा जॉब कैंप, मिलेगा रोजगार

बेगूसराय । बेगूसराय में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है।

रोजगार कैंप के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों में काम दिलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर श्रम संसाधन विभाग द्वारा बेगूसराय जिला नियोजनालय में 26 दिसंबर को जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक लगने वाले इस जॉब कैंप में 18 वर्ष से अधिक उम्र के बेरोजगार भाग ले सकते हैं, जहां कि इच्छुक अभ्यर्थी नियोजक से दिए जाने वाले काम के संबंध में जानकारी लेकर आवेदन और बायोडाटा जमा करेंगे। इस जॉब कैंप में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों का एनसीएस पोर्टल पर निबंधित होना हर हाल में अनिवार्य है। जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनी वेलस्पॉन इंडिया लिमिटेड श द्वारा ट्रेनिंग ऑपरेटर के पोस्ट पर आठवीं पास से लेकर आईटीआई तक के एक सौ बेरोजगारों को चयन कर गुजरात में काम करने का मौका मिलेगा। यह जॉब कैंप 18 से 35 वर्ष तक के बेरोजगार के लिए है। चयनित को 12500 से लेकर 15500 वेतन के साथ रहने और खाने की भी सुविधा मिलेगा।

घर के अंदर तहखाना बनाकर रखी थी शराब जब्त

शेखपुरा । शेखपुरा में गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की एक टीम ने जिले के मालदह गांव में छापेमारी कर एक तस्कर के घर के अंदर से शराब का जखीरा को बरामद किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शराब को जब्त कर लिया।

अभियान का नेतृत्व उत्पाद अधीक्षक सुदेश्वर लाल ने की। जबकि छापामार दल में उत्पाद दारोगा निशा कुमारी तथा एएसआई अनिल सिंह के अलावा बड़ी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल शामिल थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुख्यात शराब तस्कर ओंकार कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है।इस बाबत उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर अपनी भूमि के नीचे भंडार गृह बनाकर देसी और विदेशी शराब का जखीरा रखा था। जिसे वह वहां से निकालकर आसपास के शराब अड्डों तक आसानी से सप्लाई किया करता था।

परीक्षा देने जा रहे छात्र को ट्रक ने कुचला

जमुई । जमुई में बीए पार्ट वन की परीक्षा देने के लिए जा रहे एक बाइक सवार छात्र को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। जिससे एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। मृतक की पहचान जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत चनवेरिया गांव निवासी सुनील यादव के पुत्र नीतीश कुमार(20) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि नीतीश शुक्रवार की सुबह अपने एक दोस्त चंदन कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर बीए पार्ट वन की परीक्षा देने के लिए सिकंदरा प्रखंड स्थित धनराज सिंह कॉलेज जा रहा था। जैसे ही वह बायपास रोड स्थित शगुन वाटिका के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया।घटना के बाद दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले बाइक और मैजिक की टक्कर हुई थी। जिसके बाद पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचल दिया। जिससे यह घटना हुई है। घटना की जानकारी के बाद टाउन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच कर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। जबकि घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित दिखे और पुलिस प्रशासन को आरोपित ट्रक चालक के खिलाफ शक्ति से कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया गया

चार दिनों से लापता किशोरी का पोखर में मिला शव

समस्तीपुर । समस्तीपुर जिले के बिथान थाना क्षेत्र के पुसहो गांव से चार दिनों से लापता किशोरी का शव पोखर में मिलने से गुरुवार को इलाके में सनसनी फैल गई। मृत किशोरी गांव के सहदेव महतो की पुत्री पूजा कुमारी 14 वर्ष बताई गई है। वह नवंम वर्ग की छात्रा थी। घटना की सूचना पर बिथान थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए गुरुवार देर शाम सदर अस्पताल भेजा।मृत किशोरी के पिता सहदेव महतो ने बताया कि वह अपनी पत्नी का उपचार करने के लिए बेगूसराय गए हुए थे। वह कुछ पशु भी पाल रखे हैं जिस कारण उनकी पुत्री रोजाना की तरह 17 दिसंबर को घास काटने के लिए चौर की ओर गई थी। लेकिन वह नहीं लौटी। जब इन्हें जानकारी मिली तो बेगूसराय से लौटने के बाद उसकी खोजबीन शुरू की। लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। जिसके बाद उन्होंने दो दिन पूर्व बिथान थाने को सूचना दी। बिथान पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और खोजबीन शुरू की। लेकिन उनकी पुत्री का कुछ पता नहीं चल सका। गुरुवार दोपहर गांव के ही कुछ लोगों ने देखा कि पुसहो चौर स्थित पोखर में उनकी पुत्री का शव उपला रहा है। घटना की सूचना के बाद गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला।इसके बाद पुलिस को भी सूचना दी गई।मृतक के पिता का कहना है कि उन्हें गांव में किसी से कोई दुश्मनी नहीं संभव है। घर में घास काटने के लिए उनकी पुत्री गई हुई थी। इसी दौरान पोखर में पैर फिसलने के कारण उसकी डूबकर मौत हो गई होगी। बिथान थाना अध्यक्ष विशाल कुमार ने कहा कि किशोरी घास काटने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान पोखर में डूबने से मौत हुई है। उसके पिता ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है ना ही कहीं पर गला दबाने या शरीर पर जख्म का निशान है। शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर एक यूडी केस दर्ज की गई है।

राजद नेता शिवानंद तिवारी ने भाजपा पर साधा निशाना

कैमूर । कैमूर में एक निजी कार्यक्रम में आए राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने कहा लोकतंत्र संकट में है दुनिया के लोकतंत्र में ऐसा नहीं हुआ है कि पूरा विपक्ष को बाहर निकाल दिया जाए। संसद की सुरक्षा को लेकर विपक्ष संसद में चर्चा नहीं बल्कि उनके नेता बाहर चर्चा करते हैं। साथ ही जिन लोगों ने सुरक्षा में सेंध लगाए वह काफी पढ़े लिखे डिग्री धारक थे जो बेरोजगार थे, और जो इनका मुखिया ललित झा था उनके घर दरभंगा में पोस्टर लगा है कि वह क्रांतिकारी योद्धा था। वह भगत सिंह को मानने वाले थे पूरी जमात भगत सिंह के नाम पर एकत्रित हुई थी।

बक्सर के 4 युवक की हजारीबाग में मौत

बक्सर । हजारीबाग में गुरुवार को धुएं से दम घुटने के कारण बक्सर के चार मजदूरों की मौत हो गई है। घटना कटकमदाग थाना क्षेत्र के रसूलीगंज की है। चारों के परिवार वालों को केवल उनके घायल होने की सूचना मिली है। फिलहाल सबके परिजन हजारीबाग के लिए रवाना हो गए हैं। चारों युवकों के परिजन सूचना मिलते ही घबरा गए। मृतकों की पहचान 20 साल के राकेश कुमार, 21 साल के अखिलेश कुमार, 20 साल के प्रिंस कुमार और 19 साल के अरमान अलि के रूप में हुई है। चारों युवक सिकरौल थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। इसमें राकेश, प्रिंस और अरमान बसांव कला गांव का रहने वाला था। वहीं, अखिलेश बाराडीह का रहने वाला था। परिजनों का कहना है कि उनको शाम चार बजे चौकीदार के माध्यम से पता चला कि वहां कुछ हुआ है जिसमें गांव के कुछ लोग घायल हो गए हैं।अरमान के दादा मो. मुख्तार ने बताया कि पता चला कि हजारीबाग में हमारे गांव के लड़कों के साथ हादसा हो गया है।जबकि सबसे छोटे भाई इरफान अलि ने कहा कि दो दिन पहले भैया से बात हुई थी। मैं पढ़कर आया तो पता चला कि भैया के साथ हादसा हो गया है। पापा बाहर रहते हैं। मां सूचना मिलने के बाद हजारीबाग गई है। बता दें कि अरमान की शादी नहीं हुई थी। वह तीन भाई और एक बहन था। छोटी बहन ने कहा कि थाना से कॉल आया था। कहा गया कि आग लगने से हादसा हो गया है। कुछ लोग घायल हो गए हैं। मां बोली कि हजारीबाग जा रहे हैं, लेकिन वह वापस आ गई। पापा ने किसी रिश्तेदार को पता करने वहां भेजा है।राकेश सिंह के पिता कमलेश सिंह ने बताया कि हमें खबर मिली है कि वह घायल है। उसको हजारीबाग भेजा गया था। राकेश तीन भाइयों में मांझिल था। हम लोग खेती करते हैं। वह घर की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए दवाई कंपनी में काम करता था। उससे परसो दिन में बात हुई थी, आज कॉल किया तो फोन पर रिंग जा रही है, लेकिन कोई फोन नहीं उठा रहा है।इधर, प्रिंस के दादा ढुनमुन महतो ने बताया कि सूचना मिली कि वह जल गया है। कोयला जलाया था, चार लोग सो रहे थे। चारों हॉस्पिटल में एडमिट है। वहां से बताया गया कि प्रिंस बीमार है। आकर मिल लें। बच नहीं पाएगा। प्रिंस के पिता हजारीबाग के लिए निकले हैं। प्रिंस के दादा जी बोलते बोलते फफक पड़े। परिजनों को मौत की कोई सूचना फिलहाल नहीं दी गई है।अखिलेश की मां पुष्पांजलि देवी ने कहा कि मुझे पता चला है कि तबीयत खराब है।

एंबुलेंस में नहीं मिला ऑक्सीजन मरीज की मौत

हाजीपुर । हाजीपुर में एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं मिलने से एक मरीज की मौत हो गई। मरीज को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, जिसके बाद डॉक्टर ने उसे आक्सीजन के साथ पटना रेफर कर दिया था। एंबुलेंस में मरीज के परिजन ऑक्सीजन के लिए इंतजार करते रहे। परिजन 15 मिनट तक ऑक्सीजन-ऑक्सीजन चिल्लाते रहे, लेकिन ऑक्सीजन सिलेंडर खाली होने की वजह से एंबुलेंस कर्मी दूसरे एंबुलेंस के इंतजाम करने की दलील देते रहे। इसी बीच मरीज मो. ताहिर (65) की मौत हो गई। परिजन ने अब अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है, जबकि डॉक्टर का कहना है कि रेफर करते समय ही बता दिया गया था कि जिस एंबुलेंस में ऑक्सीजन हो उसी से जाइएगा। डॉक्टर के मुताबिक, परिजन की लापरवाही से मरीज की मौत हुई है, क्योंकि वो किसी परिजन के आने का इंतजार कर रहे थे।मृतक के भाई मो. साहिल ने बताया की मरीज को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। यहां आए तो ऑक्सीजन लगाया गया। फिर कहा कि पटना लेकर जाओ, लेकिन एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं था।

सीएम ने महिला एंकर का किया अभिनंदन

पटना । सीएम नीतीश ने महिला एंकर का अभिनंदन किया। गुरुवार को नीतीश कुमार पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड पहुंचे थे। इस दौरान महिला एंकर ने मंच पर सीएम नीतीश कुमार का स्वागत किया। उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका भी अभिनंदन है। इसके बाद महिला एंकर ने जवाब दिया- थैंक यू सर, थैंक यू सो मच। मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां तीन दिवसीय बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो-2023 का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

मोबाइल के लिए 3 युवकों को मारे चाकू एक की मौत

छपरा । छपरा में मोबाइल लूट रहे बदमाशों ने तीन युवकों को चाकू मार दिया। एक युवक की मौत हो गई। दो युवकों की हालत गंभीर है। इन्हें इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश युवकों को चाकू मारते रहे और युवक मदद मांगते रहे, लेकिन कोई बचाने नहीं आया, जबकि मौके पर 50 से अधिक लोग मौजूद थे। घटना नगर थाना क्षेत्र के योगिनियां कोठी फुट ओवरब्रिज के पास की है। जब तीनों युवक जमीन पर गिर गए और बदमाश भाग गए, तब लोग उन्हें अस्पताल ले गए। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गड़खा ढाला स्थित आजाद नगर निवासी अंकित कुमार (20) के रूप में हुई है। दो अन्य घायलों की पहचान सचिन कुमार(17) पिता सुरेंद्र साह और आशीष कुमार (19) पिता अभय साह के रूप में हुई है।अस्पताल में भर्ती सचिन कुमार ने बताया कि शाम को हम लोग चाय पीकर वापस घर जा रहे थे। ओवरब्रिज से उतरने के बाद 6 की संख्या में आए बदमाश मोबाइल छीनने लगे। जब हम तीनों दोस्तों ने विरोध किया तो उन लोगों ने चाकू निकाल हमला कर दिया। इस दौरान अपराधी मोबाइल और पर्स लेकर फरार हो गए। मारपीट के वक्त लोग आसपास में खड़े थे, लेकिन किसी ने छुड़ाने की हिम्मत नहीं कि दिखाई। मैं मदद के लिए चिल्लाता रहा 50 लोग थे, लेकिन वहां किसी ने मदद नहीं की।छपरा कचहरी जीआरपी प्रभारी कुमारी रेणु सिन्हा ने बताया कि कचहरी स्टेशन के पश्चिमी हिस्से के फुट ओवरब्रिज के पास चाकूबाजी की घटना हुई है। इसमें एक युवक की मौत हो गई है। घायल युवकों के दिए गए बयान के अनुसार मोबाइल छीनने का विरोध किए जाने पर अपराधियों ने हमला किया है।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ पटना में प्रदर्शन

पटना । संसद से विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार (22 दिसंबर) को कठ.ऊकअ के घटक दल पटना में प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सांसदों के सस्पेंशन के विरोध में देशभर में प्रदर्शन करने को कहा है। जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के नेताओं को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन में शामिल होना है। पटना में विरोध मार्च इनकम टैक्स गोलंबर से शुरू हुआ। इंडिया गठबंधन के आह्वान पर इससे जुड़ी पार्टियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया।

उनकी मांग है कि राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों का जो निलंबन हुआ है, उसे वापस लिया जाए।बिहार के बाकी जिला मुख्यालयों में भी प्रदर्शन हो रहा है। इसे लेकर आरजेडी ऑफिस में 21 दिसंबर को बैठक की गई थी। इसमें आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, सीपीआई (माले) के धीरेन्द्र झा, सीपीआई एम के अरुण कुमार, सीपीआई के रामबाबू कुमार शामिल हुए थे। कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता शकील अहमद खान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे।13 दिसंबर को लोकसभा में दो शख्स घुस आए थे, उन्हें सांसदों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसको लेकर विपक्षी सांसद पीएम मोदी और अमित शाह से बयान देने की मांग रहे थे। हंगामे के चलते 14 से 21 दिसंबर तक लोकसभा और राज्यसभा से 146 सांसद सस्पेंड हुए। इसमें सबसे ज्यादा कांग्रेस के 61 सांसद (लोकसभा से 44, राज्यसभा से 17) हैं। उधर, 19 दिसंबर को दिल्ली में हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में भी सांसदों के सस्पेंशन का मुद्दा उठा था। विपक्षी दलों ने सांसदों के सस्पेंशन की निंदा की और इसके खिलाफ विरोध करने का फैसला किया। 21 दिसंबर को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष के सांसदों ने पुरानी संसद से विजय चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान खड़गे ने कहा कि सरकार संसद सुरक्षा चूक पर जवाब दे। पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह संसद में आकर इस मामले पर बयान दें।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम वाराणसी, अहमदाबाद जा रहे हैं, वे हर जगह बोल रहे हैं, संसद में सुरक्षा चूक पर नहीं बोल रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने भी संसद के सिक्योरिटी लैप्स पर कुछ नहीं कहा। हम इसकी निंदा करते हैं। सरकार सदन नहीं चलने देना चाह रही है। विपक्ष की आवाज दबा रही है।

योद्धा सम्मानः कुष्ट या क्षय के रोगी समय से कराएं जांच व इलाज

संवाददाता

कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र फाजिलनगर में कुष्ठ रोग तथा क्षय रोग पर विजय प्राप्त कर चुके मरीजों को योद्धा के रूप में किया गया सम्मानित। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कुशीनगर डा सुरेश पटारिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुष्ठ एवं टीबी रोगियों को कम्बल, टोपी, एम सी आर चप्पल, सेल्फ केयर किट, फल, मिष्ठान एवं दवाईयों का वितरण करके उन्हे सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रेरक तथा संचालक रमेश प्रसाद त्रिपाठी ने कुष्ठ तथा क्षय रोगियों के लिए उपरोक्त सामग्रियों की उपलब्धता करवाई तथा कुष्ठ रोग से होने वाले परेशानियों एवं उनके बचाव के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर सीएमओ डा0 सुरेश पटारिया द्वारा कुष्ठ रोगियों एवं क्षय रोगियों को उनके दृढ़ संकल्प एवं धैर्य के लिए सराहना की गई । उन्होंने बताया की एक योद्धा जिस तरह से शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है उसी तरह इन योद्धाओं ने अपने रोग रूपी शत्रु पर विजय प्राप्त किया है। उन्होंने इन रोगियों से अपील की कि अन्य कुष्ठ या क्षय रोगियों को भी समय से जांच तथा इलाज के लिए प्रेरित करे। जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि कुष्ठ एक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टेरियम लेप्री नामक जीवाणु से फैलता है। अगर समय पर कुष्ठ रोग का पता चल जाए तो

व्यक्ति दीर्घकालीन दिव्यांगता से बच सकता है कुष्ठ संक्रमित मरीज द्वारा यह रोग फैलता है और का इलाज सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क किया जाता है। कुष्ठ रोग के कुछ सामान्य लक्षण के बारे में बताया कि गहरे रंग की त्वचा के व्यक्ति में हल्के रंग के धब्बे और हल्के रंग के व्यक्ति की त्वचा में गहरे अथवा लाल रंग के धब्बे, त्वचा के दाग धब्बों में संवेदनशीलता (सुन्नपन), हाथ या पैरों में अस्थिरता या झुनझुनी, हाथपैरों या पलकों में कमजोरी, चेहरे/ कान में सूजन या घाव तथा हाथ या पैरों में दर्द रहित घाव बनता है। कुष्ठ रोग में संवेदनहीनता और मांसपेशियों की कमजोरी के फलस्वरूप तंत्रिका क्षति के कारण शारीरिक दिव्यांगता और विकृति का कारण बनता है इसके फलस्वरूप त्वचा सूख जाती है और अतिरिक्त संवेदी विकृतियों के साथ कठोर त्वचा, छाले एवं अल्सर बनने का कारण बनती है। हाथों-पैरों को आग, सख्त, नुकीली और खुरदरी चीजों के संपर्क में आने से बचाऐं इनसे बचाव के लिए विशेष तरह के जूते-चप्पल आते हैं उन्हें पहने हाथों-पैरों को हमेशा साफ तथा मुलायम रखें।

आँखों मे इसका प्रभाव आने पर पलके लकवाग्रस्त हो सकती है जिससे आँख पूरी तरह बंद नही हो पाती। ऐसी अवस्था मे आंखों में चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है इसलिए आँखों का विशेष ध्यान रखे। दिन में चश्मा लगा कर रखे तथा रात्रि में सोते समय आंखों को स्वच्छ कपड़ो से ढक दे। सीएचसी के अधीक्षक डा उमा शंकर नायक ने टीबी रोग के बारे में विस्तार से बताया और लोगो से अपील किया की 2 हफ्ते से ज्यादा की खांसी होने पर चिकित्सालय आकार चिकित्सक को अवश्य दिखाए। ये टीबी रोग का लक्षण हो सकता है। उन्होंने कहा की किसी भी रोगी को किसी भी तरह के परेशानी होने पर तत्काल उनसे संपर्क कर सकते है। अस्पताल की तरफ से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर डा दिलीप गुप्ता, राकेश सोनकर (एस टी एस), आर डी सिंह, प्रदीप गुप्ता, मदन यादव, सुभाष गुप्ता एवं अन्य सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

एटा जिला करागार मे राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने बंदियों को गर्म कंबल किए वितरण

संवाददाता

एटा। आज जिला कारागार एटा में धर्मवीर प्रजापति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कारागार प्रशासन सुधार सेवाएं उत्तर प्रदेश द्वारा बंदियों से संवाद स्थापित किया गया। मंत्री ने बंदियों से दो घंटे संवाद में अपराध छोड़कर समाज की मुख्य धारा में जुड़ने का आव्हान किया। मंत्री जी के संबोधन के समय कई बंदी बहुत भावुक हो गये और भविष्य में अपराध न करने की शपथ ली। मंत्री जी ने 150 बंदियों जिनकी मुलाकात नहीं आती है उनको कम्बल वितरित किये और 11वृद्ध बंदियों को गर्म कपड़े भी दिये गये। बंदियों को 1000 रामचरित मानस और सुंदर काण्ड वितरित की गई। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक अमित चौधरी जेलर प्रदीप कश्यप, ऋत्विक प्रियदर्शी चिकित्साधिकारी उत्सव जैन डिप्टी जेलर तेजपाल, शशिकला सहित बड़ी संख्या में कारागार कर्मी उपस्थित थे।

सही को सही और गलत को गलत कहने की रखें हिम्मतः अपर पुलिस अधीक्षक

संवाददाता

एटा। ए डी जी आगरा जोन आगरा के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं के जागरूकता व स्वावलंबन एवं उनके प्रति होने वाले अपराधो में कमी लाने हेतु चलाए जा रहे "ऑपरेशन जागृति" अभियान के तहत आज दिनांक 22.12.2023 को अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय सिंह कुशवाहा एटा के द्वारा और क्षेत्राधिकारी सकीट द्वारा थाना सकीट क्षेत्र के "ग्राम कोंची डेरा" में तथा क्षेत्राधिकारी जलेसर द्वारा थाना निधौली कलां क्षेत्र में "अमृत सिहं आर्य इण्टर कॉलेजह्लह्ल में छात्र/छात्राओं के साथ गोष्ठी आयोजित कर उनको ऑपरेशन जागृति अभियान के उद्देश्यों को बताते हुए जागरूक किया गया। इसी क्रम में जनपदीय पुलिस द्वारा अपनेझअपने थाना क्षेत्रों में चलाया गया ऑपरेशन जागृति अभियान, गोष्ठी आयोजित कर आमजनो को जागरूक किया गया।जागरूक तथा गोष्ठी आयोजित कर महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं एवं क्षेत्र के लोगों से संवाद स्थापित कर उनको जागरूक किया गया साथ ही गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले लोगों से फीडबैक भी लिया गया।इसके अलावा जागरूकता अभियान के तहत की गई गोष्ठियों में महिलाओं,बालिकाओं छात्राओं एवं गणमान्य लोगों से संवाद स्थापित करते हुए बताया गया कि विभिन्न माध्यम से जनसुनवाई में प्राप्त शिकायती प्रार्थना-पत्र एवं दैनिक अपराध आख्या से महिलाओं से संबंधित अपराधों की शिकायतें देखने को मिलती है। जहाँ एक ओर यह स्थिति महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा को कम्प्रोमाइज करती है वही अक्सर पारिवारिक विवाद/पारस्परिक भूमि विवाद का यथोचित समाधान नहीं दिखने पर अपराधिक घटनाओं में महिला सम्बन्धी अपराधों को जोड़ने की प्रवृत्ति भी सामाजिक रूप से देखने को मिल रही है। संक्षेप में कई अन्य प्रकरणों में ऐसी घटनायें दर्ज करा दी जाती हैं जिनको बाद महिला एवं बालिकाओं संबन्धी अपराधों की श्रेणी में परिवर्तित कर दिया जाता है। जबकि मूलतः यह पारिवारिक और भूमिविवाद संबन्धी होती है। दूसरी ओर, वास्तविक रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूद्ध जो अपराध होते हैं उनमें दुष्कर्म, शीलभंग जैसे संगीन मामलों में प्रताड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की मनोस्थिति काफी हद तक प्रभावित होती है और पीड़िता के जीवन में उस घटना का ट्रॉमा और भय सदैव के लिए बस जाता है। उक्त मानसिक आघात से उभरने के लिए पीड़िता को मनोवैज्ञानिक परामर्श की भी आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त आज तकनीक के दुरूपयोग के चलते महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति साइबर बुलिंग के मामले भी सामने आ रहे है।

आयुष्मान मेले में फाइलेरिया मरीजों को मिलेगी एमएमडीपी किट

सीतापुर। आयुष्मान मेले में पूर्व की तरह उपचार के साथ ही अब फाइलेरिया मरीजों को रोग प्रबंधन व हाइड्रोसील के रोगियों को ऑपरेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र जारी कर निर्देशित किया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रत्येक शनिवार को हेल्थ एंड वेलनेस केन्द्रों पर तथा रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित होने वाले मेले में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत फाइलेरिया एवं हाइड्रोसील के रोगियों के लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत उपचार व मरीजों को रुग्णता प्रबन्धन व दिव्यांगता निवारण (एमएमडीपी) किट प्रदान करना है।

इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक ने सत्रांत परीक्षा का निरीक्षण कर दिए निर्देश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ श्रवण कुमार पाण्डेय ने इग्नू परीक्षा केंद्र 27128, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में चल रही सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2023 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा व्यवस्था एवं गोपनीय प्रपत्रों के रख रखाव पर संतोष व्यक्त किया एवं परीक्षा केंद्र के समन्वयक प्रोफ सीमा त्रिपाठी को परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशानिर्देश दिए । डॉ पाण्डेय ने केंद्र के अधिकारियों से बातचीत में बताया की इग्नू में

जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया की अधिसूचना जारी हो गई है ।

जो विद्यार्थी किसी संस्थान में प्रवेश ले चुके हैं वो भी अपनी योग्यता बढ़ाने के लिए इग्नू के सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा प्रोग्राम मे केंद्र पर प्रवेश ले सकते हैं । इग्नू प्रवेश हेतु द्वारा लगभग 265 तरह के कार्यक्रम दूरस्थ विधा से एवं 44 कार्यक्रमों को ऑनलाइन मोड मे उपलब्ध कराया गया है। जिसमे बहुत से रोजगार परक कार्यक्रमों जैसे मनोविज्ञान, पत्रकारिता, शिक्षा, प्रबंधन कम्पुटर एवं आपदा प्रबंधन आदि में विद्यार्थी बहुत काम शुल्क मे सीधे प्रवेश ले सकते हैं। इग्नू मे प्रवेश की प्रक्रिया ऑनलाइन है एवं प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2024 घोषित की गई है । केंद्र समन्वयक डॉ सीमा त्रिपाठी ने एससी एसटी विद्यार्थियों के बीए एवं बीकॉम मे निःशुल्क प्रवेश की सुविधा हेतु धन्यवाद दिया। केंद्र के सह समन्वयक डॉ गौरव तिवारी ने केंद्र की संचालित गतिविधियों एवं कृत प्रयासों से डॉ पाण्डेय को अवगत कराया । कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर बृजेश कुमार सिंह ने इग्नू द्वारा विद्यार्थियों को प्रदत्त सुविधाओं की प्रशंसा की एवं कॉलेज प्रबंधन के सम्पूर्ण सहयोग का वादा किया। इस दौरान नेबूलाल, मुबारक अंसारी, सोनू शर्मा, राजकिशोर आदि मौजूद रहे।

गंगोत्री से कुशीनगर पहुँचे साईकिल यात्रियों को

रोटरी क्लब ने किया सम्मानित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गुरुवार की रात गंगोत्री से कुशीनगर पहुँचे चार साईकिल यात्रियों का रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों ने कसया स्थित होटल कलश में अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। झारखंड प्रान्त के 12 वर्षीय सुतत्व ऋजु विश्व शांति संदेश यात्रा पर अन्य तीन साईकिल यात्रियों के साथ निकले हैं । 12 दिसम्बर को पवित्र गंगोत्री धाम (उत्तराखंड) से गंगा जल लेकर विश्व शांति संदेश का आहवाहन कर साईकिल चला कर 2000 किलोमीटर की यात्रा सम्पन्न कर बाबा वैधनाथ धाम (झारखंड) में जल चढ़ाने निकल पड़े सुतत्व ऋजु ने आज अपनी आधी से अधिक यात्रा कुशीनगर पहुंच कर पूरी की। इसमें इन्होंने

गंगोत्री से उत्तरकाशी (115 कि.मी) फिर उत्तरकाशी से चंबा (120 कि.मी), चंबा से हरिद्वार (110 कि.मी), हरिद्वार से मुरादाबाद (180 कि.मी), मुरादाबाद से शाहजहाँपुर (185 कि.मी), शाहजहाँपुर से लखनऊ (155 कि.मी), लखनऊ से अयोध्या (130 कि.मी) तथा अयोध्या से कुशीनगर (183 कि.मी) तक की अब तक की कुल 1200 किलोमीटर की साईकिल यात्रा रात्रि विश्राम करते हुए पूरा किया । इस यात्रा में उनके साथ बिहार के निवासी प्रसिद्ध साइकलिष्ट श्री राकेश कुमार पवन (48 वर्ष) श्री विजय कुमार (52 वर्ष) तथा श्री राम भगवान (62 वर्ष) साथ में साईकिल से चलकर ऋजु का मार्गदर्शन कर उसका हौसला बढ़ा रहे हैं। ये सभी साईकिल की दुनिया में कई ख्यातियाँ अपने नाम कर चुके हैं। राँची रहकर पढ़ाई करने वाले पलामू के मूल निवासी सुतत्व ऋजु ए. एस.टी. वी. एस जिला विद्यालय, रांची के कक्षा 7 के छात्र हैं, और अभी खेलगाँव साईकिल एकेडमी, राँची के मुख्य साईकिल प्रशिक्षक श्री राम भट्ट एवं प्रथम कुमार के मार्गदर्शन में साईकिल सीख रहे है। उनके इस 2000 किलोमीटर के गंगोत्री से वैद्यनाथ धाम तक की यात्रा में सुतत्व के पिता सोमित्रो बोराल निजी वाहन से साथ-साथ चल कर उनका सहयोग कर रहे हैं।

अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए रोटरी कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने सुतत्व ऋजु सहित अन्य साईकिल यात्रियों को अग्रिम बधाई दी। इस अवसर पर रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता एवं उपाध्यक्ष अजय सिंह मौजूद रहे।

खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सीतापुर । विकास खण्ड सकरन के राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में शुक्रवार को युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल की ओर से विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता हुई।प्रतियोगिता का शुभारम्भ राजकीय विद्यालय सांडा के प्रधानाचार्य जगत नारायण सिंह ने माँ सरस्वती प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। खेल प्रतियोगिता का आयोजन सब जूनियर,जूनियर व सीनियर तीन आयु वर्ग में कराया गया। एक सौ मीटर सब जूनियर में पुरुष वर्ग में मो०जैद कौवा खेड़ा व महिला वर्ग में साबिया कौवा खेड़ा प्रथम स्थान

प्राप्त किया।एक सौ मीटर जूनियर में पुरुष वर्ग में महिला वर्ग में नेहा सिंह रुद्रपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।दो सौ मीटर जूनियर में पुरुष वर्ग में मो सुएब हसनापुर व महिला वर्ग में प्रियांशी कौवाखेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दो सौ मीटर सब जूनियर वर्ग में मो जैद कौवाखेड़ा व महिला वर्ग मीनू को प्रथम स्थान प्राप्त किया।चार सौ मीटर दौड़ में कपिल मदनापुर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में सब जूनियर पुरुष वर्ग में मनीष मडोर महिला वर्ग में प्रथम जूनियर वर्ग में पुरुष वर्ग में प्रमेन्द्र रेन्धौरा महिला वर्ग में काजल घूरीपुर प्रथम व सीनियर वर्ग में पुरुष वर्ग में सौरभ मदनापुर की टीम विजेता व की टीम उपविजेता रही । प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा. वि. द.अधिकारी के नेतृत्व में किया गया विजेता प्रतिभागियों को पुरुष्कृत कर उत्साह वर्धन किया गया। प्रतियोगिता के अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सकरन ओंकार सिंह सहायक विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव,सकरन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार वर्मा, जगन्नाथ सेठ,अमित सेठ,दुर्गेश मौर्य, अरविन्द मोहन श्रीवास्तव, चिन्मय मिश्र, धीरेन्द्र पटेल,प्रवीण श्रीवास्तव,पीआरडी जवान आदि उपस्थित रहे।

पश्चिमी उप्र. का अब तक का सबसे बड़ा रोजगार मेला : अश्वनी कुमार मिश्र

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान एवं श्रम व सेवायोजन मन्त्रालय उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आज ह्यह्यवृहद रोजगार मेला-2023ह्यह्य का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से चार दर्जन से अधिक मल्टीनेशनल कम्पनियों ने देश भर से आये पाँच हजार से अधिक युवाओं का साक्षात्कार लेकर पाँच सौ छयासी अभ्यार्थियों/युवाओं को अन्तिम रूप से चयनित किया। इसके साथ ही किसान जयन्ती (23 दिसम्बर) की पूर्व संध्या पर प्रदेश के 51 प्रगतिशील अन्नदाता किसान भाईयों को चौधरी चरण सिंह किसान सम्मान/ प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री वेंक्टेश्वरा

विश्वविद्यालय/ संस्थान के मेजर ध्यानचन्द्र ओपन खेल परिसर में उत्तर प्रदेश सेवायोजन मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में ह्यह्यवृहद रोजगार मेला-2023ह्यह्य का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि आई.एफ.एस, एम.एस. कन्याल, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, जिला सेवा योजन अधिकारी डॉ. सुशील कुमार कुलपति डॉ. राकेश कुमार यादव आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरी ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों से आज ह्यह्यस्किल इण्डिया डिजीटल इण्डिया मिशन रोजगारह्यह्य एवं शानदार नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बदौलत सक्षम एवं पात्र युवाओं के लिए देश एवं विदेशों में रोजगार के लाखों अवसर उप्लब्ध है। आज आई.टी., मैनेजमेन्ट, हैल्थ सेक्टर, नर्सिंग समेत हर क्षेत्र में भारतीय युवाओं की भारी डिमांड है, जिसके दम पर भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मुख्य अतिथि भारतीय विदेश सेवा के कई देशों के राजदूत रहे वरिष्ठ आई.एफ.एस. अधिकारी एम.एस. कन्याल ने कहा कि मैने भारतीय विदेश सेवा में रहते हुए यूरोपियन देशों समेत विश्व के एक दर्जन से अधिक देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया कनाडा के अलावा भी देश दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं है, जहाँ भारतीय युवा अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज ना करा रहे हों। वृहद रोजगार मेला-2023 को जिला सेवा योजन अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार, सेवायोजन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. लक्ष्मण सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, समूह सलाहकार आर.एस. शर्मा, कुलसचिव डॉ, पीयूष पाण्डे, डॉ, तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ, दिव्या गिरधर, डॉ, आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राजवर्धन, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का शानदार संचालन डॉ. आशी नायर एवं प्रशान्त कुमार ने किया।

संक्षिप्त डायरी

हरियाणा को हराकर उत्तराखंड पहुंची फाइनल में, 17 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्थानीय पावानगर महावीर इंटर कालेज के राजमालती स्टेडिय में चल रहे 17 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइन मुकाबले में क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड की टीम ने मलिक स्पोर्टस हरियाणा को एक विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उत्तराखंड के खिलाड़ी गिरीश रतुरी को मैन आफ द मैच घोषित किया गया। उत्तराखण्ड के खिलाडी गिरीश रतुरी को मैन ऑफ द पुरस्कार का पांच हजार रुपए नगद व ट्राफी डा. रामानुज पाण्डेय, भाजपा नेता जीतेंद्र प्रताप राव ने संयुक्त रूप से दिया। मैच शुभारंभ कुशीनगर नगर पालिकापरिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व सीएचसी अधीक्षक डा. यूएस नायक नें खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच का स्कोरिंग बीसीसीआई के स्कोरर एसपी सिंह ने की। कमेंट्री मुहम्मद आलम व गुडडू पाण्डेय ने किया।संचालन मजीबुल्लाह राही व राजन शुक्ल नें किया। इस दौरान आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर आरटीओ अजय त्रिपाठी, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय,अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही,टीएन राय,शहीद मेजर अमिय के सुपुत्र लेफ्टीनेंट कुशाग्र त्रिपाठी, ई.कीर्तीबर्धन त्रिपाठी, एडवोकेट शुभम त्रिपाठी,सत्यम त्रिपाठी, डा.अक्षयबर पांडेय, डा.संजय मणि, दिवाकर मणि त्रिपाठी, सीओ जोश, स्मिता त्रिपाठी,कंचन त्रिपाठी,जेसी जोश, डा.के.पी.सिंह, धर्मेंद्र मणि, कृपा सिंह, विनीत कुमार बंटी,प्रफुल्ल राय, आजाद अंसारी, शिवशंकर तिवारी, सुनील सिंह, रंजीत सिंह, गुड्डू चौहान, सत्येंद्र सिंह,गोविंद यादव, चंदन दुबे,चंदन पासवान, उदयभान सिंह, भास्कर राय, पंकज ओझा, प्रदीप सिंह, अनिल गुप्ता, खुर्शीद आलम, पिंटू सिंह, गुड्डू, पिंटू राव आदि उपस्थित रहे।

जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा में शासन के निर्देश आपदा प्रबंधन के तहत आग पर काबू पाने के तरीके बताए

संवाददाता

अमरोह। अमरोहा शहर के जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा में शासन के निदेर्शानुसार आपदा प्रबंधन के तहत आग पर काबू पाने के तरीके बताए गए। पहले अधिकारियों द्वारा विद्यालय में छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के बारे में ट्रेनिंग दी गई। फिर फायर विभाग के अधिकारियों द्वारा मॉक ड्रिल अग्नि बुझाने के लिए की गई तथा छात्र-छात्राओं के द्वारा भी अग्नि को बुझाकर प्रैक्टिकल कराया गया और बताया कि यदि किसी कारणवश रसोई घर के सिलेंडर में आग लग जाए तो जिधर आग जल रही है प्रयास करें दीवार से दूर सिलेंडर को कर दें यदि संभव हो सके और सिलेंडर को गर्म न होने दें। किसी खाली बाल्टी जो सिलेंडर के साइज का हो उसे गैस सिलेंडर के ऊपर डालकर आग को बंद किया जा सकता है अर्थात अग्नि को ऑक्सीजन ना मिले अग्नि अपने आप बंद हो जाएगी। चाहे भीगे हुए मोटे कपड़े जिसमें कंबल रजाई आदि को भी उसके ऊपर रख कर बैंड किया जा सकता है । इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ गजेंद्र पाल सिंह, प्रभारी अधिकारी अग्नि शमन अनुराग तोमर, अमित कुमार, डॉ राजवीर सिंह यादव, लेफ्टिनेंट शैलेश कुमार पंकज , डॉक्टर शिव शंकर यादव राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, लेफ्टिनेंट डॉ नरेश कुमार , अनिल कुमार ,डॉ वीरेंद्र कुमार शुक्ल , रजा इमाम, महिपाल आदि के साथ एन0 सी0 सी0, एन0 एस0 एस0 और स्काउट गाइड के वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

परिवार नियोजन अपनाने में महिलाओं ने रचा इतिहास

सीतापुर। 'पहला बच्चा अभी नहीं' और 'दूसरा बच्चा जल्दी नहीं' इन मूल मंत्रों को जिले के दंपति ने पूरी तरह से आत्मसात कर रखा है। दो बच्चों के बीच में अंतर रखने के लिए परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों को अपनाने में सीतापुर जिला प्रतिदिन एक नया इतिहास रच रहा है। आंकड़े गवाह हैं कि जिले की महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। खाने वाली गर्भ निरोधक गोलियां हों, इंजेक्शन हों या फिर दूसरे साधन हों, बीते तीन सालों में हर एक साधन के उपयोगकताओं का आंकड़ा बढ़ रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह बताते हैं, कि लक्षित दंपति को परिवार नियोजन की जानकारी देने और जागरूक करने के लिए हर माह की 21 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्रों पर खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा प्रत्येक गुरुवार को अंतराल दिवस का भी आयोजन किया जाता है।

दूरसंचार में सुधार

देश में आजादी से पहले गिनती के टेलीफोन हुआ करते थे, पर अब भांति-भांति के फोन सब्सक्राइबर की संख्या एक अरब की संख्या को पार कर चुकी है। जब 74 करोड़ से ज्यादा इंटनरेट उपयोक्ता हो गए हैं, तब दूरसंचार संबंधी कानूनों को बदलना बहुत जरूरी है। संसद में दूरसंचार विधेयक, 2023 को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया है और इसकी खूब चर्चा हो रही है। जिस देश में ज्यादातर लोगों के हाथों में फोन हो, वहां उससे संबंधित किसी कानून का बनना या बदलना स्वाभाविक ही रोचक विषय है। यह विधेयक उपग्रह स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की अनुमति देता है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए लाइसेंस व्यवस्था को प्राधिकरण व्यवस्था से बदल देता है। कानून में उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के उपायों को मजबूत करता है और विवाद समाधान के लिए चार-स्तरीय संरचना भी प्रदान करता है। नया विधेयक इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि यह भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम (1885) और वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम (1933) का भी स्थान लेगा। भारत में दूरसंचार क्षेत्र में जिस ढंग से बदलाव हुए हैं, उसमें निजी क्षेत्र की पकड़ बहुत मजबूत हो गई है। निस्संदेह, नया दूरसंचार कानून सरकार के हाथ मजबूत करेगा। विगत दशकों में हमने देखा है कि देश में सिम कार्ड एक तरह से गली-गली में बंटे हैं। मोटे तौर पर दो ही बड़ी कंपनियां मैदान में मजबूती से बची हैं, पर जब लगभग छह कंपनियां सक्रिय थीं, तब किसी भी मोहल्ले में लोगों से ज्यादा सिम कार्ड पाए जाते थे। जाहिर है, सिम कार्ड लेने के लिए फजीर्वाड़ा भी खूब हुआ। बढ़ती सुविधा के साथ साइबर ठगी को भी बल मिला, पर नए कानून के लागू होने के बाद अगर कोई गलत ढंग से सिम लेता है, तो उसे तीन साल की सजा या 50 लाख रुपये तक के आर्थिक दंड का भागी बनना पड़ सकता है। ऐसे कड़े कानून के बाद अगर फर्जी ढंग से सिम कार्ड का बंटना रुक जाएगा, तो यह निस्संदेह देशहित में होगा। इससे साइबर ठगी रोकने में भी मदद मिलेगी। ग्राहक सत्यापन में कड़ाई बरती जाएगी, इसकी शिकायत हो रही है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां तकनीक का दुरुपयोग आम बात है, यह उचित है। संदिग्ध या अपराधी ग्राहकों या उपयोक्ताओं पर निगरानी का भी साया रहेगा। गोपनीयता की चिंता जताई जा रही है, पर जरूरी होने पर गोपनीयता में सेंध सरकार के लिए मजबूरी है। सरकार किसी संदेश को बीच में ही रोकने में सक्षम होगी। हां, प्रेस को छूट दी गई है। वाट्सएप इत्यादि के जरिये होने वाली कॉल और ओटीटी मैसेजिंग की भी निगरानी संभव हो जाएगी। गौर करने की बात है कि दूरसंचार पर सरकार का कब्जा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि दूरसंचार का ज्यादातर काम निजी कंपनियों के हाथों में है और निजी कंपनियों में प्रत्यक्ष या परोक्ष ढंग से विदेशी पैसा भी लगा हुआ है। विशेष रूप से उपद्रवग्रस्त इलाकों में सरकार पहले भी किसी नेटवर्क को अपने हाथ में लेती रही है, अब इस कानून के जरिये उसे इस काम में आसानी होगी। आम आदमी के नजरिये से देखें, तो दूरसंचार के क्षेत्र को अच्छी सेवाओं के पैमाने पर अभी बहुत आगे जाना है और तकनीक को ज्यादा सहज होना है। इन कानूनों में किए गए अनेक प्रावधान बहुत जरूरी हैं, अगर यह भावी कानून आम आदमी को सुरक्षित करता है, तमाम तरह की ठगी से बचाता है, तो यह कानून सच्चे अर्थों में प्रशंसनीय हो जाएगा। ध्यान रहे, इस साल देश में दस लाख से ज्यादा साइबर ठगी के मामले हो चुके हैं।

मास्क ही बचाव

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में गुरुवार को कोरोना के 594 नए मामले दर्ज किए गए। इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 2,669 हो गई, जो इससे एक दिन पहले 2,331 थी। देश में पिछले दो हफ्ते में कोरोना के 22 मरीजों की मौत हुई है। बुधवार तक देशभर में खठ.1 वेरिएंट के 21 मामले पाए गए हैं। कोरोना के नए सब-वेरिएंट जेएन1 ने एक बार फिर हलचल मचा दी है। यह दुनिया के 40 देशों में फैल चुका है। भारत में अब तक इसके 21 मामले सामने आए हैं। कोरोना के सभी मामलों को देखा जाए तो बुधवार को देश भर में 624 नए केस मिले, जो 21 मई 2023 के बाद से यानी पिछले सात महीनों में एक दिन में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। पिछले दो सप्ताह में भारत में कोरोना से 16 मौतें हुई हैं। वैसे तो कोरोना की पिछली लहरों के मुकाबले यह संख्या गंभीर नहीं कही जाएगी, लेकिन शुरू में धीरे और फिर तेजी से फैलाव की इसकी प्रवृत्ति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इसीलिए सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। बुधवार को राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने टेस्टिंग बढ़ाने, सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने और सभी केसों की रिपोर्टिंग करने पर जोर दिया। महामारी शुरू होने के बाद से ही हम कोरोना के चले जाने और इसके फिर से आ धमकने की घोषणाएं सुनते रहे हैं। यह बात समझने की है कि कोरोना वायरस कभी गया नहीं था। न ही यह जाएगा। यह हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुका है और यहीं बना रहेगा। समय-समय पर इसके नए-नए वेरिएंट आते रहेंगे और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाते रहने होंगे। जहां तक इसके नए सब-वेरिएंट जेएन.1 का सवाल है तो डब्लुएचओ ने भी इस पर नजर रखने की जरूरत बताई है। यह ऐसे समय उभरा है, जब पहले टीका ले चुके या इसकी चपेट में आ चुके लोगों में बनी एंटी बॉडी कमजोर हो चुकी है। इसके अलावा यह ठंड का मौसम है, जो वायरस के अनुकूल पड़ता है। भारत और अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जब नए वायरस की जीनोम एनालिसिस बढ़ेगी तो इसके व्यवहार से पता चलेगा कि इसकी संक्रामक और मारक शक्ति कितनी कम या ज्यादा है। लेकिन अब तक अन्य देशों के अनुभव से ऐसा नहीं लगता कि इसकी मारक शक्ति ज्यादा है।

उत्तर प्रदेश : कैसे बना भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

ANALYSIS

शिवेश प्रताप सिंह

देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 15.7 प्रतिशत जीडीपी योगदान के साथ पहले पायदान पर है तो वहीं उत्तर प्रदेश 9.2 प्रतिशत जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। बीते कुछ समय से तमिलनाडु से कांटे की टक्कर में उत्तर प्रदेश को अब बढ़त मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। आइये जानते हैं की योगी का उत्तरप्रदेश कैसे आज से सात साल पहले असंभव से लगने वाले इस लक्ष्य को हासिल कर आगे बढ़ते हुए भारत के जीडीपी योगदान में प्रथम स्थान हासिल करने हेतु निरंतर प्रगतिशील है। किसी भी प्रदेश के लिए ऐसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए मात्र घरेलू बाजार की निर्भरता को खत्म कर अपने निर्यात से पूरी दुनिया में व्यापारिक पैठ बनाने की आवश्यकता होती है। घरेलू बाजारों की मांग एवं क्रय शक्ति सीमित होती है जो एक सीमित राजस्व ही पैदा करने में सक्षम होती है। एक्सपोर्ट के माध्यम से एक विशालकाय बाजार के साथ अच्छे लाभ एवं राजस्व प्राप्ति का रास्ता भी खुलता है। योगी सरकार को निर्यात का महत्व पता है इसलिए सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ऐसी नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे निर्यात प्रोत्साहन को प्रदेश में बढ़ावा मिले।

योगी ने कभी बीमारू माने जाने वाले उत्तर प्रदेश को विकास की दौड़ में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है। विश्लेषण मंच एसओआईसी के अनुसार सेंसेक्स तथा क्रेडिट लियोनिस सिक्योरिटीज एशिया आधारित रिपोर्ट्स के हिसाब से देश की जीडीपी में हिस्सेदारी के मामले में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर आ गया है। यह परिणाम योगी सरकार द्वारा किए जा रहे अहर्निश, ईमानदार एवं अनथक प्रयासों का परिणाम है। देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 15.7 प्रतिशत जीडीपी योगदान के साथ पहले पायदान पर है तो वहीं उत्तर प्रदेश 9.2 प्रतिशत जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। बीते कुछ समय से तमिलनाडु से कांटे की टक्कर में उत्तर प्रदेश को अब बढ़त मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। आइये जानते हैं की योगी का उत्तरप्रदेश कैसे आज से सात साल पहले असंभव से लगने वाले इस लक्ष्य को हासिल कर आगे बढ़ते हुए भारत के जीडीपी योगदान में प्रथम स्थान हासिल करने हेतु निरंतर प्रगतिशील है। किसी भी प्रदेश के लिए ऐसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए मात्र घरेलू बाजार की निर्भरता को खत्म कर अपने निर्यात से पूरी दुनिया में व्यापारिक पैठ बनाने की आवश्यकता होती है। घरेलू बाजारों की मांग एवं क्रय शक्ति सीमित होती है जो एक सीमित राजस्व ही पैदा करने में सक्षम होती है। एक्सपोर्ट के माध्यम से एक विशालकाय बाजार के साथ अच्छे लाभ एवं राजस्व प्राप्ति का रास्ता भी खुलता है। योगी सरकार को निर्यात का महत्व पता है इसलिए सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ऐसी नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे निर्यात प्रोत्साहन को प्रदेश में बढ़ावा मिले योगी सरकार के गंभीर प्रयासों के कारण ही कोविड जैसी महामारी की विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी उत्तर प्रदेश का निर्यात पिछले छह वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के डेटा के अनुसार 2016-17 में प्रदेश का निर्यात 84,000 करोड़ रुपये का था जो 2022-23 में बढ़कर दोगुने से अधिक यानी 1,74,000 करोड़ रुपये का हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार द्वारा दो लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह सूचनाएं सिद्ध करती हैं कि कभी बीमारू राज्य का टैग लेकर घूमने वाला उत्तर प्रदेश योगी सरकार की क्रांतिकारी नीतियों के कारण भारत का नया एक्सपोर्ट हब बनने जा रहा है। उत्तर प्रदेश का 60 प्रतिशत निर्यात दुनिया के 10 देशों वियतनाम, नीदरलैंड, फ्रांस, चीन, मिश्र, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम तथा जर्मनी को होता है। 2022-23 में सबसे अधिक निर्यात 32,800 करोड़ अमेरिका को, 14,300 करोड़ संयुक्त अरब अमीरात को तथा लगभग दस-दस हजार करोड़ जर्मनी एवं यूनाइटेड किंगडम को हुआ। उत्तर प्रदेश से वर्तमान में सबसे अधिक निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, दूरसंचार उपकरण, कॉटन, कृत्रिम फाइबर आदि के साथ गेहूं, चावल, कालीन एवं हस्तशिल्प भी महत्वपूर्ण निर्यात सामग्री है। परंतु चौंकाने वाली बात यह है कि इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं उत्तर प्रदेश के संपूर्ण निर्यात का 18.9 प्रतिशत है। इसके बाद कपड़ा उद्योग 9.5 प्रतिशत का योगदान करता है। केंद्र की मोदी सरकार ने राज्यों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए देशभर के कुछ महत्वपूर्ण शहरों को सेंटर ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस घोषित किया है जिससे कि निर्यात को एक समेकित विकास में सम्मिलित किया जा सके।एक्सपोर्ट एक्सीलेंस वाले शहरों में ऐसे शहरों को चयनित किया जाता है जिसकी उत्पादन सीमा 750 करोड रुपये से अधिक की हो और निर्यात क्षमता भविष्योन्मुख हो। आज भारत भर में केंद्र सरकार के द्वारा चिह्नित किए गए 43 सेंटर आफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस हैं। इनमें 12 सेंटर अकेले उत्तर प्रदेश में हैं जो इस प्रदेश के निर्यात सामर्थ्य को बनाते हैं। उत्तर प्रदेश चारों तरफ से स्थलीय एवं पहाड़ी सीमाओं के बीच स्थित है।सामान्यत या निर्यात प्रोत्साहन हेतु समुद्री सीमा किसी भी प्रदेश को बेहद महत्वपूर्ण बना देती है लेकिन उत्तर प्रदेश के पास कोई समुद्री सीमा न होते हुए भी 12 सेंटर आफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस की मौजूदगी प्रदेश सरकार के विकास के संकल्प को स्वयं बताती है। जलमार्ग से सस्ते यातायात का लाभ तटीय प्रदेशों को मिलता है लेकिन इस चुनौती के समाधान के लिए भी प्रदेश की योगी सरकार ने गंभीरता से कार्य करते हुए उत्तर प्रदेश के उद्योगों को जलमार्ग से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्णक कदम उठाए हैं। समुद्री बंदरगाहों की अनुपस्थिति में निर्यात की सुगमता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के भीतर शुष्क बंदरगाहों का एक मजबूत नेटवर्क खड़ा करने के लिए कार्यरत है।इसी क्रम में योगी सरकार ने सिंगापुर के स्टार कंसोर्सियम तथा संयुक्त अरब अमीरात के सर्राफ ग्रुपके साथ-साथ हिंदुस्तान पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड व अमेरिका की दो कंपनियों मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर तथा बेस्ट बेट्रकिंग ग्रुप के साथ एमओयू साइन किया है। वर्तमान में मुरादाबाद रेल लिंक्ड जॉइंट डोमेस्टिक एक्सिमट मिंनल, रेल लिंक्ड प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल तथा कानपुर व दादरी में शुष्क बंदरगाह सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। जलमार्ग के लिए वाराणसी से पश्चिम बंगाल के हल्दिया तक जलराज मार्ग संख्या एकप्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों के संरक्षण एवं संवर्धन के द्वारा निर्यात को बढ़ाने पर है। इन पारंपरिक उद्योगों में भी दो ऐसे क्षेत्र टेक्सटाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हैं जिसमें उत्तर प्रदेश के पास एक बहुत बड़ा अवसर है। उत्तर प्रदेश भारत का तीसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल उत्पादन करने वाला प्रदेश है तथा राष्ट्रीय उत्पादन में 13.24 प्रतिशत का योगदान करता है।उत्तर प्रदेश में लगभग ढाई लाख हैंडलूम बुनकर तथा चार लाख 21 हजार पावरलूम बुनकर मौजूद हैं। उत्तर प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में निर्यातको और बढ़ाना चाहती है साथ ही सरकार का लक्ष्य है कि इस उद्योग से जुड़ा हुआ अंतिम व्यक्ति भी निर्यात से लाभान्वित हो सके क्योंकि कपड़ा उद्योग कम पूंजीनिवेश तथा अधिक मानवीय श्रम आधारित उद्योग है। 10 हजार की एक सिलाई मशीन दो लोगों को रोजगार दे सकती है। यही कारण है कि कपड़ा उद्योग न केवल निर्यात प्रोत्साहन कर सकता है अपितु बेरोजगारी की विकराल समस्या का भी समाधान कर सकता है। टेक्सटाइल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। यह योगदान उत्तर प्रदेश के चार जिलों से हो रहा है। नोएडा के रेडीमेड कपड़े, मेरठ का स्पोर्टवेयर, कानपुर के बच्चों के कपड़े तथा लखनऊ के पारंपरिक चिकन इसमें अपना अहम योगदान दे रहे हैं। केंद्र सरकार के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश सरकार इन्हीं जनपदों में टेक्सटाइल उद्योग के निर्यात प्रोत्साहन पर ध्यान दे रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 58 स्पिनिंग मिल्स तथा 74 टेक्सटाइल मिलें चल रही हैं। कपड़ा उद्योग के निर्यात प्रोत्साहन से उत्तर प्रदेश में लगभग 5 लाख लोगों को रोजगार मुहैया होगा। वैश्विक स्तर पर चीन का शेनझेन शहर इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण का सबसे बड़ा ठिकाना है।पूरे विश्व का 90% इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद इसी शहर की देन है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के प्रति बनते रुझानों के कारण अब प्रदेश केसाथ-साथ केंद्र सरकार भी उत्तर प्रदेश को चीन के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के एकाधिकार के प्रत्युत्तर में उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के क्षेत्र में वरीयता दे रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश ने 29,699 करोड़ रुपये का इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद निर्यात किया। केंद्र सरकार के मंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 बिलियन डॉलर मूल्य के विनिर्माण का लक्ष्य रखा है। इसका एक तिहाई लक्ष्य यानी 100 बिलियन डॉलर उत्तर प्रदेश द्वारा पूरा किए जाने की अपेक्षा है।वर्तमान में उत्तर प्रदेश भारत के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण की 196 कंपनियां उत्तर प्रदेश में ही स्थापित हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चौधरी चरण सिंह जयंती विशेष : किसानों की बुलंद आवाज

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसीलिए देश के लोगो का आज भी मानना है कि चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके, इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहांत हुआ तो देश के किसानों ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलंद करते हुए आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अंत ही देश को आगे ले जा सकता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर,1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारंभ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिंडन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हें 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किए गए। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख-दर्द को नजदीक से देखा-जाना था। इसलिए उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केंद्र व राज्य सरकारें भी किसानों के भले की योजनाएं बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानों को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानों की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानों को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानों की आवाज बुलंद कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिए देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होंने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था। चौधरी को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर संपूणार्नंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होंने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केंद्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केंद्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गए। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसंबर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परंपरा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अपनी माँगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे पंचायत सचिवालय स्वयंसेवकों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करना हेमंत सरकार की असंवेदनशीलता और झुंझलाहट को दशार्ता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में बुरी तरह विफल साबित हुए हैं, इसलिए वे लाठी के बल पर जनता की आवाज को दबाना चाहते हैं।

(पूव सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जल्दी पैसे कमाने के चक्कर में एक बार गलती से अपराध हो गया है। जब छूट कर बाहर निकलें, तो उसे दोहराएं मत। जेल प्रशासन इनके कौशल विकास के लिए छोटे छोटे काम सिखाने की व्यवस्था करें। हमारे युवा जब जेल से बाहर निकलें तो इन्हें कमाने के लिए फिर अपराध न करना पड़े और ये भी सम्मान की जिंदगी जी सकें। आज मलकानगिरि जिला जेल में बंद आरोपियों से मिला और उनकी समस्याएं जानी।

(पूर्व सीएम रघूबर दास का 'एक्स' पर पोस्ट)

आज आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनबाद आया हूँ। शिविर के जरिए लाखों लोग योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। अपने गांव, पंचायत, वार्ड में लगने वाले शिविरों के जरिए आप भी राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अवश्य लें।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

इंडिया : संभावनाएं और सिलसिले

क्या इंडिया ब्लॉक भारतीय मतदाताओं के सामने अपनी संरचना और सिद्धांतों का कोई ठोस प्रारूप पेश कर पाएगा? इस लिहाज से उसकी पिछली तीन बैठकें निराशाजनक साबित हुई हैं। पता नहीं, इस युति के नेता जानते हैं या नहीं कि इस बार वे अगर कोई ठोस एजेंडा पेश करने में कामयाब नहीं रहते हैं, तो उन्हें अगले चुनाव में पहले से ज्यादा बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। पिछली 3 दिसंबर को जब हिंदी-पट्टी के तीन विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित हुए, तो तमाम चुनाव शास्त्री भौंचक रह गए। भाजपा ने क्षेत्रीय क्षत्रपों को दरकिनार कर यह चुनाव लड़ा था। पार्टी को जबरदस्त सफलता हासिल हुई। ये तीनों राज्य पिछले चुनाव में भगवा दल के हाथ से सरक गए थे। भारतीय राजनीति में बरसों बाद किसी सत्तानायक के प्रति मतदाताओं का ऐसा जबरदस्त समर्थन देखने को मिला। इंदिरा गांधी के बाद लोग भूल गए थे कि क्षत्रपों को दरकिनार कर सूबाई चुनावों में महज प्रधानमंत्री के काम और नाम पर भी बहुमत अर्जित किया जा सकता है। यहां मैं मिजोरम की चर्चा नहीं कर रहा, क्योंकि वहां भाजपा की दावेदारी परंपरागत तौर पर कमजोर थी। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान के फैसले एक और तथ्य की मुनादी करते हैं। पिछले 10 सालों में ऐसा कई बार हुआ था, जब मतदाताओं ने प्रदेश के लिए एक, तो देश के लिए दूसरी पार्टी का चयन किया। ये तीनों राज्य भी पांच बरस पहले इसी प्रवृत्ति को बल प्रदान करने वाले साबित हुए थे। विधानसभा चुनाव गंवाने के बाद राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 36 में से 34 सीटें भगवा दल के कब्जे में आ गई थीं। उत्तर और पश्चिम भारत के अन्य राज्यों का भी यही रवैया था। मोदी इसीलिए मई 2019 में पहले से अधिक बेहतर बहुमत के साथ चुने गए थे। भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल करने के इस चमत्कार को न केवल दोहराना चाहती है, बल्कि और बेहतर तरीके से उस पर सान चढ़ाना चाहती है। नए मुख्यमंत्रियों से भाजपा को नुकसान के बजाय लाभ इसलिए मिल सकता है, क्योंकि उनके प्रति जनता के मन में कोई अरुचि नहीं है। वे नई दिल्ली के आदेशों का जस का तस अनुपालन करने में भी कोई संकोच नहीं करेंगे। राजनीति का पुराना दस्तूर है कि जब एक मुख्यमंत्री कई बार सत्ता संभाल चुका होता है, तो उसके दिमाग पर हुकूमत का एक निश्चित तौर-तरीका कब्जा जमा लेता है। नए सोच-विचार और प्रयोग उसे जोखिम नजर आने लगते हैं। इसके उलट पहली बार कामकाज संभाल रहे मुख्यमंत्री बेहिचक कठोर फैसले लेने में कामयाब रहते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के हिमंत बिस्वा सरमा और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल इसके उदाहरण हैं। इन तीनों ने अपने-अपने राज्य में नई रीति-नीति का सूत्रपात किया। क्या रायपुर, भोपाल और जयपुर में हमें यह प्रवृत्ति पांव पसारती नजर आएगी? इन तीनों स्थानों पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर प्रधानमंत्री ने जनता को जता दिया कि वह ह्यमोदी की गारंटीह्ण मामले में इन मातहतों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। पता नहीं, कांग्रेस के लोग ऐसा सोचते हैं या नहीं, लेकिन उन्हें रेवंत रेड्डी जैसा प्रयोग तीनों हिंदीभाषी राज्यों में करना चाहिए था। इससे चुनाव प्रचार को ताजगी मिलती और जरूरत के अनुरूप निर्णय बदलने में भी संकोच नहीं किया जाता। अनिर्णय और यथास्थितिवाद कांग्रेस की सबसे बड़ी दिक्कत है। राजस्थान में पिछली बार के सत्तारोहण के पहले से अशोक गहलोत और सचिन पायलट उलझे हुए थे। इस टकराव को दूर नहीं किया जा सका। गहलोत 72 वर्ष के हैं और चुनाव से पहले दावा करते हुए घूम रहे थे- ह्यमैं तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहता हूं, पर यह पद ही मुझे नहीं छोड़ताह्ण ऐसा लगता है कि इस कुरसी ने उनका साथ सदा-सर्वदा के लिए छोड़ दिया है। इसी तरह, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में 77 वर्षीय कमलनाथ के चेहरे पर चुनाव लड़ा। कमलनाथ सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने में बुरी तरह नाकामयाब रहे। चुनाव से कुछ महीने पहले मध्य प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में भटकते हुए मैंने पाया था कि लोग शिवराज से नाराज नहीं हैं, पर उनमें परिवर्तन की जबरदस्त कामना है।

नए कानून में डॉक्टरों के लिए हल्की सजा का प्रावधान क्यों?

भारतीय न्याय संहिता ने आईपीसी, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य कानून ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। तीनों विधेयकों को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई है। लेकिन नए कानून में डॉक्टरों की लापरवाह के लिए सजा को हल्की कर दी गई है। भारतीय संसद ने इस हफ्ते नए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को पारित कर दिया, जो पुराने भारतीय दंड संहित (आईपीसी) का स्थान लेगा। इस बिल में एक बदलाव है जो डॉक्टरों के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि यह जरूरी नहीं था। बीएनएस की धारा 106 में लापरवाही से हुई मौत के लिए अधिकतम 5 साल की जेल और जुमार्ना का प्रावधान है। हालांकि, इलाज में लापरवाही के मामले में इस सजा को कम करके अधिकतम दो साल की जेल और जुमार्ना कर दिया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि यह बदलाव भारतीय मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अनुरोध पर किया गया है। भारतीय न्याय संहिता में डॉक्टरों के लिए कम सजा का प्रावधान। मेडिकल नेग्लिजेंस कानून की तीन धाराओं के तहत आती है। इन धाराओं की व्याख्या कोर्ट के फैसलों से हुई है, जिनमें दो सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं। कोर्ट के फैसलों ने डॉक्टरों को लापरवाही के झूठे आरोपों से बचाने के लिए कई सुरक्षा कवच दिए हैं। एक महत्वपूर्ण फैसले में मेडिकल नेग्लिजेंस और पेशेवर लापरवाही के बीच अंतर बताया गया है। इसमें कहा गया था कि थोड़ी लापरवाही या गलत फैसला लापरवाही का सबूत नहीं है। इन सिद्धांतों को दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य फैसले में दोहराया गया था। मेडिकल प्रक्रियाओं में विशेषज्ञता के कारण डॉक्टरों को मुकदमे दर्ज होने से भी बचाया गया है। उदाहरण के लिए, बिना किसी योग्य डॉक्टर की राय के कोई निजी शिकायत दर्ज नहीं की जा सकती।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar.

राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन का परिव्यय 109 लाख करोड़ पहुंचा

- एनआईपी में आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे की नई एवं पुरानी परियोजनाएं शामिल हैं

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) की शुरुआत 6,835 परियोजनाओं से हुई थी और वर्ष 2020-25 के बीच इसकी बढ़ोतरी होकर 108.88 लाख करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ 9,288 परियोजनाओं तक पहुंच चुकी है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि एनआईपी में आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे दोनों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की नई एवं पुरानी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं। एनआईपी के तहत देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अलावा बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े 22 मंत्रालयों की तरफ से लागू की जा रही परियोजनाएं शामिल हैं। एनआईपी देशभर में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने और सभी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने वाली पहल है। एनआईपी से परियोजनाओं की बेहतर तैयारी होगी और बुनियादी ढांचे में घरेलू और विदेशी दोनों निवेश को आकर्षित किया जा सकेगा।

वित्त वर्ष 2024-25 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य पाने के लिए भी इसे अहम माना जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (एमएसएससी) महिलाओं को वित्तीय लाभ देने के साथ उन्हें अपने पैसों का हिसाब रखने और सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। किसी भी आयु वर्ग की महिलाएं न्यूनतम 1,000 रुपये और अधिकतम दो लाख रुपये जमा के साथ दो साल के लिए एमएसएससी खाता खोल सकती हैं। इस पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष है जिसकी गणना तिमाही आधार पर की जाती है। सरकार ने डाक विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों और निजी क्षेत्र के चार बैंकों को एमएसएससी संचालित करने के लिए अधिकृत किया है। हालांकि, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और आईडीबीआई बैंक जैसे कुछ ऋणदाताओं ने अभी तक यह योजना शुरू नहीं की है। महिला सम्मान बचत पत्र योजना को मार्च, 2025 तक दो वर्ष के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसका खाता खोलने के लिए 31 मार्च, 2025 तक आवेदन जमा किया जा सकता है।

आरबीआई की तरफ से एआईएफ में प्रतिबंध के बाद पीरामल ने किया प्रावधान

- पीरामल एआईएफ में 3,164 करोड़ के निवेश को कैपिटल फंड में समायोजित करेगा

मुंबई ।

पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड और आईआईएफएल फाइनेंस ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्टरनेट इन्वेस्टमेंट फंडों (एआईएफ) में लेनदारों के निवेश पर नियम लाए जाने के बाद उन्होंने प्रावधान करना शुरू कर दिया है। पीरामल एंटरप्राइजेज ने अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंडों (एआईएफ) में 3,164 करोड़ रुपये के निवेश को कैपिटल फंड या प्रावधानों के जरिये अपने बहीखाते में समायोजित करने का निर्णय लिया है। पीरामल के पास एनबीएफसी लाइसेंस है और वह पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनेंस की मूल कंपनी भी है। कंपनी ने हाल ही में एक्सचेंजों को भेजी सूचना में कहा था कि बाकी 3,164 करोड़ रुपये में से 1,737 करोड़ रुपये का डाउनस्ट्रीम निवेश एआईएफ ने तीन इकाइयों में किया है, जो पीरामल की देनदार कंपनियां हैं। आईआईएफएल फाइनेंस ने खुलासा किया है कि उसकी सहायक आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड ने प्राथमिकता वाले वितरण मॉडल के तहत 161 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगर इसे नहीं बेचा जा सका तो उसकी पूंजी से 100 फीसदी इसे घटाने की दरकार होगी। आईआईएफएल फाइनेंस ने निवेशकों को सूचित किया कि एआईएफ में उसके 909.81 करोड़ रुपये के निवेश में कोई डाउनस्ट्रीम निवेश शामिल नहीं है, जिसके ऊपर उसका कर्ज या निवेश हो। फर्म का डाउनस्ट्रीम फर्मों पर 3.28 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज है जबकि आईआईएफएल फिनटेक फंड में कुल 21.37 करोड़ रुपये निवेश है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि एडलवाइस का कुल निवेश एआईएफ में 11.4 फीसदी होगा और कुल कर्ज की हिस्सेदारी के तौर पर एआईएफ में निवेश करीब 4.4 फीसदी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों का इन निवेश में बहुत ज्यादा योगदान नहीं है। इस बारे में जानकारी के लिए इंडियाबुल्स, एडलवाइस फाइनैंशियल, सुंदरम अल्टरनेट्स और नाबार्ड को भेजी गई प्रश्नावली का जवाब नहीं मिला।

टाटा नेक्सॉन सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल

-कार का माइलेज भी है काफी शानदार

नई दिल्ली ।

टाटा कंपनी की टाटा नेक्सॉन का फेसलिफ्ट मॉडल एक बार फिर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों शामिल हो गया है। कार का माइलेज भी काफी शानदार है। कार के हैडलैंप्स अब आपको नए देखने को मिलेंगे। इसी के साथ फ्रंट बंपर और बोनट भी बिल्कुल नए और स्पोर्टी डिजाइन में दिया गया है। इसी के साथ कार के टेल लैंप्स और रियर बंपर का डिजाइन भी नया है।

वहीं कार में आपको नए मैटालिक कलर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं। इंटीरियर की बात की जाए तो कार को और भी प्रीमियम लुक दे दिया गया है। नेक्सॉन की अपहॉल्ट स्ट्री को बदल दिया गया है और लैदराइट सीट्स का ऑप्शन भी आपको मिलता है। वहीं बोनट के डिजाइन में भी बदलाव किया गया है। सीट्स को और ज्यादा कंफर्टेबल बनाने के लिए कुशनिंग बढ़ा दी गई है।कार के फीचर्स की बात की जाए तो सबसे पहले सेफ्टी जो नेक्सॉन की पहचान भी है। कार में अब आपको स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर 6 एयरबैग की सुरक्षा मिलती है। इसी के 360 डिग्री कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, चाइल्ड लॉक, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट्स सहित ढेरों फीचर्स मिलेंगे। वहीं कार में अब 10.25 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, रियर एसी वेंट्स, वायरलैस चार्जिंग सहित कई प्रीमियम फीचर्स भी देखने को मिलेंगे।

इसके माइलेज की बात की जाए तो ये 22 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देती है। वहीं डीजल इंजन की बात की जाए तो ये 1.5 लीटर है और ये 118 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। कार का माइलेज 28 किलोमीटर प्रति लीटर तक आता है।कार के इंजन में कंपनी ने कोई भी बदलाव नहीं किया है। कार में पेट्रोल और डीजल इंजन कंपनी ऑफर कर रही है। पेट्रोल इंजन के तौर पर कार में 1.2 लीटर का रेवट्रॉन इंजन ऑफर करती है। ये इंजन 113 बीएचपी की पावर जनरेट करता है।

जोमैटो कर सकता है शिपरॉकेट का अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड प्लेटफॉर्म जोमैटो ने घरेलू लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता शिपरॉकेट को लगभग 16,600 करोड़ रुपये से अधिक में अधिग्रहण करने की पेशकश की है ले किन सौदे पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। पिछले साल अगस्त में जोमैटो समर्थित शिपरॉकेट, जिसे इंफो एज, टेमासेक और लाइटरॉक का भी समर्थन प्राप्त था, ने 3.35 करोड़ डॉलर जुटाए, जिससे इसका मूल्यांकन लगभग 1.2 अरब डॉलर हो गया। जोमैटो ने उसी महीने, क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट और उसके वेयरहाउसिंग और सहायक सेवा व्यवसाय का अधिग्रहण पूरा कियाि जोमैटो के बोर्ड ने ब्लिंकिट के अधिग्रहण के लिए 4,447 करोड़ रुपये के लेनदेन को मंजूरी दे दी। सहायक कारोबार 61 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इस बीच शिपरॉकेट कथित तौर पर यूएस-आधारित निवेश फर्म ट्राइब कैपिटल के नेतृत्व में 75-100 मिलियन तक फंड जुटाने के लिए शीर्ष वीसी फर्मों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट के मुताबिक फंडिंग को लेकर बातचीत जारी है और शर्तें बदल सकती हैं। ट्राइब कैपिटल और शिपरोकेट दोनों ने रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की। बेंगलुरु मुख्यालय वाले शिपरोकेट का लक्ष्य अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ के लिए तैयार होना है। इसका लक्ष्य अगले 12 महीनों में एसएमबी को लगभग 100 करोड़ रुपये वितरित करना है। 2017 में लॉन्च किया गया, शिपरॉकेट खुदरा विक्रेताओं को शॉपिफाई, मैगेंटो, वूकॉमर्स, ज़ोहो और अन्य पर अपनी शॉपिंग वेबसाइटों को एकीकृत करने में मदद करने के लिए एक प्रौद्योगिकी स्टैक प्रदान करता है। शिपरॉकेट देश भर में स्थित 45 से अधिक गोदामों के साथ अत्याधुनिक पूर्ति समाधान भी प्रदान करता है।

बैंकों को बड़े दिवालिया मामलों की हर महीने समीक्षा का निर्देश

नई दिल्ली.

वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों को हर महीने शीर्ष 20 दिवालिया मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दिवालिया मामलों की समीक्षा के लिए कहा है क्योंकि दिवालिया अदालतों में मामलों को स्वीकार करने में देरी होती है। जोशी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) के कामकाज की भी समीक्षा करेंगी क्योंकि फँसे कर्ज की वसूली में देरी हो रही है। सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एनएआरसीएल प्रबंधन के साथ बैठक बुलाई थी। एनएआरसीएल की स्थापना वाणिज्यिक बैंकों की तनावग्रस्त संपत्तियों को संभालने और उनका निपटान करने के लिए की गई थी ताकि उनके बही-खाते साफ हो जाएं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध हो सके। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पिछले सप्ताह संसद को सूचित किया कि नवंबर 2024 तक एनएआरसीएल ने सितंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा निर्धारित दो लाख करोड़ रुपये के मूल लक्ष्य के मुकाबले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से 11,617 करोड़ रुपये के फँसे हुए ऋण का अधिग्रहण किया है। मंत्रालय ने कहा, एनएआरसीएल द्वारा अधिग्रहित कुछ खाते आईबीसी के तहत हैं और एनसीएलएटी द्वारा समाधान योजना को मंजूरी मिलने के बाद ही वसूली संभव है। इस प्रकार, शेष खातों में एनएआरसीएल ने 30 नवंबर 2023 तक केवल 16.64 करोड़ रुपये की वसूली की है। आईबीसी मामलों में भी देरी होती है, जिन्हें न्यायाधिकरणों में दाखिल होने में ही एक साल से अधिक का समय लग जाता है, जबकि समाधान प्रक्रिया 360 दिन की समयसीमा से कहीं अधिक लंबी हो जाती है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 2019 से 2023 के बीच पांच वर्षों में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का फंसा कर्ज माफ कर दिया। इन अटकी संपत्तियों में से 6.5 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2023 में 94,000 करोड़ रुपये या मात्र 15 प्रतिशत की वसूली की गई है, जिसमें से आधे से अधिक बरामद राशि आईबीसी मार्ग के माध्यम से आई है।

अगले सप्ताह पांच दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली । आने वाले सप्ताह में क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों की वजह से बैंक पांच दिन बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने छुट्टियों की लिस्ट भी जारी है। इस लिस्ट के अनुसार 25 और 26 दिसंबर को क्रिसमस की वजह से अलग-अलग राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। नागालैंड में 27 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी है। शनिवार 30 दिसंबर को मेघालय में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 31 दिसंबर को रविवार का अवकाश रहेगा। आरबीआई द्वारा घोषित अवकाश अलग-अलग राज्यों में पड़ने वाले त्योहारों और होने वाले आयोजनों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

जीरो-डे वल्नरेबिलिटी के लिए गूगल ने जारी किया इमरजेंसी पैच

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल ने क्रोम जीरो-डे वल्नरेबिलिटी को संबोधित करने के लिए एक इमरजेंसी पैच जारी किया है, जिसमें उन्होंने माना है कि ऐसा हो रहा है। यह साल की शुरुआत के बाद से जारी किया गया आठवां पैच है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में सुरक्षा सलाह जारी करते हुए लिखा, गूगल को पता है कि सीवीआई-2023-7024 (एक प्रकार का बग) मौजूद है। टेक जांयट ने स्टेबल डेस्कटॉप चैनल में यूजर्स के लिए जीरो-डे की खामी को ठीक कर दिया, गूगल को इसकी सूचना दिए जाने के एक दिन बाद विंडोज यूजर्स (120.0.6099.129/130), मैक और लिनक्स यूजर्स (120.0.6099.129) के लिए पैच किए गए वर्जन ग्लोबल लेवर पर जारी किए गए। बग की खोज और रिपोर्ट गूगल के थ्रेट एनालिसिस ग्रुप (टीएजी) के क्लेमेंट लेसिग्ने और व्लाद स्टोलारोव ने की थी। ब्लीपिंग कंप्यूटर के अनुसार, टीएजी सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स का एक ग्रुप है, जिसका प्राथमिक लक्ष्य गूगल कस्टमर्स को स्टेट-स्पांसर्ड अटैक से बचाना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मोजिला फायरफॉक्स, सफारी और माइक्रोसॉफ्ट एज सहित कई वेब ब्राउजर रीयल-टाइम टाइम कम्युनिकेशंस (आरटीसी) क्षमताओं (जैसे, वीडियो स्ट्रीमिंग, फाइल शेयरिंग और वीओआईपी टेलीफोनी) प्रदान करने के लिए जावा स्क्रिप्ट एपीआई का उपयोग करते हैं। गूगल ने कहा, बग डिटेल्स और लिंक तक एक्सेस तब तक प्रतिबंधित रखा जा सकता है, जब तक कि अधिकांश यूजर्स को समाधान के साथ अपडेट नहीं किया जाता है। इस बीच, गूगल यूजर्स को प्रोडक्ट असिस्टेंस प्रदान करने के लिए अपने कुछ हेल्प पेज पर एक नया एआई सपोर्ट असिस्टेंट चैटबॉट शुरू कर रहा है।

एनएसई और बीएसई ने टाटा मोटर्स के शेयर की डीलिस्टिंग को दी मंजूरी

मुंबई । बीएसई और एनएसई ने टाटा मोटर्स के शेयरों को (डीवीआर या डिफरेंशियल वेटिंग राइट्स) को रद्द करने और ऑर्डिनरी शेयर को अलॉटमेंट करने को मंजूरी दे दी है। एक्सचेंजों ने कंपनी शेयरधारकों और ऋणदाताओं के बीच इसके लिए व्यवस्था की योजना को भी मंजूरी दे दी। डीवीआर शेयर पर शेयरधारकों को टाटा मोटर्स के 7 शेयर मिलेंगे। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि टाटा मोटर्स डीवीआर को खत्म कर रही है। कंपनी डीवीआर शेयर को ऑर्डिनरी शेयरों में बदलेगी। टाटा मोटर्स डीवीआर गुरुवार को 1 फीसदी बढ़कर 474 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। बता दें कि इसका शेयर एक साल में 100 फीसदी बढ़ा है। डीवीआर शेयर ऐसे शेयर होते हैं जिस पर वोटिंग और डिविडेंड के लिए विशेष अधिकार जुड़े होते हैं। दरअसल आम नियमों के अनुसार किसी कंपनी के हर स्टॉकहोल्डर को समान वोटिंग राइट्स और डिविडेंड राइट्स मिले होते हैं। ऐसे शेयरों को सामान्य या ऑर्डिनरी शेयर कहा जाता है। इस बीच डीवीआर का कॉन्सेप्ट लाया गया। इसमें कंपनियां कुछ ऐसे शेयर जारी करती है जिसमें वोटिंग राइट्स आम शेयरों के मुकाबले कम होता है। इसके बदले में कंपनियां डीवीआर के निवेशकों को आम शेयरधारकों के मुकाबले ज्यादा डिविडेंड ऑफर करती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 242 , निफ्टी 94 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बाद भी लिवाली हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान शेयर बाजार लाभ के साथ ही ऊपर आये। आज के कारोबार में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 0.74 फीसदी और 1 फीसदी की बढ़त के साथ ही बेंचमार्क से आगे निकल गए।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 241.86 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 71,106.96 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में 70,713.56 और 71,259.55 में कामकाज करता रहा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 94.35 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 21,349.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,232.45 और 21,390.50 के बीच कारोबार हुआ।

गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए क्योंकि आर्थिक आंकड़ों से यह आशा जगी कि फेडरल रिजर्व मौद्रिक नीति में राहत दे सकता है। नैस्डैक 1.3 फीसदी उछला, एसएंडपी 500 1 फीसदी चढ़ा और डॉव जोन्स 0.9 फीसदी बढ़ा। वहीं एशिया के बाजारों ने हल्की बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी लगभग 0.2 प्रतिशत ऊपर थे।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच ही घरेलू शेयर बाजार की सपाट स्तर पर शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स स्थिर पर बने रहे। बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 70,870 पर और एनएसई निफ्टी 50 24 अंक बढ़कर 21,280 पर कारोबार कर रहा था। एचसीएलटेक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, विप्रो, टेक एम ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि अदानी पोर्ट्स, एलटीआईएम, यूपीएल अतिरिक्त निफ्टी विजेता रहे। दूसरी ओर इंफोसिस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एमएंडएम फ्रंटलाइन में थे। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.6 फीसदी और 1 फीसदी चढ़े।

भारतीय स्टार्टअप्स में 35 हजार से ज्यादा नौकरियां गई, 2024 में भी छंटनी रहेगी जारी

नई दिल्ली। पिछले दो साल में भारतीय स्टार्टअप्स में 35,000 से ज्यादा लोगों ने नौकरी से हाथ धोया हैं, और 2024 में भी नौकरियों में कटौती बेरोकटोक जारी रहने की संभावना है। 2022 में बायजू, ओला, अनएकेडमी, ब्लिंकिट और वाइटहैट जूनियर, स्किल-लिंक, गो मैकेनिक, शेयर चैट और जेस्टमनी जैसे प्लेयर्स के नेतृत्व में भारतीय स्टार्टअप्स ने 18,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल दिया। इंक42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में 17,000 से ज्यादा लोग पहले ही अपनी नौकरियां खो चुके हैं और यह लिस्ट बढ़ती ही जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट ने रणनीतिक पुनर्गठन के तहत 200 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के लगभग 15 प्रतिशत को नौकरी से निकाल दिया है।गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको ने अपने कर्मचारियों की कुल संख्या 110 में से लगभग 36 प्रतिशत या 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। गूगल समर्थित एडटेक प्लेटफॉर्म अड्डा247 ने विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 250-300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। एनट्रैकर ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा, दिसंबर 2021 में कंपनी द्वारा लगभग 20 मिलियन डॉलर में अधिग्रहित यूपीएससी-केंद्रित एडटेक प्लेटफॉर्म स्टडीआईक्यू से लगभग 100 से 150 कर्मचारियों को निकाल दिया गया था।

एलआईसी के शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ 820.05 रुपए पर पहुंचे

मुंबई।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को जोरदार तेजी आई है। एलआईसी के शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ 820.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। एलआईसी के शेयरों का यह 52 हफ्ते का नया उच्च स्तर है। कंपनी के शेयर गुरुवार को 764.55 रुपए पर बंद हुए थे। बीमा कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सरकार की तरफ से बड़ी रियायत दिए जाने के बाद आया है। एलआईसी का मार्केट कैप 5 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। एलआईसी ने बताया है कि सरकार ने 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नॉर्म्स पूरा करने के लिए वन-टाइम एग्जेम्प्शन दे दिया है। अब बीमा कंपनी लिस्टिंग की तारीख से 10 साल के भीतर मिनीमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग को पूरा कर सकती है। बाजार नियामक सेबी के नॉर्म्स के मुताबिक किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के भीतर या विलय या एक्विजिशन के एक साल के भीतर 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नॉर्म्स को पूरा करना होता है। सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी के आईपीओ का प्राइस बैंड 902 से 949 रुपए था। आईपीओ में कंपनी के शेयर 949 रुपए पर अलॉट हुए थे। कंपनी के शेयर 17 मई 2022 को 867.20 रुपए पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुए थे। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 872 रुपए पर लिस्ट हुए थे। बीमा कंपनी एलआईसी के शेयर अब भी अपने इश्यू प्राइस से डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में एलआईसी के शेयरों में करीब 35 फीसदी का उछाल आया है। बीमा कंपनी के शेयर 26 अक्टूबर 2023 को 604.95 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 22 दिसंबर 2023 को 820.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। एलआईसी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 530.20 रुपए है।

एयरटेल, इंटेलिस्मार्ट ने दो करोड़ स्मार्ट मीटर आईओटी से जोड़ने समझौता किया

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने दो करोड़ स्मार्ट मीटर को इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) से जोड़ने के लिए इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ साझेदारी की है। इस परियोजना का क्रियान्वयन अगले 10 साल में पूरा होने का अनुमान है। एयरटेल ने कहा कि यह क्लाउड और एनालिटिक्स के साथ-साथ हेड एंड सिस्टम जैसे स्मार्ट मीटरिंग अनुप्रयोगों में एयरटेल के प्रवेश का प्रतीक है। यह देश में स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में सबसे बड़े सौदों में से एक है और यह सभी क्षेत्रों में एयरटेल की तेजी से बढ़ती आईओटी तैनाती में महत्वपूर्ण योगदान देगा। एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईओटी एयरटेल कारोबार के लिए सबसे तेजी से बढ़ता कारोबारी खंड है। अब हम रणनीतिक रूप से सरकार के 25 करोड़ परंपरागत मीटर को डिजिटल करने के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

सीख गुरुनानक देव की

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए। गुरु नानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा। इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता। हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-ष्मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

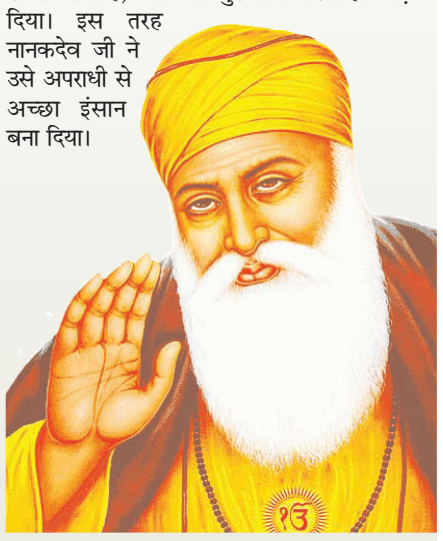

जाने 'बार्बी' को

क्या आप जानते हैं कि आपकी प्यारी बार्बी डॉल का नाम इसके आविष्कारक की बेटी 'बारबरा' के नाम से आया है।

- सबसे पहली बार्बी डॉल जापान में बनी थी।
- हर सेकेंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक बार्बी डॉल बिकती है।
- बार्बी डॉल 40 से अधिक नेशनेल्टी में उपलब्ध हैं।
- बार्बी 80 से ज्यादा रूपों में उपलब्ध हैं।
- पहली बार्बी एक टीनएज फैशन मॉडल थी।
- बार्बी डॉल की लंबाई 115 इंच है।

कहानी

नेकी का फल

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटिया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा- 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली - 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?' बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था, क्योंकि कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है? बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?'

कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?

बंदरिया बोली, बस इतनी सी बात? लो मेरा मटका ले लो।

दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?'

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा। दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर। दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी। ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे। ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे देदिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता क ा कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो। रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल? राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो। और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3042

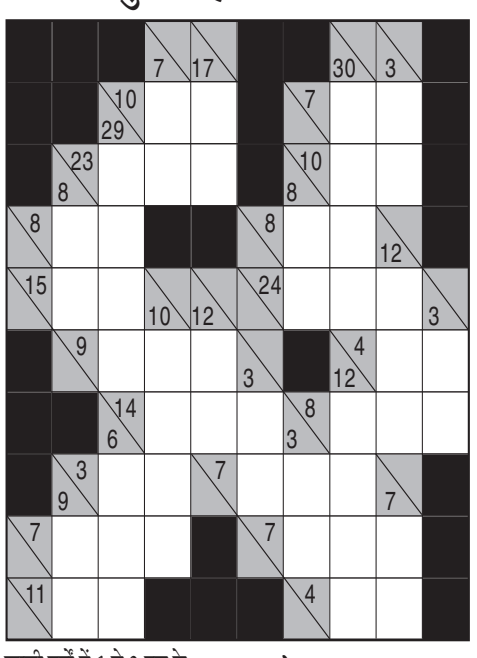

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23 → 1 2 3 4 6; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

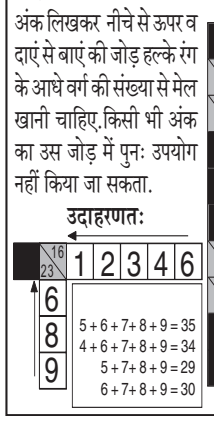

काकुरो - 3041 का हल

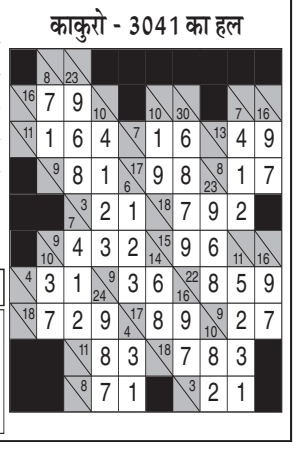

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)– रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)– हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले– ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला– आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3042

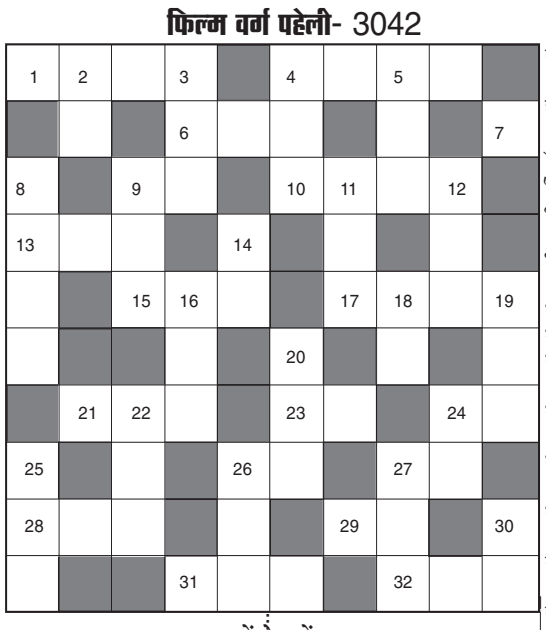

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3041

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		र्ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		र		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -3042

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3041 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 3042

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3041 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	द्द	क	र	ना	

दीप्ति और पूजा की शतकीय साझेदारी, भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर शिकंजा कसा

मुंबई (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा (नाबाद 70) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 33) के बीच 102 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां 157 रन की बढ़त हासिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 376 रन बनाए थे।

भारत की चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए जिनमें दीप्ति के अलावा स्मृति मंधाना (74), जेमिमा रोड्रिग्स (73) और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही रिचा घोष (52) शामिल हैं। दीप्ति और वस्त्राकर ने तब जिम्मेदारी संभाली जब भारत ने 14 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंदबाजों का उपयोग किया लेकिन केवल ऑफ स्पिनर एशले गार्डनर (100 रन देकर चार विकेट) ही अपना प्रभाव छोड़ पाई।

महिला एशेज टेस्ट में आठ विकेट लेने वाली गार्डनर ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया तथा अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके महत्वपूर्ण विकेट लिए। भारत का स्कोर एक समय सात विकेट पर 174 रन था लेकिन दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए शानदार साझेदारी से वह मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहा। दीप्ति और वस्त्राकर भारत की तरफ से आठवें विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी का रिकॉर्ड बनाने से केवल पांच रन दूर हैं।

दीप्ति ने अभी तक 147 गेंद का सामना करके नौ चौके लगाए हैं जबकि पहले दिन 53 रन देकर चार विकेट लेने वाली वस्त्राकर ने 115 गेंद का सामना करके चार चौके जड़े हैं। भारत की पारी का आकर्षण हालांकि युवा रिचा घोष और जेमिमा के बीच चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी रही। यह भारत की तरफ से चौथे विकेट के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बल्लेबाजी कर रही घोष ने आक्रमण और संयम का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने अपनी पारी में 104 गेंद का सामना करके सात चौके लगाए।

घोष को 14 रन के निजी योग पर जीवनदान भी मिला जब एलिस पेरी ने गार्डनर की गेंद पर मिड ऑफ पर उनका आसान कैच छोड़ दिया था। घोष इसका फायदा उठाकर अपने पदार्पण मैच में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की 14वीं बल्लेबाज बनी। जेमिमा और शुभा सतीश ने हाल में यह उपलब्धि हासिल की थी। जेमिमा ने स्वीप शॉट लगाने के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। उन्होंने अपने अधिकतर रन (63 प्रतिशत) लेग साइड में बटोरे।

जेमिमा की 121 गेंद की पारी में नौ चौके शामिल हैं। लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक बनाने वाली जेमिमा अपने पहले टेस्ट शतक की तरफ बढ़ रही थी लेकिन तभी उन्होंने गार्डनर की गेंद पर एनाबेल सदरलैंड को एक्स्ट्रा कवर कर आसान कैच दे दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना खाता

भी नहीं खोल पाई और केवल दो गेंद खेल कर पवेलियन लौट गई। गार्डनर ने उन्हें पगबाधा आउट किया।

गार्डनर ने इसके तुरंत बाद यास्तिका भाटिया (01) को भी आउट किया। इससे पहले भारत ने सुबह एक विकेट पर 98 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। मंधाना और स्नेह राणा (09) ने अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। गार्डनर ने राणा को बोल्ड करके यह साझेदारी तोड़ी। मंधाना रन आउट होकर पवेलियन लौटी। भारतीय उप कप्तान ने 106 गेंद का सामना किया तथा 12 चौके लगाए।

साक्षी मलिक के संन्यास के बाद बजरंग पूनिया भी एक्शन में, 'पद्मश्री' लौटाने का ऐलान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नए अध्यक्ष बने संजय सिंह के विरोध में जहां कल वीरवार को पहलवान साक्षी मलिक कुश्ती से सन्यास ले लिया। वहीं आज भारतीय पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने पीएम मोदी के नाम एक पत्र लिखाकर अपनी मांगे न सुनी जाने के कारण पद्मश्री लौटाने की बात भी कही है।

बजरंग ने लिखा, मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री जी को वापस लौटा रहा हूं। कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। यही मेरी स्टेटमेंट है। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ में बृजभूषण शरण सिंह की चल रही मनमानी और तानाशाही को लेकर विरोध कर रहे थे। बृजभूषण पर महिला पहलवानों का यौन शोषण करने का भी आरोप है जिसे लेकर महिला पहलवानों ने दिल्ली की सड़कों पर कई दिनों कर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह बीजेपी सांसद हैं और लंबे अरसे से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे हैं।

वहीं अब उन्हें हाल ही में अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था और जो नए अध्यक्ष बनाए गए हैं, वह भी बृजभूषण खेमे के ही हैं। जिस पर पहलवानों ने ऐतराज जताया। हाल ही में संपन्न भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों में पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण के गुट के एक प्रमुख व्यक्ति और वर्तमान में यूपी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने अनीता श्योराण के महज सात वोटों के मुकाबले 40 वोटों से भारी जीत हासिल की। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई), देश में कुश्ती की शासी निकाय, नई दिल्ली में स्थित है।

दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं राहुल

बोलैंड पार्क (एजेंसी)। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को 78 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इसी के साथ ही राहुल ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया है। राहुल दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में यहां 5-1 से जीत दर्ज की थी। इस प्रकार अब राहुल भी विराट की बराबरी पर आ गये हैं। राहुल की कप्तान में पिछले साल भी भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका गयी थी पर तब उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब एक साल बाद राहुल ने उसका बदला ले लिया है।

राहुल दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गयी भारतीय टीम के सातवें कप्तान हैं। यहां किसी भी प्रारुप में सीरीज जीतना आसान नहीं होता है। दोनों ही टीमों के बीच 21 साल के एकदिवसय इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती है। भारतीय टीम पहली बार मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में यहां गई थी पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने मेजबान टीम से एकदिवसीय सीरीज खेली थी पर उसे हर बार ही हार का सामना करना पड़ा था।

विलियमसन और जैमीसन बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेलेंगे

-रचिन रवींद्र और डफी शामिल

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और गेंदबाज काइल जैमीसन इस महीने के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन और जैमीसन ने फिट नहीं होने के कारण अपना नाम वापस ले लिया है। ऐस में इन दोनों की जगह युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र और जैकब डफी को शामिल किया गया है। वहीं मिशेल सेंटनर इस सीरीज में कप्तानी करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा, इस जोड़ी को वापस लेने का फैसला आगे की चिकित्सा सलाह और आगामी कार्यक्रम पर विचार करने के बाद लिया गया है।

विलियमसन घुटने के पुनर्वास

और मजबूती की अवधि से गुजरेंगे। इसके साथ ही टीम ने नए साल में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम को देखते हुए जैमीसन को जोखिम में नहीं डालने का फैसला किया है। इसलिए वह बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीरीज और पाकिस्तान के खिलाफ जनवरी में होने वाली टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। वहीं कोच गैरी स्टीड ने कहा कि वापसी ताजा चिकित्सा सलाह के आधार पर की गई है। हम चाहते हैं कि विलियमसन और जैमीसन दोनों दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के पहले पूरी तरह से फिट हो जायें। उन्होंने कहा, मेडिकल स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ चर्चा के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि पुनर्वास और कंडीशनिंग की अवधि उन दोनों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

स्टीड ने कहा कि रवींद्र और डफी ने बांग्लादेश के लिए टीम मिश्रण में मजबूत योगदान प्रदान किया। न्यूजीलैंड टी20 टीम इस प्रकार है- मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी और टिम साउथी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने आयरलैंड को 2-1 से हराया

वालेंसिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दीपिका और संगीता कुमारी के गोल से आयरलैंड को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने 5 देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 के लिए जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। भारत की ओर से दीपिका ने खेल शुरु होने के कुछ समय के अंदर ही गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। दीपिका ने चौथे और संगीता कुमारी ने 22 वें मिनट में ये गोल किये। वहीं आयरलैंड की ओर से कप्तान कैथरीन मुलान ने 12 वें मिनट में एकमात्र गोल किया। आयरलैंड ने शुरुआत में ही गोल खाने के बाद भी दबाव में आये बिना मुलान के गोल से मुकाबले में बराबरी हासिल की। वहीं दूसरे क्वार्टर में आयरलैंड को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। वहीं भारतीयटीम को अपना पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसपर संगीता कुमारी ने गोल दागकर टीम को एक बार फिर बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर दोनो ही उसे गोल में बदल नहीं पायीं।, इसके बाद आयरलैंड ने अंतिम क्वार्टर में बराबरी का प्रयास किया पर वह भारतीय रक्षापंक्त को नहीं भेद पायी।

विराट पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटे

सेंचुरियन। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गये अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से स्वदेश लौट गये हैं हालांकि उनके 26 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की पूरी संभावनाएं हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई से मिली जानकारी के अनुसार, 'विराट पारिवारिक कारणों से भारत लौट गए हैं लेकिन पहले टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। वहीं युवा बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ भी ऊंगली में फेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गये हैं। रूतुराज को ये चोट दूसरे एकदिवसीय में एक कैच पकड़ने के दौरान लगी थी।

संन्यास के बाद रोहित और विराट की जर्सी भी रिटायर करेगा बीसीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इन दोनो की जर्सी 45 और 18 को रिटायर कर सकता है। गावस्कर ने रोहित और विराट की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों का भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम योगदान रहा है। ऐसे में भविष्य में इन दोनो की जर्सी नंबर को रिटायर किया जा सकता है। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच तीसरे एकदिवसीय के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट और रोहित के प्रभाव पर ये बात कही। उन्हें भरोसा है कि बीसीसीआई इन दोनो के खेल को अलविदा कहने के बाद उनके जर्सी नंबर पर अपना फैसला लेगा। गावस्कर ने कहा कि मैं नंबर 45 और नंबर 18 जर्सी को नंबर 7 और नंबर 10 जर्सी की तरह रिटायर होते हुए देख सकता हूं। बीसीसीआई ने हाल ही में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की नंबर 7 जर्सी को रिटायर कर दिया था। बीसीसीआई ने युवा खिलाड़ियों को सूचित किया कि अब नंबर 7 की जर्सी उपलब्ध नहीं होगी। इससे पहले बीसीसीआई ने सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर की जर्सी को भी उनके सम्मान में रिटायर कर दिया था।

केकेआर नहीं खरीद पायी मध्यक्रम के लिए स्टार बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 24 के लिए हुई नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदकर अपनी गेंदबाजी तो मजबूत कर ली है पर उसे ये फैसला भारी भी पड़ सकता है। इसका कारण ये है कि स्टार्क पर मोटी रकम लगाने से फ्रैंचाईजी के पास पैसे नहीं बचे और वह किसी बेहतर बल्लेबाज को नहीं खरीद पायी है। इससे उसका बल्लेबाज संतुलन खराब होता दिख रहा है। उसे मध्य क्रम में एक ऐसे बल्लेबाज की जरुरत थी, जो श्रेयस अय्यर और रिंकू सिंह का भार कम कर सके पर अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। नीलामी के बाद ये नजर आ रहा है कि केकेआर इस कमी को दूर नहीं कर पाया है और इसका नुकसान उसे बल्लेबाजी में उठाना पड़ेगा। वह केवल एक बल्लेबाज मनीष पांडे को खरीद पायी।

मनीष एक अच्छे बल्लेबाज हैं पर आजकल उनका बल्ला नहीं चल रहा। मनीष टीम की पहली पसंद नहीं थे पर पैसे की मजबूरी के कारण उन्हें खरीदना पड़ा। ऐसे में श्रेयस अय्यर, नीतीश राणा और रिंकू सिंह को साथ ही लिए मनीष के अलावा कोई अन्य मैच विजेता खिलाड़ी नहीं मिला है। केकेआर ने इस बार नीलामी में स्टार्क सहित 10 खिलाड़ी खरीदे। इनमें 4 भारतीय और 6 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में मिचेल स्टार्क के अलावा मुजीब उर रहमान, शेन रदरफोर्ड और गट एटकिंसन के अलावा पांच भारतीय क्रिकेटर मनीष पांडे, केएस भरत, चेतन सकारिया, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह और साकिब हसन को भी उसने खरीदा है।

नीलामी से पहले साफ था कि केकेआर को ऐसे तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों की सख्त जरूरत है, जो अपने बल पर मैच जिता सकें। मिचेल स्टार्क, गस एटकिंसन और चेतन सकारिया को खरीदकर केकेआर ने तेज गेंदबाजों की कमी काफी हद तक कम कर ली है पर बल्लेबाजी में टीम की कमी सामने आ रही है। अंतिम ग्यारह में अधिक से अधिक 4 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। केकेआर की अंतिम में पहली पसंद 4 विदेशी खिलाड़ी मिचेल स्टार्क, सुनील नरेन, ऑलराउंडर आंद्र रसेल और जेसन रॉय होंगे। ऐसे में केकेआर की बल्लेबाज के मध्यक्रम में केवल एक ही खिलाड़ी मनीष जुड़े हैं। हाल में जिस प्रकार से मनीष का फार्म रहा है उससे नहीं लगता है वह टीम की अधिक सहायता कर पायेंगे।

गुकेश नें टाईब्रेक में जीता चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज ,अर्जुन बने उपविजेता

चेन्नई। गुरुवार को यहाँ भारत के शतरंज इतिहास के अब तक के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट और फीडे सर्किट के अंतिम क्लासिकल पड़ाव चेन्नई ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें अपने नाम कर लिया। गुकेश नें अंतिम राउंड में हमवतन पेंटाला हरिकृष्णा से बाजी ड्रॉ खेलते हुए 4.5 अंक बनाकर खिताब हासिल किया, हालांकि अंतिम राउंड में भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें भी शानदार खेल दिखाते हुए हंगरी के सनन सुज्गिरोव को पराजित करते हुए 4.5 अंक बनाए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर गुकेश नें खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं हरिकृष्णा प्रतियोगिता में 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। अन्य खिलाड़ियों में उक्रेन के पावेल एलजनोव चौथे, यूएसए के लेवान अरोनियन पांचवें, ईरान के परहम मघसूदलू छठे, हंगरी के सनन सातवे और सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके अंतिम आठवें स्थान पर रहे। इस जीत के बाद गुकेश फीडे सर्किट तालिका में 87.3 अंको के साथ नीदरलैंड के अनीश गिरि (84.3) को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर से शीर्ष पर पहुँच गए है और अब अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की उनकी संभावना बढ गई है। अर्जुन एरिगासी 81.2 अंको के साथ अभी भी इस दौड़ में शामिल है अब अगर फीडे सर्किट के आखिरी पड़ाव विश्व उजबेकिस्तान के समरकंद में होने वाली विश्व रैपिड चैम्पियनशिप में अनीश या अर्जुन रैपिड या ब्लिट्ज में विजेता बनते है तो वह गुकेश को पीछे छोड़ सकते है।

सनराइजर्स हैदराबाद को है विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद को लगता है विदेशी खिलाड़ियों पर ज्यादा ही भरोसा है। इसी कारण आईपीएल के 2024 सत्र के लिए उसने कई विदेशी खिलाड़ियों को खरीदा है। फ्रैंचाइजी ने नीलामी में कुछ बड़े नमों पर दाव लगाया और पैट कमिंट, ट्रैविस हेड, एडेन मार्करम और वानिंदु हसरंगा जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों को खरीदकर संकेत दिया है कि वह खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगाना चाहती है। हैदराबाद को एक बार खिताब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दिलाया था पर अब वह टीम के साथ नहीं हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की कप्तानी में भी हैदराबाद का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा है। माना जा रहा है कि इसी कारण टीम को विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा है।

कमिंस के चयन से स्पष्ट है कि टीम उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी देगी। कमिंस अपने कप्तानी कौशल के कारण जाने जाते हैं। इसी कारण उनके लिए आरसीबी ने भी बड़ी बोली लगाती नजर आई थी। कमिंस के आने से हैदराबाद की गेंदबाजी भी बेहतर होगी। इस काम में उन्हें मार्को जानसन से भी सहायता मिलेगी।

वहीं हेड को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। हेड ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल और क्रिकेट विश्व कप फाइनल में शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कभी भी मैच बदलने में सक्षम हैं। जहां तक मार्करम की बात है उन्हें नंबर के लिए पहली पसंद माना जा रहा है। मार्करम के रहने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा। इसके अलावा हेनरिक क्लासेन भी मध्य क्रम में रहेंगे। वह बीच के ओवरों में बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। क्लासेन का भारतीय पिचों पर रिकॉर्ड अच्छा रहा है। ऐसे में उनके रहने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा।

इसके अलसवा ऑलराऊंडर ग्लेन फिलिप्स के आने से टीम को एक बेहतर फील्डर भी मिलेगा। इसके अलावा टीम को तेज गेंदबाज मार्को जानसन के आने से लाभ होगा। वह पिछले आईपीएल में शुरूआती मैचों में ही विकेट लेने में सफल रहे थे।

डब्ल्यूएफआई चुनावों के बाद राहत, रूकी हुई राष्ट्रीय प्रतियोगितायें शुरू होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुश्ती जगत ने अब राहत की सांस ली है कि राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगितायें आखिरकार नये महासंघ के गठन के बाद शुरू हो जायेंगी और यह मायने नहीं रखता कि बृज भूषण शरण सिंह फैसले लेना जारी रखेंगे।

विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवान चाहते थे कि कोई महिला अध्यक्ष भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद पर काबिज हो लेकिन बृजभूषण के विश्वस्त संजय सिंह गुरुवार को हुए चुनाव में विजेता रहे। बृजभूषण को अलग रहने के लिए कहा गया था और महासंघ के रोजमर्रा के काम संभालने के लिए एक तदर्थ समिति गठित की गयी थी जिससे 2023 में राष्ट्रीय शिविर और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित नहीं हो पायी।

इससे कई पहलवान प्रभावित हुए क्योंकि नौकरी के आवेदन के लिये राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में जीते गये पदक और भाग लेने का प्रमाण पत्र जरूरी होता है। सैकड़ो पहलवानों पर इसका असर पड़ा क्योंकि इनमें से कईयों ने जूनियर वर्ग में पिछले साल पदक जीते थे। रोहतक में मशहूर छोटू राम स्टेडियम के एक कोच जगदीश ढांडा ने कहा, ''कौन जीता है, यह कैसे मायने रखता है? चुनाव उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद किये गये थे। कोई जबरदस्ती नहीं हुई। सरकार भी इस मामले को देख रही थी।''

उन्होंने कहा, ''पिछले 11 महीनों में कुश्ती खेल लगभग रूक सा ही गया था। अच्छा है कि नयी संस्था के गठन के तुरंत बाद ही गतिविधियां शुरू हो गयी हैं। अब राष्ट्रीय शिविर कराये जायेंगे और प्रतियोगितायें आयोजित होंगी। आप पिछले 11 महीने के नुकसान का अंदाजा नहीं लगा पाओगे।'' यह पूछने पर कि बृजभूषण के नये प्रमुख के जरिये महासंघ पर नियंत्रण बनाये रखने से उनके स्टेडियम में पहलवानों की कैसी प्रतिक्रिया थी तो ढांडा ने कहा, ''पहलवान तटस्थ हैं।''

ढांडा ने कहा, ''वास्तव में कोई भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा। यह साफ था कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट बस खुद के लिये काम कर रहे थे। वे खुद को ट्रायल से बचाना चाहते थे। शुरू में किसी को समझ नहीं आया लेकिन बाद में जब उन्होंने एशियाई खेलों के ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लिया और पंचायत को कही गयी अपनी बात का सम्मान नहीं किया तो लोगों ने उन पर भरोसा करना बंद कर दिया।''

बजरंग और विनेश को तदर्थ पैनल ने एशियाड ट्रायल्स से छूट दी थी और उनके संबंधित वर्गों में पहलवानों ने उन्हें अदालत में भी खींचा। बजरंग हांगझोउ एशियाड से खाली हाथ लौटे और विनेश को चोट लग गयी जिससे वह इनमें हिस्सा नहीं ले सकीं। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के कोचों की भी यही प्रतिक्रिया थी। एक कोच ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, ''डब्ल्यूएफआई को चलाने के लिए एक मजबूत नेतृत्व चाहिए। आपने देखा कि तदर्थ पैनल को फैसले लेने में कितनी परेशानी हुई। वे बार बार फैसले बदलते रहे, इसलिये अच्छा है कि वही पैनल वापस आ गया। आपको अनुभव चाहिए होता है और उन्होंने पिछले 10-12 साल में काफी अच्छा काम किया है।''

उन्होंने कहा, ''शुक्र है कि अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता करायी जायेगी। सभी पहलवानों को प्रतियोगिता चाहिए। हम किसी के पक्ष से नहीं है। हम बस अपने खेल की बेहतरी चाहते हैं।'' कोच ने यह भी कहा कि विरोध करने वाले पहलवानों को बातचीत से मुद्दे का हल निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, ''मतभेद हो ही सकते हैं, जिन्हें बातचीत करके सुलझाया जा सकता है। सड़क पर बैठना अच्छा विकल्प नहीं है। इससे खेल भी बदनाम हुआ।'' कोच ने कहा, ''माता पिता भी चिंतित थे कि उनके बच्चों का पूरा साल खराब हो गया। यह खेल काफी निर्दयी है जिसमें एक साल बहुत लंबा होता है।''

आमतौर पर मई के अंत तक सभी आयु वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगितायें खत्म हो जाती हैं। इन चैम्पियनशिप में कम से कम 120 पदक दाव पर होते हैं। इस साल केवल अंडर-23 चैम्पियनशिप ही आयोजित हुई। हरियाणा की एक महिला पहलवान ने कहा कि महासंघ के अधिकारियों से संपर्क करने में कुछ झिझक

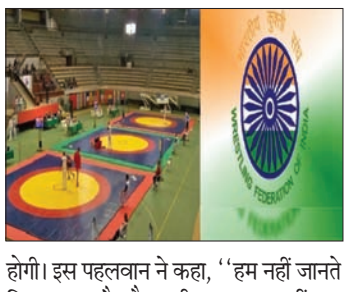

होगी। इस पहलवान ने कहा, ''हम नहीं जानते कि सच क्या है। यौन उत्पीड़न हुआ या नहीं, हम नहीं जानते। लेकिन विश्वास रखिये कि कुछ झिझक तो होगी ही। कम से कम शुरू में, अगर पहलवानों को महासंघ से कुछ पूछने की जरूरत होगी तो हम नहीं जानते कि हमें महासंघ के अधिकारियों का विरोध करने वालों के तौर पर देखा जायेगा।'' नवनिर्वाचित इकाई ने तदर्थ समिति के सभी फैसलों को रद्द कर दिया है। अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता की घोषणा कर दी गयी है जो दिसंबर के अंतिम हफ्ते में गोंडा में होगी। आम सालाना बैठक 11 या 12 जनवरी को दिल्ली में होगी।

स्टोक्स-आर्चर फिट हुए तो टी20 विश्व कप खेलेंगे : कोच

तारोबा। ऑललराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर का 2024 टी20 विश्व कप में खेलना तय नजर आता है। टी20 प्रारुप के लिए इंग्लैंड की टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टोक्स और आर्चर मैच विजेता खिलाड़ी हैं और इनके रहने से अंतर पैदा होगा। इसलिए फिट होने पर इन दोनो को ही टीम में जगह मिलेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उम्मीद जतायी जा रही है कि वह जून में होने वाले टी20 विश्व कप तक फिट हो जाएंगे। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से ही खेल से दूर हैं। मोट ने इन दोनो की उपलब्धता को लेकर कहा, ' स्टोक्स प्रत्येक विभाग में मैच जिताने की काबिलियत मुहैया कराने के अलावा हमें शीर्ष छह में एक तेज गेंदबाज रखने का विकल्प देते हैं जिससे आपको टीम का संतुलन बनाने के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं, इससे चयन भी आसान बन जाता है। इसलिये उन्हें शामिल करना जरुरी है। उन्होंने कहा, 'जहां तक आर्चर की बात है तो वह अपनी तेज रफ्तार से पारी में कोई भी ओवर डाल सकता है। वह सुपर ओवर डाल सकता है, इसके अलावा जरूरत के अनुसार अंतिम ओवर भी फेंक सकता है। गौरतब है कि आर्चर लगातार चोटों के कारण साल 2021 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 में सफेद गेंद के महज सात मैच खेले हैं। उन्हें अगले साल जनवरी-मार्च में भारत का दौरा करने वाली टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली है। टी20 विश्व कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में जून में खेला जायेगा। मोट के अनुसार जोस बटलर और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी के टी20 विश्व कप केलिए टीम में बने रहने की उम्मीद है।

बृजभूषण सिंह के घर लगे पोस्टर- दबदबा तो है, दबदबा तो रहेगा

नई दिल्ली। यौन शोषण के आरोपों के बाद विवादों में आए भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खासमखास संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को हराया है। यूपी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को सिर्फ सात मत मिले। शानदार जीत के बाद जहां बृजभूषण के बेटे प्रतीक भूषण सिंह ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की तो वहीं अब बृजभूषण शरण सिंह के बाहर लगे पोस्टर में लिखा है- दबदबा तो है दबदबा तो रहेगा। ये तो भगवान ने दे रखा है। संजय ने चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह देश के हजारों पहलवानों की जीत है जिन्हें पिछले सात से आठ महीनों में नुकसान उठाना पड़ा है।' अनिता का पैनल हालांकि महासचिव पद अपने नाम करने में सफल रहा जब प्रेम चंद लोचब ने दर्शन लाल को हराया। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के पूर्व सचिव लोचब ने 27-19 से जीत दर्ज की. राष्ट्रीय राजमार्ग पर 'फूड ज्वाइंट्स की चेन' चलाने वाले और प्रदर्शनकारी पहलवानों के करीबी माने जाने वाले देवेंद्र सिंह कादियान ने आईडी नानावटी को 32-15 से हराकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। संजय सिंह मूल रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के रहने वाले हैं। इस समय वो वाराणसी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। संजय सिंह बबलू पिछले डेढ़ दशक से भी ज्यादा समय से कुश्ती संघ से जुड़े हैं और बृजभूषण शरण सिंह के काफी नजदीकी माने जाते हैं। वो 2008 से ही वाराणसी कुश्ती संघ के जिला अध्यक्ष हैं। संजय सिंह बबलू का 2009 में प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष के रूप में चयन हुआ था। अनीता श्योराण को बृजभूषण शरण सिंह का विरोधी माना जाता है। वह हरियाणा के भिवानी जिले की रहने वाली हैं। अनीता ने पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में भी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ भी गवाही दी थी। अनीता कुश्ती के मैदान में भी बड़ी सफलता हासिल कर चुकी हैं, उन्होंने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। अगर अनीता श्योराण ये चुनाव जीततीं, तो वो पहली महिला पहलवान होतीं।

क्रिसमस और नए साल पर देर रात तक खुली रहेगी शराब की दुकान

मुंबई। शराब प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है. महाराष्ट्र सरकार ने क्रिसमस और नए साल पर मुंबई में होटल, बार और पब को देर रात तक खोलने की अनुमति दे दी है। सरकार ने ये इजाजत तीन दिनों के लिए दी है. इसके मुताबिक, इस महीने 24, 25 और 31 दिसंबर को शराब की खुदरा दुकानें रात 10.30 बजे से 1 बजे तक खोलने की इजाजत दी गई है. इस संबंध में एक्साइज विभाग ने सर्कुलर जारी कर दिया है. इस सर्कुलर में लिखा है कि, महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की धारा 139 (1) (सी) और धारा 143 (2) (एच 1) (आईवी) के तहत क्रिसमस एवं नव वर्ष के अवसर दिनांक 24 और 25 दिसंबर एवं दिनांक 31 दिसंबर को सरकार द्वारा विभिन्न शराब बिक्री लाइसेंस निर्धारित समय के बाद देर रात तक खुले रखने की मंजूरी दी जा रही है। क्लब अगले दिन सुबह 5 बजे तक और पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के लिए रात 1.30 बजे से सुबह 5 बजे तक। साथ ही बीयर बार को रात 12 बजे से अगले दिन सुबह 5 बजे तक जारी रखने की इजाजत दी गई है. इसके अलावा, महानगरपालिका के साथ-साथ अ, व और ब वर्ग के नगरपालिका क्षेत्र में लाइसेंसधारियों के लिए बार और वाइन की दुकानों को रात 11 बजे से रात 1 बजे तक और अन्य स्थानों पर रात 10 बजे से रात 1 बजे तक खोलने की अनुमति दी गई है।

कोविड-19 के बाद वैश्विक कर्ज में वृद्धि चिंता का विषय

नई दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 के बाद वैश्विक कर्ज में वृद्धि एक बड़ी चिंता का विषय है। यह 2022 में 92 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 92 प्रतिशत है। 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग 19 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर या वैश्विक सार्वजनिक ऋण का लगभग 20 प्रतिशत ऋण जमा हो चुका है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक ऋण साल 2028 तक 132 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के विभिन्न ऋण चक्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि कोविड के बाद ऋण के स्तर में तेजी से वृद्धि के कारण ऋण संकट में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे कम आय वाले देशों में डिफाल्ट होने का जोखिम बढ़ गया है। एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि महामारी के बाद एडवांस्ड और ईएमडीई में ऋण स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं लो इंटरेस्ट रेट का फायदा उठा रही हैं। लेकिन अब, ब्याज दरें लंबी अवधि तक ऊंची रहने के साथ, उन्हें बढ़ती ऋण सेवा लागत का दर्द महसूस होगा। रेटिंग्स एजेंसी की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा, वैश्विक ऋण में हालिया उछाल इसकी तेज वृद्धि और भारी मात्रा दोनों में उल्लेखनीय है। ऋण के स्तर में तेज वृद्धि के साथ, ऋण संकट की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। 2020 के बाद से लगभग 19 अर्थव्यवस्थाएं या तब अपने ऋण दायित्वों पर डिफॉल्ट कर चुकी हैं या उसका पुनर्गठन किया है।

आप नेता संजय सिंह को झटका, नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने राज्यसभा सांसद सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले गुरुवार को अदालत ने सिंह की जमानत अर्जी पर फैसला 22 दिसंबर के लिए तय करते हुए कार्यवाही स्थगित कर दी थी। दलीलों के दौरान, सिंह के वकील ने कथित रिश्वत के संबंध में, विशेष रूप से आरोपी से सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास की ओर इशारा किया। प्रवर्तन निदेशालय ने सिंह के आवेदन का विरोध किया और दावा किया कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो इसमें संभावित हस्तक्षेप हो सकता है। 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किए गए आप सांसद सिंह ने 2021-2022 की रद्द की गई आबकारी नीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के ईडी के दावे का खंडन किया, उन्होंने आरोप लगाया कि इसने वित्तीय लाभ के लिए विशिष्ट शराब संस्थाओं को लाभ पहुंचाया। वह किसी भी गलत काम से इनकार करते हैं। दिल्ली शराब घोटाला, या उत्पाद शुल्क नीति मामला, इन आरोपों के इर्द-गिर्द घूमता है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति ने गुटबंदी को बढ़ावा दिया, जिससे विशिष्ट डीलरों को फायदा हुआ, जिन्होंने कथित तौर पर रिश्वत दी थी। पिछले साल, ईडी ने मामले में अपना पहला आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें 200 से अधिक खोज अभियानों का खुलासा किया गया था। मुख्य सचिव की जुलाई की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा अनुशंसित सीबीआई मामले के आधार पर एफआईआर शुरू की गई थी।

फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़े गए ईरानी को दो साल की जेल

महराजगंज। महराजगंज की एक अदालत ने फर्जी पासपोर्ट पर नेपाल जाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किए ईरानी नागरिक को दो साल की की सजा दी है। एडीजीसी ने शुक्रवार को बताया कि न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को आरोपी ईरानी नागरिक 38 वर्षीय हुसैन हमीदिया को दोषी करार देते हुए दो वर्ष की सजा सुनाई है।

स्मृति ईरानी ने लगाया गांधी परिवार पर अमेठी के किसानों को लूटने का आरोप

600 रुपये में किराए पर ली 30 एकड़ जमीन,

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार पर 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी को हराने तक पूर्व पारिवारिक गढ़ रहे अमेठी में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने सिर्फ 600 रुपये में 30 एकड़ जमीन किराए पर ली। एएनआई की स्मिता प्रकाश के साथ उनके पॉडकास्ट पर बातचीत में अमेठी से भाजपा के लोकसभा सांसद ईरानी ने कहा कि गांधी परिवार ने औद्योगीकरण के नाम पर किसानों और अन्य लोगों से जमीन हथिया ली। मुझे लोगों को यह बताने में थोड़ा समय लगा कि वास्तव में मुझ पर विश्वास करें कि गांधी परिवार द्वारा लोगों से उनकी जमीनें लूटी जा रही थीं। मैंने संसद में यह कहा है।

600 रुपये में 30 एकड़ जमीन किराए पर ली गई। परिवार (गांधी) वहां अपने लिए एक अच्छा, सुंदर कॉम्प्लेक्स बनाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि जमीन का एक टुकड़ा, जिसका उपयोग अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए किया जाना था, गांधी परिवार ने एक कार्यालय के लिए हड़प लिया। ईरानी ने दावा किया कि जो लड़कियां परिवार (गांधी) के खिलाफ गईं और उनके खिलाफ धरना दिया, उन्हें जेल में डाल दिया गया। 2014 के आम चुनाव में स्मृति ईरानी उत्तर प्रदेश के अमेठी में राहुल गांधी से हार गईं। उन्होंने 2019 में गांधी से सीट छीनकर उस हार का बदला लिया। 47 वर्षीय ईरानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं।

पॉडकास्ट के दौरान, स्मृति ईरानी ने अपने प्रारंभिक जीवन पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे उन्होंने टाटा छात्रवृत्ति हासिल की। आप जो कुछ भी करते हैं उसका श्रेय पिताजी को जाता है÷ और अपनी खुद की पहचान बनाने के लिए मुंबई जाने की इच्छुक थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं सिर्फ अपनी योग्यता के आधार पर कुछ बनना चाहती थी।

2019 के मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को पटना हाईकोर्ट से राहत....मामला हुआ रद्द

चंडीगढ़। पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर 2019 के लोकसभा चुनाव में धर्म के आधार पर वोट की अपील करने के मामले में दर्ज एफआईआर को पटना हाईकोर्ट ने रद्द करने के आदेश दिए हैं। मामले की सुनवाई कर पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता सिद्धू ने तब अपने भाषण के दौरान ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआई एम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा मुस्लिम वोटों के बंटवारे के खिलाफ आगाह किया था, सिद्धू की मंशा सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की नहीं बल्कि मुस्लिम वोट के बंटवारे को रोकने की थी। सिद्ध के खिलाफ 16 अप्रैल, 2019 में आईपीसी और रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ था। निचली अदालत के फैसले को सिद्धू ने पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि सिद्ध के भाषण से ऐसा नहीं लगता है कि याचिकाकर्त्ता ने दो वर्गों के लोगों या दो धर्मों के बीच दुश्मनी या नफरत की भावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया। सिद्धू ने केवल इतना कहा कि ओवैसी मुस्लिम वोटों को विभाजित करने की कोशिश कर रहे थे। सिद्ध के बयान में किसी भी सांप्रदायिक तनाव या हिंसा का जिक्र नहीं है, बल्कि केवल मुस्लिम समुदाय को ओवैसी के इशारे पर अपने वोट विभाजित करने के बारे में आगाह किया गया है। हाईकोर्ट ने आरोप को खारिज किया कि सिद्धू ने धर्म के नाम पर वोट मांगे थे।

सदन कार्यवाही : पुलिस को दी न्यायाधीश, जूरी और एक्जिक्यूटर शक्तियां: ओवैसी

-आईपीसी की जगह तीन नए कानून पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सत्र के दौरान लोकसभा में भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लाए गए तीन नए कानूनों पर बहस चल रही है। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इन तीनों कानूनों को गुलामी की निशानी को मिटाने का प्रयास बताया। वहीं एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने इन नए कानूनों की तुलना रौलट ऐक्ट से कर दी। बहस के दौरान ओवैसी ने शायराना अंदाज में कहा, हमको शाहों की अदालत से तवक्को तो नहीं, आप कहते हैं तो जंजीर हिला देते हैं। इसके साथ ही 20 दिसंबर को लोकसभा में उन्होंने जॉन एलिया साहब का शेर -जुर्म में हम कमी करें भी तो क्यूं, तुम सज़ा भी तो कम नहीं करते, पढ़ा।

ओवैसी के अनुसार मोदी सरकार द्वारा लाए गए इन तीनों ही विधेयक में कई ऐसे प्रावधान जोड़े गए हैं जो काफी खतरनाक हैं। ये देश के आम नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा हैं। इन नए कानूनों पर ओवैसी कहते हैं कि ये विधेयक भारत के आम लोगों के खिलाफ हैं। इसमें पुलिस को न्यायाधीश, जूरी और एक्जिक्यूटर के रूप में काम करने की शक्तियां दे दी गई हैं। अगर इसे कानून की शक्ल दी जाती है तो आम लोगों से उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे।

आईपीसी में फिलहाल 511 धाराएं हैं। इसकी जगह भारतीय न्यायिक संहिता लेता है तो इसमें 356 धाराएं रह जाएंगी। पुराने कानून से नए कानून में 175 धाराएं बदल जाएंगी। भारतीय न्यायिक संहिता में 8 नई धाराएं जोड़ी जाएंगी, 22 धाराएं हटाई जाएंगी।

इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं रह जाएंगी और 160 धाराएं बदल जाएंगी। नए कानून में 9 नई धाराएं जोड़ी गई है और 9 खत्म का गई है। ओवैसी ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि देश की वर्तमान सरकार का मंत्र जनता के लिए अविश्वास और धंधे के लिए विश्वास मंत्र है। हमारे देश में आज सूट पहनने वाला व्यक्ति किसी भी सजा से बच जाता है। खाकी पहना व्यक्ति किसी को भी गोली मार सकता है उन्हें किसी तरह का जवाब भी नहीं देना होता। लेकिन, संसद में बैठे जिन लोगों पर आतंकवाद के आरोप हैं, वह इस कानून में बताएंगे कि आतंकवाद क्या है।

अपने पूरे भाषण के दौरान गुस्से में नजर आ रहे ओवैसी को जब किसी अन्य सदस्य ने टोका तो उन्होंने कहा कि वह मरने को तैयार हैं, उनकी गोलियां खत्म हो जाएंगी लेकिन वह जिंदा रहेंगे। ओवैसी ने इसी दौरान साल 1999 में उनके साथ ही पुलिस के हाथों पिटाई का भी एक किस्सा साझा किया। ओबैसी कहते हैं कि, 22 दिसंबर 1999 को पुलिस ने मुझे पीटा था उस दिन मेरे सिर पर 20 टांके लगाए गए थे।उस वक्त टीडीपी की सरकार थी और मुझे पीटने वाले दोनों पुलिसवालों को आईपीएस बना दिया गया।

गौरतलब है ?कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक का रास्ता लोकसभा में साफ हो गया। अब इन तीनों बिलों को जांच के लिए संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। इसके बाद इन्हें लोकसभा और बाद में राज्यसभा में पारित कराया जाएगा। अगर यह तीन विधेयक कानून की शक्ल लेता है तो ये बिल भारतीय दंड संहिता (आपीसी), कोड ऑफ़ क्रिमिनल प्रोसीजर और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ले लेंगे।

सीएम विष्णुदेव का मंत्रिमंडल गठित, 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

-केन्द्र की मोदी सरकार ने नए कानून के तहत किया सजा का प्रावधान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नए मंत्रिमंडल का गठन आज शुक्रवार को कर दिया गया। 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने और मुख्यमंत्री विष्णुदेव के बनने के बाद ही आज शुक्रवार को मंत्रिमंडल का गठन भी कर दिया गया। इसमें 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। मंत्रिपद की शपथ लेने वाले विधायकों में बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, केदार कश्यप, दयालदास बघेल और लखन लाल देवांगन भी शामिल हैं। बलौदाबाजार के विधायक विधायक टंकराम वर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली है। मंत्री बने टंकराम वर्मा शिक्षक की नौकरी छोड़ राजनीति में आए हैं। वहीं पहली बार की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में लक्ष्मी राजवाड़े सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री हैं।

रायगढ़ से भाजपा विधायक और पूर्व आईएएल अधिकारी ओपी चौधरी को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। प्रशासनिक कौशल में माहिर ओपी चौधरी भी पहली बार ही विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे हैं। गौरतलब है कि साल 2018 में आईएएस अधिकारी के पद से इस्तीफा देकर चौधरी ने राजनीति में कदम रखा था। वहीं विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। जायसवाल सरगुजा संभाग के मनेन्द्रगढ़ विधानसभा सीट से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। मंत्री जायसवाल भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। इसी के साथ अब 9 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री साय अपनी सरकार को चलाने के लिए तैयार दिख रहे हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हो सकते हैं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर साल की तरह इस साल भी गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां हो रही हैं। समारोह में विदेशी मेहमानों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों गणतंत्र दिवस समारोह-2024 में मुख्य अतिथि हो सकते हैं। इस वक्त भारत और फ्रांस के बीच मैक्रों के भारत दौरे के बारे में बातचीत जारी है। भारत की तरफ से फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने के लिए आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है। इसी साल 2023 में फ्रांस के बस्तील डे समारोह पर पीएम नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे।कोविड महामारी के कारण 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कोई मुख्य अतिथि नहीं बुलाया गया था। 26 जनवरी को इस कार्यक्रम में फ्रांस के किसी राष्ट्रपति को छठी बार आमंत्रित किया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को गणतंत्र दिवस के मौके पर आमंत्रित किया जाना दोनों देशों के बीच विकसित हुई मजबूत निकटता और भरोसे को दर्शाता है। भारत का गणतंत्र दिवस समारोह राजनयिक संबंधों को पेश करने और सेनाओं की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। पहले के गणतंत्र दिवस परेड की एक उल्लेखनीय विशेषता राफेल जेट्स का एयर शो रहा था। जो भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग की मिसाल को सामने लाता है।

राहुल गांधी का आरोप, बेरोजगार युवा अब संसद में घुस रहे

-आज युवा साढ़े सात घंटे मोबाइल में बिता रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर मंतर पर आयोजित इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन को संबोधित कर कांग्रेस सांसद और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, हम सब विपक्ष के नेता और विपक्ष के कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई है। नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि आज देश में बोलने की आजादी खत्म हो रही है और युवा बेरोजगार होते जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने संसद में हुई सुरक्षा चूक का मुद्दा उठाकर कहा, सवाल सिक्योरिटी ब्रीच का है, लेकिन सवाल ये भी है कि उन युवाओं ने ये प्रोटेस्ट क्यों किया? उसका कारण है बेरोजगारी, देश में भयंकर बेरोजगारी है और युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। मैंने किसी से कहा कि एक काम करो, एक छोटा सा सर्वे करो, किसी भी शहर में चले जाओ और पता करो कि हिंदुस्तान के जो युवा हैं, वहां मोबाइल पर दिन में कितना घंटा बिताते हैं। वहां भी छोटे शहर में

पता कराया, मैं हैरान रह गया कि साढ़े सात घंटे युवा एक दिन में फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, मेल पर यानि सेलफोन पर रहता है। यानि मोदी सरकार में हिंदुस्तान का युवा साढ़े सात घंटे फोन पर रहता है, क्योंकि मोदी जी ने उस युवा को रोजगार नहीं दिया। जो सिक्योरिटी ब्रीच हुआ संसद में वहां इस वजह से हुआ क्योंकि युवाओं को रोजगार नहीं मिला और वह कूदकर संसद में आ गए।

सांसदों के निलंबन का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा, कुछ दिन पहले संसद भवन में दो-तीन युवा कूदकर अंदर आ गए। उन्हें कूदते हुए हम सभी ने देखा। वे अंदर आए, उन्होंने थोड़ा धुआं फैलाया, भाजपा के सभी सांसद भाग गए... जो अपने आप को देश भक्त कहते हैं उनकी हवा निकल गई थी.. वे अंदर कैसे आए? संसद के अंदर वे गैस का सिलेंडर ले आए?... उन्होंने ये विरोध क्यों किया? उसका कारण क्या था? बेरोजगारी!... इस देश का युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। अमित शाह से सवाल से पूछा कि आप गृह मंत्री हैं ये दो युवा संसद में कैसे आ गए?, तब उन्होंने जवाब नहीं दिया बल्कि 150 सांसदों को बाहर कर दिया।

राहुल ने कहा, हर सांसद लाखों वोट लेकर आता है। आपने केवल 150 लोगों का अपमान हीं किया बल्कि हिंदुस्तान की 60 फीसदी जनता का मुंह बंद किया। आप अग्निवीर योजना लाए और युवाओं से आपने देशभक्ति की फीलिंग छीनी। जब युवा अग्निवीर के खिलाफ खड़े हुए, तब आपने उनसे कह दिया कि आप प्रदर्शन करते हैं, तब आपको सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। अपने भाषण के अंत में राहुल गांधी ने कहा, हम सब विपक्ष के नेता और कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच में है। जैसे मैंने कहा कि नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जितना आप लोगों को डराएंगे उतना इंडिया एलाएंस भाईचारा फैलाएगा, एकता फैलाएगा।

महाराष्ट्र में बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा दुर्व्यवहार, आंकड़ों से हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध और महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि हुई है। दरअसल ये चौंकाने वाली जानकारी रिपोर्ट से सामने आई है. इसके अलावा हाल ही में जारी हुई नेशनल क्राइम रजिस्टर की रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ है कि महाराष्ट्र में भी अपराध बढ़ा है. विश्लेषण से पता चला है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में बच्चों के खिलाफ अपराधों में भारी वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देशभर में बच्चों के खिलाफ अपराध में काफी बढ़ोतरी हुई है. देशभर में बच्चों को लेकर 1 लाख 62 हजार अपराध दर्ज किए गए हैं. लड़के-लड़कियों के खिलाफ अपराध में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. चौंकाने वाली बात यह है कि इन अपराधों में देश में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है. यह सनसनीखेज जानकारी नेशनल क्राइम रजिस्टर की रिपोर्ट से सामने आई है. इसमें बताया गया है कि देश में नाबालिग लड़के-लड़कियों के खिलाफ अपराध में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नाबालिगों के खिलाफ दुर्व्यवहार के मामलों में भी महाराष्ट्र में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है। देशभर में नाबालिगों पर अत्याचार के 1 लाख 62 हजार 449 मामले दर्ज किए गए हैं. नाबालिगों के खिलाफ यौन शोषण और अन्य दुर्व्यवहारों के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। महाराष्ट्र में 20 हजार 762 मामले दर्ज किए गए हैं. दूसरे स्थान पर मौजूद मध्य प्रदेश में 20 हजार 415 अपराध दर्ज किये गये हैं. उत्तर प्रदेश में 18,682 मामले, राजस्थान में 9370 मामले और पांचवें स्थान पर ओडिशा में 8 हजार 240 मामले हैं। उत्तर प्रदेश में नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ के सबसे ज्यादा 999 मामले हैं, जबकि केरल राज्य में नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ के 930 मामले हैं। तेलंगाना में 113 लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया गया. महाराष्ट्र में नाबालिग लड़की से रेप के बाद हत्या की 14 घटनाएं हो चुकी हैं. ऐसे अपराधों में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में 37 नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

मुंबई में भी अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी

इस बीच आम तौर पर सुरक्षित मानी जाने वाली मुंबई में भी अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पंजीकृत अपराधों की संख्या के मामले में मुंबई दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल देश में कुल 58 लाख 24 हजार 946 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें

आईपीसी के तहत 35 लाख 61 हजार 379 अपराध और राज्य के विशेष कानूनों के तहत 22 लाख 63 हजार 364 अपराध शामिल हैं. हालांकि, 2021 की तुलना में 2022 में अपराध 4.5 फीसदी बढ़ गए हैं. इसमें पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहले, महाराष्ट्र दूसरे और मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर है।

अमेरिका में भारतियों को निशाना बना रहे चोर....पुलिस की चेतावनी

-भारतीय-अमेरिकियों के घरों में हो रही चोरियां

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राज्य वाशिंगटन के बोथेल शहर में भारतीय-अमेरिकियों को निशाना बनाकर चोरियों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बाद पुलिस ने लोगों को चेतावनी जारी की है। रिपोर्टों में कहा गया है कि चोरियां स्नोहोमिश काउंटी में 35वें एवेन्यू साउथईस्ट के साथ 180वीं स्ट्रीट साउथईस्ट और 228वीं स्ट्रीट साउथईस्ट में हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्नोहोमिश काउंटी शेरिफ कार्यालय (एससीएसओ) ने तीन संदिग्धों की तस्वीरें जारी कीं और उनकी पहचान करने में सार्वजनिक सहायता मांगी। कुछ महीने पहले ही इस क्षेत्र में आई अनु ने बताया, जब हम यहां आए थे, मुझे ऐसा लगता था कि यह बहुत सुरक्षित जगह है, लेकिन अभी ऐसा नहीं लगाता। उनके पति राम ने कहा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए पेपर स्प्रे और सिक्योरिटी कैमरे खरीदने पर हजारों डॉलर खर्च किए हैं। राम ने बताया, हमारे पास एक डॉग है, लेकिन मैं खुद को सुरक्षित महसूस करने के लिए एक गार्ड डॉग लेने के बारे में सोच रहा हूं। हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष रोहित पाटिल ने बताया, मुझे हैरानी नहीं होगी अगर (चोरी के क्षेत्र में) 50 प्रतिशत से अधिक निवासी भारतीय मूल के हैं। पाटिल के अनुसार, चोर आभूषण और अन्य कीमती सामान चुरा कर ले जाते हैं। अधिकारियों ने निवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने कीमती सामान का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि सभी खिड़कियां, स्लाइडिंग दरवाजे और एक्सेस प्वाइंट बंद हो।

ट्रांसजेंडर पति 6 माह का प्रेग्नेंट....बीबी कर रही उसकी देखभाल

लंदन। मर्दों के प्रेग्नेंट होने की घटनाएं कई बार सामने आई हैं। लेकिन ये मामला कुछ अजीब है। दो दोस्त कॉलेज में मिले। धीरे-धीरे प्यार हो गया। एक बेटी भी हुई, जो अब 4 साल की है। बाद में पता चला कि पति ट्रांसजेंडर है। पति को महिलाओं की तरह रहना पसंद है। उसका शरीर भी महिलाओं की तरह है। फिर लगा कि रिश्ता टूट जाएगा। लेकिन बीवी ने सबकुछ संभाला और अब पति 6 महीने से प्रेग्नेंट है। बच्चे को जन्म देने वाला है और बीवी उसकी देखभाल कर रही है। ब्रिटेन के रहने वाले क्रिस्टिन कुक और पत्नी एशले हाल ही में एक यूट्यूब शो में नजर आए। जहां उन्होंने अपनी कहानी बयां की। क्रिस्टिन दिखने में पुरुष थे, लेकिन प्रजनन अंगों के साथ पैदा

हुए. एशले से उनकी मुलाकात 2010 में हुई और अंतत: दोनों में प्यार हो गया। क्रिस्टिन ने कहा, जब मैं पहली बार एशले से मिला था तभी मैंने बता दिया था कि मेरी पहचान महिला है। जब मैं 8 साल का था तभी मुझे लगता था कि भगवान ने कुछ गड़बड़ कर दी है और मुझे लड़की के बजाय लड़के का दिमाग दे दिया। एशले से पूछा गया कि उन्हें जब पता चला कि क्रिस्टीन ट्रांसजेंडर हैं, तब कैसा लगा? एशले ने बताया कि मुझे शुरुआत में काफी अजीब लगा। लेकिन अब हम इससे उबर गए हैं। मुझे खुशी है कि क्रिस्टीन हमारे दूसरे बच्चे को जन्म देने जा रही है। एशले ने कहा, जब मेरी पहली बेटी स्कार्लेट पैदा हुई थी, तभी मैंने सोच लिया था कि एक और बच्चा होना चाहिए। इस लेकर हम दोनों के बीच कभी विवाद नहीं रहा कि कौन पैदा करेगा। जब क्रिस्टीन ने कहा कि मैं अगले बच्चे को जन्म देना चाहती हूं क्योंकि तुमने एक बच्चे को जन्म दिया है, तब मैं खुश हो गई. यह कितना सुंदर फैसला था। मैं इस पल का इंतजार कर रही थी। क्रिस्टीन खुद को 'सीहॉर्सडैड' बताते हैं। यह शब्द उन ट्रांसजेंडर पुरुषों के लिए इस्तेमाल होता है, जो अपने बच्चों को नर समुद्री घोड़े की तरह ही पालते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि लोगों की सोच बदल रही है। मुझे शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। कई लोगों ने मेरी आलोचना भी की। लेकिन जब मैंने सोशल मीडिया पर अपनी कहानी शेयर करनी शुरू की तब बहुत तारीफें भी मिलीं।

20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत : स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा । हमास शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है। यह संख्या दिखाती है कि लोगों को युद्ध का कितना खमियाजा उठाना पड़ रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने लड़ाई में 20,057 लोगों की मौत दर्ज की है। इसमें लड़ाकों और नागरिकों की मौत के आंकड़े अलग-अलग नहीं हैं। उसने पहले बताया था कि तकरीबन दो तिहाई मृतकों में महिलाएं या नाबालिग शामिल हैं।

जापान में भूकंप के झटके

टोक्यो । जापान में होंशू के पूर्वी तट के पास भूकंप के झटके महसूस हुए है। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियो साइंसेज ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र, 40.14 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.00 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10.0 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था।

अमेरिका मना सकता है इजरायल को गाजा में गोलीबारी बंद करने के लिए, वियना में फिलिस्तीनी राजदूत ने कहा

गाजा । अमेरिका इजरायल को गाजा में गोलीबारी बंद करने के लिए राजी कर सकता है। वियना में फिलिस्तीनी राजदूत सलाह अब्देल-शफी ने इसकी जानकारी दी है। अब्देल-शफी ने कहा हम जानते हैं कि यदि अमेरिका चाहे कि इजरायल रुकें, तब वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन अमेरिका उन्हें रोकने के बजाय, उनका समर्थन करते हैं। उल्लेखनीय है कि गत सात अक्टूबर को, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने सीमा पार गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट से हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए और गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। गाजा में इजरायली हमलों में 20,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। हमास ने अभी भी सौ से अधिक लोगों को बंधक बना रखा है।

खतरनाक मोड़ पर पहुंची जंग, हमास ने इजराइल से कहा नहीं छोड़ेंगे बंधक

गाजा, । हाल ही में इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने कहा था कि वे दूसरे युद्धविराम के लिए तैयार हैं। इसको लेकर बातचीत चल रही है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मानवीय युद्धविराम के मूड में थे, ताकि और भी बंधकों की रिहाई हो सके। लेकिन हमास ने बंधकों की रिहाई नहीं करने का फैसला करके इजराइल की चिंता बढ़ा दी है। उसने बंधकों के रूप में मानो इजराइल की नब्ज पकड़ ली है। ऐलान कर दिया है कि जब तक युद्ध खत्म नहीं होगा तब तक बंधकों की रिहाई नहीं होगी। 75 दिनों की जंग में एक बार सात दिनों का युद्धविराम हुआ है, जब 105 बंधकों की रिहाई की गई थी। इसके बाद से हमास के कमोबेश 2000 लड़ाके मारे गए हैं, लेकिन और हालिया ऐलान से माना जाता है कि हमास अपना और नुकसान नहीं चाहता। इजराइल की तरफ से पिछले कुछ दिनों से बंधकों की रिहाई का मुद्दा उठाया जा रहा था।

7 अक्टूबर के हमले में हमास के लड़ाकों ने इजराइल से कमोबेश 240 लोगों को पकड़ लिया था और उन्हें गाजा ले गए थे। 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक सात दिनों का युद्धविराम हुआ और इस दरमियान 25 थाई समेत विदेशी नागरिक और 80 इजराइली नागरिक रिहा किए गए। बताया जाता है कि अब भी 120 बंधक हमास की कैद में हैं। हमास ने ऐलान किया है, फिलिस्तीनियों का फैसला है कि जब तक इजराइल युद्ध को पूरी तरह से खत्म करने के लिए राजी नहीं होता, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। युद्धविराम को लेकर यूनाइटेड नेशन में प्रस्ताव पेंडिंग है और आज इस पर वोटिंग होनी है। अमेरिका के वीटो की वजह से प्रस्ताव पास होना मुश्किल है। अब तक चार मौकों पर अमेरिका ने प्रस्ताव को वीटो किया है, जिससे माना जा रहा है कि अमेरिका अभी युद्ध खत्म कराने के मूड में नहीं है। संभावित युद्धविराम को लेकर मिस्र के काहिरा में बैठकें चल रही थी। बुधवार को इस मामले पर एक मीटिंग हुई थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हुआ।

मिस्र के काहिरा में क्रिसमस की सजावट के साथ तैयार एक बाजार।

बीजिंग ताइवान को फिर से अपने मेनलैंड के साथ जोड़ेगा : शी जिनपिंग

-चीने ने अमेरिका को दी सैन फांसिस्को में शिखर सम्मेलन के दैरान चेतावनी

सैन फ्रांसिस्को । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को चेताया है कि अब बीजिंग ताइवान को फिर से अपने मेनलैंड के साथ जोड़ लेगा। हालांकि शी जिनपिंग ने अभी इसकी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। यह चेतावनी शी जिनपिंग ने सैन फ्रांसिस्को में अपने हालिया शिखर सम्मेलन के दौरान दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक दर्जन अमेरिकी और चीनी अधिकारियों की एक ग्रुप मीटिंग में, शी ने जो बाइडन से कहा कि चीन की प्राथमिकता है कि वो ताइवान को शांति से ले ले, बल से नहीं। यह जानकारी मीटिंग में शामिल अधिकारियों ने दी। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी सैन्य नेताओं की सार्वजनिक भविष्यवाणियों का भी हवाला दिया, जो कहते थे कि शी जिनपिंग 2025 या 2027 में ताइवान को लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बाइडन को बताया कि वे गलत थे क्योंकि उन्होंने कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। बैठक के बारे में जानकारी देने वाले अधिकारी के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने शिखर सम्मेलन से पहले यह भी कहा कि जो बाइडन मीटिंग के बाद एक सार्वजनिक बयान दें और कहें कि अमेरिका ताइवान के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण के चीन के लक्ष्य का समर्थन करता है। वह ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने चीन के अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया है। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ये खुलासे दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण बैठक के बारे तनाव कम के लिए भी किए गए हैं।

नेतन्याहू ने हमास को दिया अल्टीमेटम कहा सरेंडर नहीं किया तो मारे जाओगे

तेलअवीव(एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच लगभग तीन महीने से जंग चल रही है। हजारों लोगों की जान चली गई है लेकिन युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। वहीं हमास भी इजरायल के सामने निरंतर चुनौतियां खड़ी कर रहा है। ऐसे में इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का गुस्सा भी सातवे आसमान पर पहुंच गया है। उन्होंने हमास को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि हमास को जल्द से जल्द सरेंडर कर देना चाहिए। यदि ऐसा नही होता है तो उन्हे मरने के लिए भी तैयार होना चाहिए। एक रिपोर्ट में कहा है कि इजराइल ने गाजा में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करने की हमास की मांग को खारिज कर दिया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध को लेकर अपने पुराने स्टैंड को ही दोहराया है। उन्होंने कहा है कि जब तक हमास को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया जाता और बंधकों को सुरक्षित और स्वस्थ रिहा नहीं किया जाता तब तक लड़ाई बिल्कुल भी नहीं रुकेगी।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास को एक सरल विकल्प दिया गया था- या तो वे आत्मसमर्पण कर दे, या मर जाए। उनके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है।गाजा पर जमीनी हमले में अब तक कम से कम 134 इजरायली सैनिक मारे गये हैं और लगभग 740 घायल हुये हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली सेना के

हवाला से यह जानकारी दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा की लड़ाई में तीन और इजरायली सैनिकों के मारे गये हैं जिनमें बटालियन 931 में एक 19 वर्षीय सार्जेंट और 20 और 21 साल के दो लेफ्टिनेंट शामिल हैं।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह आंदोलन के एक ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया है। आईडीएफ ने बुधवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने लेबनान में हिजबुल्ला के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया। आईडीएफ ने कहा कि उसके सैनिकों ने मेतुला क्षेत्र में सीमा के पास लेबनान से सुरक्षा बाड़ के पास आने वाले कई आतंकवादियों की पहचान की। आईडीएफ सैनिकों ने उन पर गोलियां चलाईं। आपको बता दें कि इसी साल सात अक्टूबर को हमास ने सीमा पार गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया, जिसमें 1,200 से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य को बंधक बना लिया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किया, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास के लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी एन्क्लेव में जमीनी घुसपैठ शुरू की। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि इस संघर्ष में अबतक गाजा में 20,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

गाजा में 10 सप्ताह से अधिक समय पहले युद्ध शुरू होने के बाद से क्षेत्र में पर्याप्त खाद्य पदार्थों के नहीं पहुंचने के कारण पांच लाख से अधिक लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। विश्व खाद्य कार्यक्रम के मुख्य अर्थशास्त्री आरिफ हुसैन ने कहा, यह ऐसी स्थिति है जहां गाजा में लगभग हर कोई भुखमरी का सामना कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इजरायल और हमास के बीच युद्ध इसी स्तर पर जारी रहा तो अगले छह महीनों के भीतर भुखमरी की भयंकर स्थिति बन जाएगी।

शिक्षा की इजाजत पर, महिलाएं और लड़कियां एक साथ नहीं पढ़ सकतीं : तालिबान

काबुल (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को पढ़ाई करने की अनुमति दे दी है। लेकिन इसमें एक शर्त भी लगा दी है। फरमान ये है कि जिस मदरसे में लड़कियां तालीम ले रहीं है उसमें महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस आशय की जानकारी शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मंसूर अहमद ने एक न्यूज एजेंसी से चर्चा करते हुए दी।अहमद ने कहा है कि मदरसे में पढ़ने के लिए एक शर्त है और वह ये कि लड़कियों को अपनी उम्र के ही मदरसे में तालीम के लिए जाना होगा। कहने का अर्थ ये है कि बड़ी उम्र की महिलाएं, छोटी लड़कियों के मदरसे में पढ़ाई के लिए नहीं जा सकतीं। मंसूर अहमद, तालिबानी सरकार के अधिकारी ने पर यह नहीं बताया कि मदरसा जाने वाली लड़कियों की तादाद कितनी है। ऐसे में जब तक कोई अंतर राष्ट्रीय संस्था इस दावे को तथ्य और सबूत के साथ वेरिफाई न कर दे, तालिबानी अधिकारी की बात को दावा ही समझना चाहिए।

दरअसल अफगानिस्तान दुनिया का अकेला ऐसा देश है जहां महिलाओं की शिक्षा पर रोक है। एक साल पहले अफगानिस्तान की सरकार ने यह कह कर महिलाओं की पढ़ाई पर पाबंदी लगा दी थी कि इससे समाज का तानाबाना बिगड़ रहा है। साथ ही तालिबान का कहना था कि कुछ विषय ऐसे हैं जिनसे इस्लाम की शिक्षाओं का अनादर हो रहा है। अफगानिस्तान में कुल तकरीबन 20 हजार मदरसा हैं। इनमें से लगभग 13 हजार 500 मदरसे ऐसे हैं जो अफगानिस्तान की सरकार के नियंत्रण में हैं। साल 2021 के अगस्त महीने में अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के आने के बाद से देश में महिलाओं पर पहरे हैं। न सिर्फ उन्हें परदे में रहना पड़ रहा है बल्कि वह इस संकट में हैं कि वह अपनी समस्याओं को किस से बयान करें। जो सबसे बड़ी अड़चन इस में फिलहाल है, वह महिलाओं की शिक्षा को लेकर है।

पाकिस्तान चुनाव 2024 के लिए इमरान खान ने दाखिल किया नामांकन, मियांवाली सीट से लड़ेंगे चुनाव

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। इमरान खान ने अपने गृहनगर मियांवाली में नेशनल असेंबली सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। यह तब आया है जब पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को राज्य के रहस्यों को लीक करने से संबंधित एक मामले में जमानत दे दी है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि भ्रष्टाचार के आरोप में तीन साल की सजा काटने के दौरान उन्हें कैसे रिहा किया जा सकता है। अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से इमरान खान कई राजनीतिक और कानूनी लड़ाइयों में उलझे हुए हैं।

अदालत ने कहा कि उन्हें यह दिखाने के लिए पर्याप्त आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली कि इमरान खान ने एक विदेशी शक्ति को लाभ पहुंचाने के इरादे से राज्य के रहस्यों को लीक किया। आदेश में कहा गया है कि चुनाव की अवधि के दौरान इमरान खान की जमानत पर रिहाई वास्तविक चुनाव सुनिश्चित करेगी और इस प्रकार लोगों को प्रभावी ढंग से और सार्थक रूप से अपनी इच्छा व्यक्त करने के अधिकार का उपयोग करने में सक्षम बनाएगी। जमानत की रियायत को अस्वीकार करने के लिए कोई असाधारण परिस्थितियां नहीं हैं।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों से लोहा लेने अमेरिका ने बनाया प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों के बाद प्रमुख शिपिंग कंपनियां और तेल उत्पादक लाल सागर से दूर जा रहे हैं। बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य, लाल सागर का एक प्रमुख मार्ग है, जहां ईरान-गठबंधन हौथिस ने गाजा में इजराइल की कार्रवाई के प्रतिशोध में जहाजों को निशाना बनाया है। इस व्यवधान ने वैश्विक व्यापार को उथल-पुथल में डाल दिया है, आपूर्ति श्रृंखलाओं को खतरे में डाल दिया है, कीमतें बढ़ गई हैं और महत्वपूर्ण डिलीवरी में देरी हो रही है।

शिपिंग दिग्गज मार्सक और हापाग-लॉयड के बाद, तेल और गैस हेवीवेट ब्रिटिश पेट्रोलियम (बीपी) अपने चालक दल के लिए सुरक्षा उपाय के रूप में सभी लाल सागर पारगमन को रोकने के लिए नवीनतम बन गया, जिससे तेल और प्राकृतिक गैस का परिवहन प्रभावित हुआ। यह एहतियाती कदम बढ़ते तनाव और कंटेनर जहाजों और तेल टैंकरों पर हमलों की पुष्टि के बीच उठाया गया है। इसका असर ऊर्जा बाजारों पर महसूस हो रहा है, इन हमलों पर चिंताओं के कारण तेल और यूरोपीय प्राकृतिक गैस दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

वैश्विक व्यापार के लगभग 12 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार स्वेज नहर को जहाज मार्ग में कमी का

सामना करना पड़ रहा है। एशिया-यूरोप व्यापार के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग अब आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यापक व्यवधान पैदा करने का जोखिम उठा रहा है।

हौथिस ने इजराइल जाने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी, जिससे अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस की नौसेना बलों को दुष्ट ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। बढ़ते खतरे के जवाब में, पेंटागन ने घोषणा की है कि लाल सागर में वाणिज्यिक यातायात की सुरक्षा के लिए 20 से अधिक देश अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन, ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन में शामिल हो गए हैं। इस पहल में हौथी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए संयुक्त गश्त और सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएंगे।

अमेरिका में अवैध तरीके घुसपैठ करने के मामले में भारतीय तीसरे नंबर पर

-पिछले 10 साल में यहां संख्या 100 गुना बढ़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से घुसपैठ के मामले बढ़ते जा रहे हैं। वैसे मैक्सिको, ग्वाटेमाला, होंडुरास और इक्वाडोर के लोग अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हैं। लेकिन इस सूची में भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। पहले ये संख्या काफी कम थी लेकिन अब नए आंकड़ों से पता चला है कि भारत से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी अमेरिका का रुख कर रहे हैं। इतना ही नहीं अवैध घुसपैठ के लिए मैक्सिको सीमा का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2012 से 2022 के बीच मैक्सिको के द्वारा अमेरिका में घुसने वाले भारतीयों की संख्या में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है। साल 2012 में अमेरिका की कस्टम और बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने 642 इसतरह के मामले दर्ज किए थे।

जबकि साल 2022 में ये संख्या बढ़कर 63,927 हो गई। वहीं, थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनॉमी के मुताबिक, अमेरिका में अवैध रूप से घुसने में भारतीय तीसरे नंबर पर हैं। अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार बीते साल अक्टूबर से लेकर इस साल सितंबर तक शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान भारत से लगभग 42,000 प्रवासियों ने दक्षिणी और मैक्सिको सीमा के जरिए अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया है। मैक्सिको सीमा के जरिए भारतीयों के आगमन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 2 युवतियों सहित 12 लोगों से सीमा पर अधिकारी द्वारा अंग्रेजी भाषा में सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। इनमें कुछ युवक पंजाबी भी हैं। अमेरिका में अवैध रूप से घुसने वाले करीब 97 हजार भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। ये आंकड़ा एक साल यानि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 का है। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन डेटा के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए 96,917 भारतीयों में से 41,770 भारतीय यूएस-मैक्सिको बॉर्डर पार करते समय गिरफ्तार हुए जबकि 30,010 भारतीय यूएस-कनाडा बॉर्डर पर कड़े गए। पिछले एक साल में लगभग 45,000 भारतीयों ने अवैध रूप से अमेरिका की दक्षिणी सीमा पार की है। इन भारतीयों को अपने देश में डर महसूस होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में राजनीतिक और धार्मिक उत्पीड़न के कारण अमेरिका आने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ी है। अपने देश में आर्थिक अवसरों यानी नौकरी की कमी भी एक बड़ी वजह है।

अमेरिकन ड्रीम के चक्कर में भारतीय अपनी जान भी जोखिम डाल रहे हैं। पिछले साल 21 जनवरी को अमेरिका से 30 मील पहले कनाडा

में एक गुजराती परिवार के चार लोगों के शव बर्फ में दबे मिले थे। यह परिवार अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल होना चाहता था और बर्फीले तूफान की जद में आ गया। इसी तरह, पिछले साल जून में अमेरिकी सीमा पर पेट्रोलिंग टीम ने डूबती हुई बोट से 6 भारतीयों को बचाया। इन पर गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में घुसने का केस दर्ज किया गया था। थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनॉमी के मुताबिक, यूएस एक करोड़ गैरकानूनी प्रवासी रहते हैं। इनमें 6 लाख से ज्यादा भारतीय हैं।

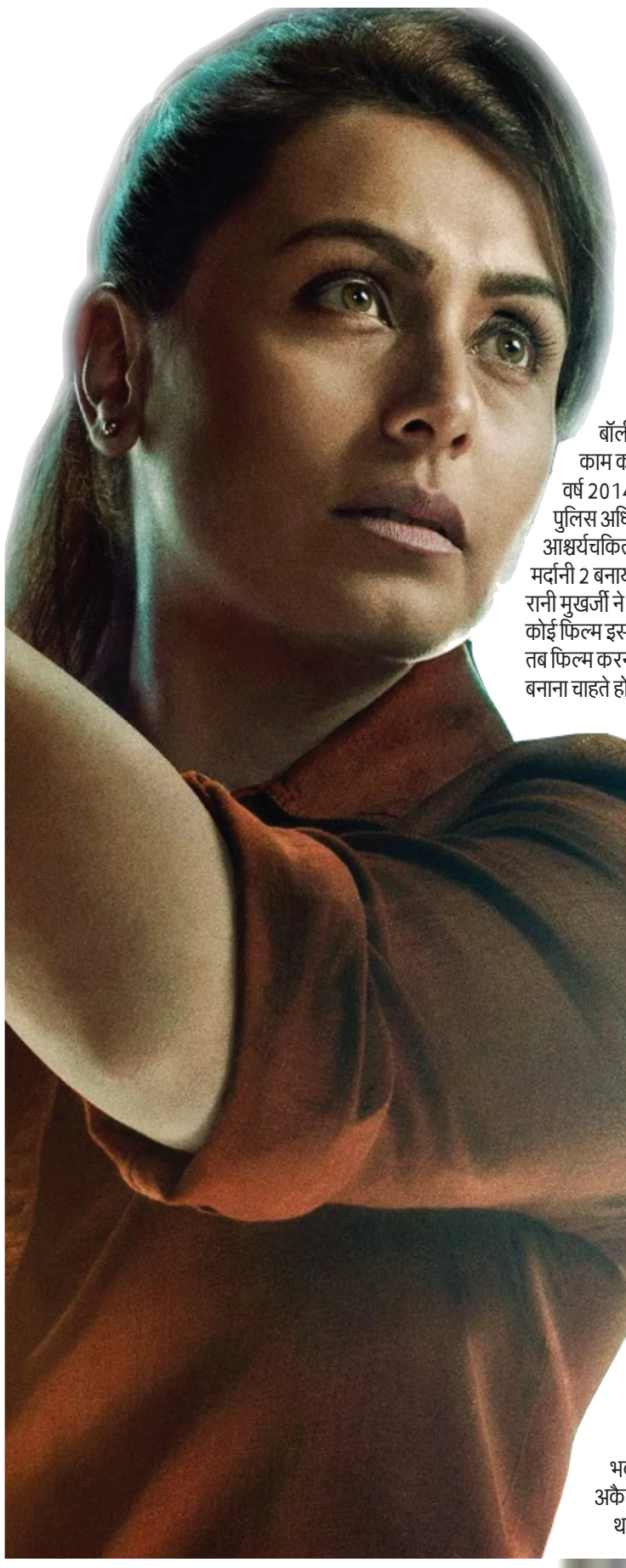

मर्दानी 3 में काम करेंगी रानी मुखर्जी!

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी फिल्म मर्दानी में काम करती नजर आ सकती है। रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी वर्ष 2014 में प्रदर्शित हुयी। रानी मुखर्जी ने मर्दानी में एक सशक्त पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका निभाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया था। मर्दानी की सफलता के बाद वर्ष 2019 में मर्दानी 2 बनायी गयी। चर्चा है कि अब मर्दानी 3 बनायी जा रही है।

रानी मुखर्जी ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा मानती हूं कि हम कोई फिल्म इसलिए नहीं करना चाहते, क्योंकि वह अच्छी लगती है। हमें तब फिल्म करनी चाहिए जब स्क्रिप्ट अच्छी हो और जब हम ऐसी फिल्म बनाना चाहते हों जो बदलाव ला रही हो। यदि कहानी में वह दम नहीं है तो हम मर्दानी 3 नहीं बना सकते हैं। यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे लोग आज जुड़ें, लड़कियों को यह सशक्त लगे। तभी हम मर्दानी 3 बना सकते हैं। इसे सिर्फ इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि, यह रोमांचक लगता है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि मर्दानी फ्रेंचाइज की फिल्म केवल दर्शकों के प्यार की वजह से आगे बढ़ रही है, क्योंकि महिला प्रधान फ्रेंचाइज फिल्म का चलना बहुत कठिन होता है। इसे आगे बढ़ाने के लिए दर्शकों का प्यार चाहिए। जहां तक मर्दानी 3 की बात है, तो मैं खुद वापस आना चाहती हूं। हर फिल्म को एक अच्छी कहानी की तलाश होती है। मर्दानी 3 फिल्म भी ऐसी है, जिसे बनाया जाना चाहिए। लेकिन बिना अच्छी स्क्रिप्ट के इसका तीसरा पार्ट बनाने का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में हम अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं। जैसी ही हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलेगी, हम मर्दानी 3 पर तुरंत काम शुरू कर देंगे।फ्रेंचाइज फिल्म हो या फिर दूसरी कोई नई फिल्म, हर फिल्म में आपका नाम जुड़ा होता है, आप उसमें होते हैं, तो आपसे दर्शकों की एक उम्मीद जुड़ जाती है। उन उम्मीदों पर आपको खरा उतरना होता है। कलाकार की जिम्मेदारी हर फिल्म की ओर बनती है।

प्रभास स्टारर फिल्म 'सालार' का होगा राउण्ड द क्लाक प्रदर्शन

शाहरुख खान की 'डंकी' को भारी टक्कर देने के लिए 22 दिसंबर को थिएटर में रिलीज होने वाली प्रभास स्टारर फिल्म 'सालार' को लेकर फैंस उत्सुक हैं। ये फिल्म हिंदी समेत तमिल, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगू भाषा में रिलीज होने वाली है। फिल्म ने एडवांस बुकिंग से ही 23 करोड़ से अधिक का बिजनेस कर लिया है। तेलंगाना में फिल्म का अलग क्रेज देखने को मिल रहा है, जिसके बाद वहां की सरकार ने 'सालार' के देर रात और तड़के सुबह के शो रखने की इजाजत दे दी है।

तेलंगाना में प्रभास की 'सालार' के शो सुबह 4 बजे शुरू होंगे और आखिरी शो देर रात 1 बजे का होगा। इसके साथ ही राज्य सरकार ने फिल्ममेकर्स को इसकी टिकट फीस बढ़ाने को भी कहा है।

सूत्रों के मुताबिक तेलंगाना सरकार ने एक बयान जारी किया है। जिसमें सरकार की ओर से कहा गया है, सरकार ने मामले की सावधानीपूर्वक जांच के बाद, तेलंगाना राज्य में 'सालार' फिल्म के लिए 22 ?दिसंबर 2023 को सुबह 4 बजे छठे शो की अनुमति दी और सिंगल स्क्रीन और मल्टीप्लेक्स के लिए दरों में 65 रुपये और 100 रुपये की बढ़ोतरी की अनुमति दी। 'डंकी' और 'सालार' की टक्कर केवल बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, एडवांस बुकिंग के मामले में भी रही। 'डंकी' ने 1,44,830 टिकट बेचकर 4.46 करोड़ कमाये और 'सालार' के 1,54,705 टिकट बिके और फिल्म ने 3.58 का कलेक्शन किया। शाहरुख खान की फिल्म की तुलना में प्रभास स्टारर ने 8,875 ज्यादा टिकट बेचे हैं, लेकिन टिकट सस्ते होने के कारण फिल्म का एडवांस कलेक्शन 'डंकी' से कम है।

अवॉर्ड्स के मंच पर ऋतिक का दिखेगा जलवा

इंडियन टेलीविज़न अकैडमी अवॉर्ड्स (आईटीए) कलाकारों की अलग-अलग कलाकारी और मनोरंजन उपलब्धियों को सम्मान देते हैं। इंडियन टेलीविज़न अकैडमी अवॉर्ड्स इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख और प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक हैं। यहां इस साल टेलीविजन, ओटीटी और फिल्म प्लेटफार्मों पर निर्मित बेस्ट काम को सम्मानित किया जाएगा। राठौड़, सायली सालुंखे, विशाल आदित्य सिंह, शालीन भनोट, भाविका शर्मा, शक्ति अरोड़ा, विजयेंद्र कुमेरिया, हिमांशी पाराशर, सायली सालुंखे, नवनीत मलिक, खुशी दुबे के साथ कई बॉलीवुड स्टार्स जिनमें ऋतिक रोशन, रानी मुखर्जी, भूमि पेडनेकर, विजय वर्मा, शोभिता धूलिपाला और कई अन्य हस्तियां स्पॉट हुई। 23वां भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार स्टार प्लस पर प्रसारित होने के लिए तैयार है, इसकी भव्यता देखने के लिए तैयार हो जाइए। बता दें कि तेइसवें इंडियन टेलीविज़न अकैडमी अवॉर्ड्स का रेड कार्पेट 10 दिसंबर, 2023 को आयोजित किया गया था। इसके रेड कार्पेट पर मनोरंजन जगत के सितारों की महफिल सजी थी।

हैली बीबर का जबर्दस्त है बोल्ड लुक

एक्ट्रेस की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जो इस समय चर्चा में हैं। दरअसल, ये तस्वीरें उस समय क्लिक की गईं जब हैली वेस्ट हॉलीवुड में बोट्टेगा वेनेटा में क्रिसमस की शापिंग के लिए निकलीं थीं। इन तस्वीरों में हैली का बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो हैली लाइट ब्राउन स्वैटर और ब्लैक मिनी स्कर्ट में हॉट लग रही हैं। मिनी स्कर्ट में हैली अपनी टोन्ड लेग्स फ्लान्ट कर रही हैं। हैली ने ब्लैक कैप, शेड्स से अपने लुक को पूरा किया । फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो हैली बीबर को आखिरी बार टीवी सीरीज डेव में देखा गया था, जिसमें उनके किरदार को खूब पसंद किया गया था। बता दें कि हॉलीवुड मॉडल एंड एक्ट्रेस हैली बीबर अक्सर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों के चलते चर्चा में रहते हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

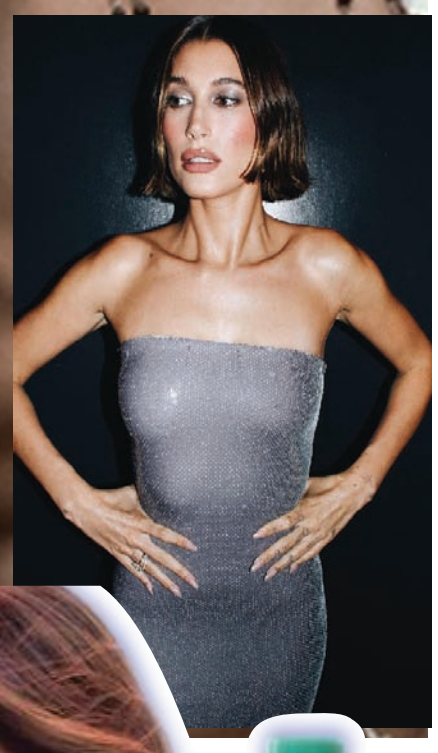

श्रीमद रामायण में 'हनुमान' की भूमिका निभाकर गौरान्वित हैं निर्भय वाधवा

जानेमाने अभिनेता निर्भय वाधवा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले सीरियल श्रीमद रामायण में 'महाबली हनुमान 'की भूमिका निभाकर गौरान्वित हैं।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए लेकर 'श्रीमद रामायण' लेकर आ रहा है, जिसका प्रीमियर 01 जनवरी, 2024 को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 09 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। सीरियल' संकट मोचन महाबली हनुमान' समेत कई सीरियल में हनुमान की भूमिका निभा चुके निर्भय वाधवा एक बार फिर 'श्रीमद रामायण' में हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं।

निर्भय वाधवा ने कहा,मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे महाबली हनुमान की भूमिका फिर निभाने का मौका मिला है। भगवान हनुमान के साथ मेरा दिव्य संबंध है, और मैं इस जीवन से भी बड़ी भूमिका को फिर से निभाने का अवसर पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। महाबली हनुमान, भगवान राम के सबसे महान भक्त हैं और यह भक्ति उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं सोनी टीवी और स्वास्तिक प्रोडक्शन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे 'श्रीमद रामायण' में महाबली हनुमान का किरदार निभाने का अवसर दिया। मैं विशेष तौर पर इसके लिये स्वस्तिक प्रोडक्शंस के संस्थापक और श्रीमद रामायण के निर्माता सिद्धार्थ कुमार तिवारी को आभार प्रकट करना चाहता हूं जो दर्शकों के लिये इतना बड़ा शो लेकर आये।श्रीमद रामायण मेरे करियर का सबसे बड़ा शो होगा।हनुमान जी की भूमिका निभाकर मैं गौरान्वित हूं।

निर्भय वाधवा ने कहा, जब आप हनुमान जी किरदार निभाते है, उनका गेटअप धारण करते हैं तो आपकी सारी मुश्किलें दूर हो जाती है। आप पॉजिटिव हो जाते हैं। कहते हैं कि जय श्री राम बोलने से सारी तकलीफ दूर हो जाती है। यह सच है, मैंने अपने लाइफ मे ये सब चीजें महसूस की है। श्रीमद रामायण में काफी डिटेल के साथ काम किया गया है।श्रीमद रामायाण युवाओं को बेहद पसंद आयेगी। श्रीमद रामायाण देखने के बाद लोगो में बड़ो का आदर करने की भावना अंदर आयेगी। यह शो सिखाएगा कि बड़ों का सम्मान कैसे करें।श्रीमद रामायण में हनुमान जी के किरदार में हर बारीक से बारीक पहलुओं का ध्यान रखा गया है। इस किरदार को फिर से निभाना मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा।

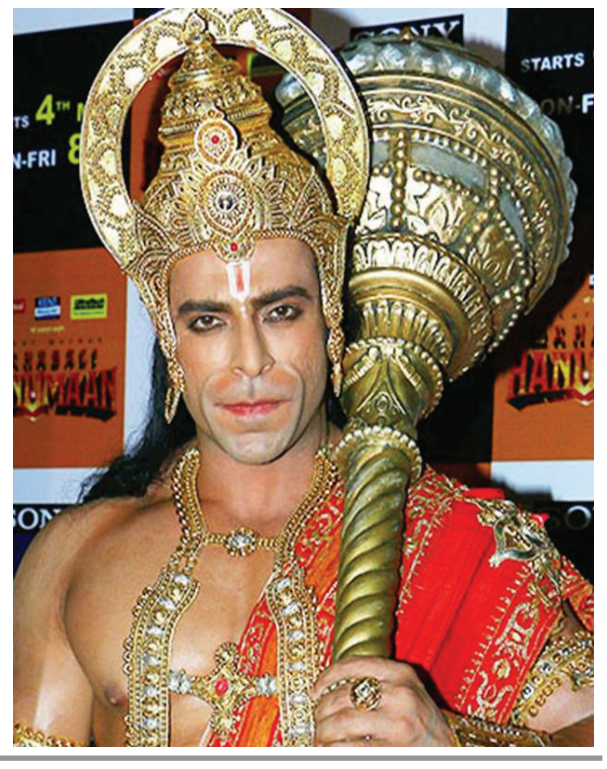

मुन्नाभाई एमबीबीएस के 20 साल पूरे

प्रतिष्ठित फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस के 20 साल पूरे हो चुके हैं। इस पर अभिनेता अरशद वारसी जश्न मना रहे हैं। अरशद ने हाल की एक घटना शेयर की, जब उन्होंने और संजय दत्त ने एक प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग की, जहां वह मुन्ना भाई और सर्किट के कॉस्टयूम पहनकर गए। अरशद का सर्किट किरदार पिछले कुछ वर्षों में लोकप्रिय बन गया है और यह दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण स्थापित करता है। मुन्ना के साथ उनकी जबरदस्त केमिस्ट्री है। लगे रहो मुन्ना भाई में जब मुन्ना और सर्किट के बीच गलतफहमी हो जाती है तो एक खालीपन महसूस होता है और वह दृश्य जहां मुन्ना सर्किट से सॉरी कहता है, हर किसी की आंखों में आंसू आ जाते हैं।पुरानी यादों के रास्ते पर चलते हुए अरशद ने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि दो दशक हो गए हैं। सर्किट मेरे लिए एक बहुत ही खास किरदार है, यह मेरे दिल के बहुत करीब है। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर मुन्नाभाई एमबीबीएस की एक तस्वीर भी शेयर की और कैप्शन में लिखा, 20 साल, वाह, ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो, मुन्ना और सर्किट को इतना प्यार करने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं।

बिसलरी की ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनी दीपिका पादुकोण

मिनरल वाटर ब्रांड बिसलरी ने नये कैम्पेन बिसलेरी ष्टडिंकअपमें दीपिका पादुकोण को अपना पहला ग्लोबल ब्रांड एम?बेसेडर बनाया है। विज्ञापन फिल्म में दीपिका मशहूर गाने 'झूम झूम झूम बाबा' पर नये अंदाज़ में थिरकती नजर आयेंगी। इस दौरान वह ताजगी पाने के लिये 'पानी 'पीती दिखाई देंगी।

दीपिका पादुकोण को ब्रांड एम्बेसेडर बनाने पर अपनी बात रखते हुए, बिसलरी इंटरनेशनल प्रा. लि.की वाइस चेयरपर्सन जयंती चौहान ने कहा,हमारा नया कैम्पेन बिसलेरी ष्ट्रिंकअप पहली बार दीपिका पादुकोण के मशहूर अंदाज में मजा और रोमांच लेकर आ रहा है। हम दीपिका पादुकोण को अपनी पहली ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनाकर उत्साहित हैं। उनका काम और वैल्यूज़ हमारी ब्राण्ड फिलोसॉफी से मेल खाते हैं। उनके साथ हम अपने ब्राण्ड की नये जमाने में तरक्की दिखा सकते हैं। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन सभी को पसंद आएगा और लोग बिसलरी के साथ अपनी प्यास बुझाने का मजा लेंगे।

दीपिका पादुकोण ने बिसलरी की ग्लोबल एम्बेसेडर बनने पर अपना उत्साह दिखाते हुए कहा, 'मैं बिसलरी जैसे मशहूर ब्रांड के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। बिसलरी इंटरनेशनल प्रा. लि. के मार्केटिंग हेड तुषार मल?होत्रा ने कहा, ''बिसलेरीष्ट्रिंकअपकैम?पेन हमारे ब्रांड को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ब्राण्ड के प्रति लोगों का प्यार बढ़ेगा और हमारे उपभोक्ता रोमांचक चर्चाओं में शामिल होंगे।

बिसलेरी ष्ट्रिंकअपकैम्पेन को निर्वाणा फिल्म्स ने शूट किया है और इसका निर्देशन प्रकाश वर्मा ने किया है।